E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 52 | गुवाहाटी | गुरुवार, 19 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

Government of Assam
Finance Department

Statewide Launch on 19 September 2024

Time: 11:00 AM

ORUNODOI 3.0

Transforming Lives with Assam's Largest DBT Initiative

37.2 lakh new beneficiaries	One Ration Card - One Orunodoi	Valid AADHAAR-seeded Ration Card is a precondition	Permanent residents of Assam, currently residing in the state are eligible	Nomination of eligible 18+ woman or Divyangjan as beneficiary

Who Can Apply ?

- Widow, unmarried (above the age of 45 yrs), divorced and deserted women
- Transgender
- Person with disability as defined in the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016, irrespective of gender
- Old/Infirm women including those residing in Government registered old age home
- Women of the Household, where earning members are either disabled or aged (more than sixty years of age)
- Women in household, where any member is suffering from HIV/ Thalassemia/ Haemophilia/ Cerebral Palsy/ Leprosy/ Autism Spectrum Disorder
- Women in household without shelter
- Destitute women living on alms
- Antyodaya Anna Yojana (AAY) women beneficiaries
- Women in the household where composite income is less than ₹2 lacs per annum

Who Can't Apply ?

Household of:

- MPs, MLAs, CEMs, EMs, Ex MPs, Ex MLAs, Ex-CEMs, Ex-EMs
- Current Members of Panchayati Raj Institutions, Urban Local Bodies and Autonomous Councils/ VCDCs etc (in Sixth Scheduled districts)
- Doctors, Engineers, Architects, Charted Accountants, Bank officials, Lawyers
- University, College, Higher Secondary, Junior College, High School, Upper Primary and Lower Primary School teachers including contractual/ temporary
- Any Government regular employee, pensioner or contractual employee, including Anganwadi worker, Mid-day meal worker, ASHA worker, ASHA supervisor, Gaon Pradhan
- Government contractors and suppliers, real estate builders, industrialists, trade license holders who pay income tax
- Businessmen/entrepreneurs, shopkeepers, traders who pay income tax
- Land holders other than small and marginal categories
- Owning motorized four-wheeler vehicles
- Beneficiaries under the 'Orunodoi Plus' scheme and any beneficiary of similar scheme, receiving the same cash benefit from state as Orunodoi 3.0, or more than that
- Composite household income exceed the limits notified in the extant 'Assam Food Security Rules' under the 'National Food Security Act, 2013' (NFSA)

Important Notice

All eligible, including existing beneficiaries must apply afresh to receive benefits under **Orunodoi 3.0**

*For details, kindly refer to Orunodoi 3.0 Scheme Guidelines

https://finance.assam.gov.in @assamfindept

Published by Directorate of Information & Public Relations, Assam   Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in

Subscribe to Asom Barta Whatsapp 'Assam' at 7636834943

-- Janasanyog /D/5978/24/19-Sep-24

शाहपुरा : सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश, गणपति पंडाल में मिले जानवरों के अवशेष से तनाव, बाजार बंद

भीलवाड़ा (हिंस)। शाहपुरा जिले के जहाजपुर के बाद बुधवार को एक बार फिर शाहपुरा के शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की गई। गणपति पंडाल में जानवर के सिर और कटे हुए पैर मिलने से शहर में तनाव का माहौल उत्पन्न हो गया। घटना के बाद हिंदू संगठनों, गणेश उत्सव समिति के पदाधिकारियों और स्थानीय युवाओं में गहरा आक्रोश फैल गया, जिसके परिणामस्वरूप पूरे शाहपुरा के बाजार बंद करवा दिए गए और विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। घटना बुधवार अलसुबह की है, जब अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन के बाद खाली पंडाल में अचानक जानवर का सिर और कटे हुए पैर पाए गए। यह घटना चमना बावड़ी स्थित गणेश पंडाल की है, जिसे देखने के बाद मौके पर तनाव फैल गया। गणेश उत्सव समिति के कार्यकर्ता और पदाधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए, और आक्रोशित होकर धरने पर बैठ गए। सूचना मिलते ही शाहपुरा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस प्रशासन ने स्थिति को संभालने का प्रयास किया, लेकिन घटना की गंभीरता को देखते हुए शहर में गुस्से का माहौल तेजी से फैल गया। इस घटना के बाद, शहर के विभिन्न हिंदू संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पंडाल के बाहर इकट्ठा होने लगे। गणेश उत्सव समिति और स्थानीय युवाओं ने इसे धार्मिक भावनाओं पर सीधा आघात बताया और पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि यदि पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होती, तो ऐसी घटना को अंजाम नहीं दिया जा सकता था। नगर परिषद सभापति रघुनंदन सोनी, भाजपा अध्यक्ष राजेंद्र बोहरा, और पीसीसी सदस्य संदीप जीनगर सहित कई प्रमुख नागरिक धरना स्थल पर पहुंचे और घटना की निंदा की। घटना के विरोध में पूरे शाहपुरा के बाजार बंद करवा दिए गए। शहर भर में युवाओं ने प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। गणेश पंडाल के बाहर जमा हुए लोग पुलिस से त्वरित कार्रवाई और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। घटना के बाद से शहर के कई प्रमुख स्थानों पर भीड़ इकट्ठा हो रही है। जगह-जगह लोग विरोध कर रहे हैं और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की इस घटना की कड़ी आलोचना कर रहे हैं। सभापति रघुनंदन सोनी ने इस घटना को शाहपुरा की शांतिपूर्ण फिजा को बिगाड़ने का एक सुनियोजित षड्यंत्र बताया। उन्होंने कहा, शाहपुरा एक शांतिप्रिय शहर है, लेकिन कुछ असामाजिक तत्व यहां के सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने

की कोशिश कर रहे हैं। यह एक गहरी साजिश है, जिसे समय रहते नाकाम करना होगा। गणेश उत्सव समिति और हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने पुलिस पर इस मामले में लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पंडाल की सुरक्षा और आसपास के क्षेत्रों में गश्त नहीं होने के कारण ही यह घटना घटी। शाहपुरा पुलिस का कहना है कि वे इस घटना को बेहद गंभीरता से ले रहे हैं और दोषियों की तलाश में जुट गए हैं। डीएसपी रमेश तिवारी ने कहा, शहर में कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। हम जल्द ही इस मामले की जांच पूरी कर दोषियों को गिरफ्तार करेंगे। घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने शहर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया है। शाहपुरा पुलिस के साथ-साथ जिले के अन्य पुलिस थानों से भी बल बुलाया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके और स्थिति को नियंत्रण में रखा जा सके। जिला कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश कांवट सहित उच्च अधिकारी भी स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। उनका कहना है कि शहर में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। शहर के कई गणमान्य नागरिकों और संगठनों ने इस घटना को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि यह घटना सिर्फ धार्मिक भावनाओं को आहत करने का प्रयास नहीं है, बल्कि शहर में सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने की एक गहरी साजिश हो सकती है। भाजपा अध्यक्ष राजेंद्र बोहरा ने कहा कि शाहपुरा में कभी भी इस तरह की घटना नहीं हुई थी। यह एक बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकता है, जिसे समय रहते नाकाम करना बेहद जरूरी है। हम पुलिस और प्रशासन से इस मामले में त्वरित और सख्त कार्रवाई की मांग करते हैं। शहर के प्रमुख नागरिकों ने इस घटना के बाद सभी से शांति और संयम बनाए रखने की अपील की है। उनका कहना है कि ऐसी घटनाओं से उत्तेजित होकर कोई भी कदम नहीं उठाना चाहिए, जो शहर की शांति को और ज्यादा प्रभावित करे। पीसीसी सदस्य संदीप जीनगर ने कहा कि हम सभी को मिलकर इस घटना का सामना करना होगा और शहर में शांति और सौहार्द बनाए रखना होगा। प्रशासन को दोषियों को जल्द से जल्द पकड़कर सजा दिलानी चाहिए।

कांग्रेस विधायक इजाहरुल हुसैन की खुली चुनौती

मुस्लिम एकजुट हो जाएंगे, तो आप कहां जाएंगे पता नहीं चलेगा

किशनगंज (हिंस)। बिहार में किशनगंज विधानसभा सीट के कांग्रेस विधायक इजहारुल हुसैन ने भाजपा को खुली चुनौती दी है। कांग्रेस विधायक ने कहा कि अगर अल्पसंख्यक (मुस्लिम) जब एक जुट हो जाएंगे तो आपको कहां भेजेंगे, ये आपको पता नहीं चलेगा। अगर हम नहीं रहेंगे तो आप कहां से रहियेगा। कांग्रेस विधायक इजहारुल हुसैन के इस बयान के बाद बिहार की सियासी माहौल गर्म हो सकता है। दरअसल, किशनगंज के कांग्रेस विधायक इजहारुल हुसैन ने वक्फ संशोधन बिल पर भाजपा पर निशाना साधा है। इस दौरान उन्होंने ये बयान दिया। कांग्रेस नेता ने कहा कि अल्पसंख्यकों को टारगेट कर राजनीति करना भाजपा बंद करें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर अल्पसंख्यक (मुस्लिम) जब एकजुट हो जाएंगे तो आप कहां जाएंगे पता नहीं चलेगा। विधायक इजहारुल हुसैन ने कहा कि हम नहीं रहेंगे तो आप राजनीति तक नहीं कर सकते हैं। जब हम हैं तो आप पॉलिटिक्स कर लीजिए, लेकिन अल्पसंख्यकों (मुस्लिम) पर टारगेट नहीं करें। कांग्रेस विधायक ने कहा कि भाजपा के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है। हमारी बाबरी मस्जिद चली गई। ईसीसी का मुद्दा चला गया। भाजपा के पास विकास का तो कोई मुद्दा बचा नहीं है, इसलिए मुस्लिमों को टारगेट कर उनके वक्फ की जमीन पर नजर डाले हुए है। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड में अन्य धर्म के लोगों को शामिल करना संविधान के खिलाफ चैलेंज है इसको बर्दास्त नहीं कर सकते है।

कांग्रेस हमेशा आतंकवादियों की पक्षधर रही : शिक्षा मंत्री

जोधपुर (हिंस)। जिला प्रभारी मंत्री व शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने एक बार फिर महाराणा प्रताप व अकबर का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा है। दिलावर ने कहा कि कांग्रेस हमेशा आतंकियों के पक्षधर रही है। बाटला हाउस एनकाउंटर के समय सोनिया गांधी फूट-फूट कर रोई, यह बात खुद राहुल गांधी ने कही है। यह बात उन्होंने एयरपोर्ट पर जोधपुर से लौटते समय मीडिया से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप व अकबर की तुलना नहीं की जा सकती क्योंकि अकबर आतंकवादी, अक्रांत व देशद्रोही था। इतिहास को बदला नहीं जा सकता। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा से आतंकवादियों की पक्षधर रही है। आतंकवादियों के नाम भी सम्मानजनक तरीके से लेते है। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिका में कहा था कि वह ताकत में आएंगे तो आरक्षण खत्म कर देंगे यानि एससी, एसटी, ओबीसी व दस प्रतिशत जो जनरल है वह उन सबके खिलाफ है।

भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारी करेंगी हरियाणा में चुनाव प्रचार : डॉ. महेन्द्र कुमावत

जयपुर (हिंस)। हरियाणा में आगामी दिनों में होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रचार की कमान संभालने के लिए राजस्थान भाजपा महिला मोर्चा का दल रवाना हो गया हैं। बुधवार को भाजपा प्रदेश मंत्री डॉ. महेन्द्र कुमावत ने भाजपा प्रदेश कार्यालय से महिला मोर्चा के पदाधिकारियों की बस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश मंत्री डॉ. महेन्द्र कुमावत ने बताया कि हरियाणा के विधानसभा चुनावों में भाजपा प्रचंड बहुमत से जीतेगी। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार को गति देने के लिए राजस्थान से महिला मोर्चा की पदाधिकारियों का दल आज रवाना

हुआ है जो चुनाव संपन्न होने तक वहां अलग अलग विधानसभा क्षेत्रों में जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी नीतियों को आमजन तक पहुंचाने का कार्य करेंगी। भाजपा प्रदेश मंत्री डॉ. महेन्द्र कुमावत ने बताया कि महिला मोर्चा का दल अलग अलग विधानसभा क्षेत्रों में जाकर आम महिलाओं से संपर्क करेंगी और हरियाणा में भाजपा सरकार की ओर से महिलाओं के लिए किए गए कार्यों की जानकारी भी देंगी। इस दौरान राजस्थान की महिला मोर्चा पदाधिकारी हरियाणा भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर चुनाव रणनीति बनाने का कार्य भी करेंगी। भाजपा प्रदेश मंत्री डॉ. महेन्द्र कुमावत ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दस वर्ष के कार्यकाल में किए गए कार्यों का हरियाणा के आमजन में बहुत क्रेज है और वहां की जनता तीसरी बार भाजपा को ही सत्ता की चाबी सौंपेगी।

कांग्रेस प्रत्याशियों के बिगड़े बोल से दुविधा में फंसी हाईकमान

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा विधानसभा के चुनावी रण में उतरे कांग्रेस प्रत्याशियों ने सार्वजनिक सभाओं के दौरान विवादित बयान देकर जहां हाईकमान को सकते में डाल दिया है, वहीं भारतीय जनता पार्टी ने इसे मुद्दा बना लिया। कांग्रेस के विधायकों के सार्वजनिक सभाओं में दिए गए बयान बुधवार को दिनभर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने रहे। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने नीरज शर्मा के बयान पर पल्ला झाड़ते हुए उनके निजी बयान बता दिया। विधानसभा चुनाव के बीच पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा समर्थक दो उम्मीदवारों ने विवादित बयान दे दिए हैं। दोनों उम्मीदवारों ने हरियाणा प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आने पर सरकारी नौकरियों को लेकर बड़े बयान दे दिए हैं। इसको लेकर भाजपा हमलावर हो गई है। कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा के जिले फरीदाबाद की एनआईटी 86 विधानसभा के विधायक नीरज शर्मा की वीडियो को अपने एक्स पर अपलोड कर कमेंट करते हुए लिखा है कि हुड्डा की नीयत और कांग्रेस के असली चाल चरित्र का प्रचार करते हुए कांग्रेस मेनिफेस्टो का पहला वादा नौकरी फिर पर्ची खर्ची पर बांटेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल कौशिक पहले ही आरोप लगाती आ रही है कि कांग्रेस हमेशा सिफारिश और पैसे की लेनदेन पर नौकरी देती आई है। उनके विधायकों ने अभी से जनता के बीच यह काम शुरू कर दिया है, उनके पूर्व विधायक कहते हैं कि जो मुझे 50 वोट देगा।

धरातल पर रहकर करें विधानसभा उपचुनाव की तैयारी : योगी अदित्यनाथ

गाजियाबाद (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को रोजगार सृजन मेले के बाद भाजपा संगठन के साथ रामभवन में बैठक की। उन्होंने पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं से कहा कि विधानसभा उपचुनाव की तैयारी में धरातल पर रहकर करें। अति आत्मविश्वास में न रहें। बैठक में योगी ने क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसोदिया, शहर विधानसभा प्रभारी हरिओम शर्मा एवं महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा से शहर विधानसभा में चल रही सभी संगठनात्मक गतिविधियों का बड़ी बारीकी से जायजा लिया और आगे के करणीय बिंदुओं पर संगठन के पदाधिकारियों का मार्गदर्शन किया। योगी आदित्यनाथ ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अति आत्मविश्वास में होकर चुनावी समर में नहीं उतरना है। सभी कार्यकर्ताओं को धरातल पर रहकर केवल पीएम मोदी के एक सूत्र वाक्य को चुनाव जीतने का प्रमुख आधार बनाना है कि बूथ जीता चुनाव जीता। उन्होंने विपक्ष की युवा जोड़ी को निशाना बनाते हुए कहा यह बबुआ और पपुआ की जोड़ी जनता को बहकाने का ही काम करने की राजनीति करती है। हमें केवल आम जनता को घर-घर जाकर बताना है कि कांग्रेस सरकार ने देश में सबसे लंबे समय के लिए देश में सरकार चलाई है। उत्तर प्रदेश में 4 साल समाजवादी पार्टी का भी शासन रहा है। 1947 से 2014 तक के अपने इतने लंबे कार्यकाल में कांग्रेस आठ लेन की हाईवे क्यों नहीं बना पाई, मेट्रो रैपिड क्यों नहीं चला पाई, शिक्षा के क्षेत्र में भरोसा पैदा क्यों नहीं कर पाई, मेडिकल कॉलेज की स्थापना क्यों नहीं कर पाई , भ्रष्टाचार पर लगाम क्यों नहीं लगी, गुंडा माफिया राज सरकार पर हावी क्यों रहा, व्यापारी और बेटी कांग्रेस व सपा शासन में अपने आप को सुरक्षित क्यों नहीं महसूस कर पाए। इन सारे सवालों का जवाब 2014 से अब तक मोदी सरकार ने और आपकी प्रदेश सरकार ने अपने सुशासन और विकास से कैसे दे दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि बूथ और शक्ति केंद्र की सभी कार्रवाई को धरातल पर रहकर दुरुस्त कर लेना है। कोई भी चुनाव जिले पर नहीं, प्रदेश में नहीं, क्षेत्र में नहीं लड़ा जाता, बूथ पर ही लड़ा जाता है। संगठन की विशेष बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता बलदेव राज शर्मा, अशोक गोयल, पूर्व महापौर आशु वर्मा पूर्व महापौर आशा शर्मा, किसान मोर्चा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजा वर्मा, पूर्व अध्यक्ष विजय मोहन, पूर्व विधायक कृष्णवीर सिरोही, पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी, पूर्व अध्यक्ष अमरदत्त शर्मा, पूर्व डिप्टी मेयर राजेश्वर प्रसाद, पूर्व एमएलसी सुरेश कश्यप, पूर्व अध्यक्ष अजय शर्मा, सरदार एसपी सिंह, हातम सिंह नागर, पूर्व पार्षद अनिल स्वामी, पूर्व पार्षद राजेंद्र त्यागी, सुनील यादव, महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान, सुशील गौतम राजेश त्यागी गोपाल अग्रवाल, रनिता सिंह, महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, महिला मोर्चा अध्यक्ष उदिता त्यागी, प्रताप चौधरी, विरेंद्र सारस्वत, पार्षद राजीव शर्मा, पूनम सिंह, शीतल चौधरी, प्रीति चंद्रा, लवली कौर, प्रदीप गर्ग, अमित प्रताप, प्रतीक माथुर सहित सैकड़ों की संख्या में पदाधिकरी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने मोहाली में कारोबारियों से मांगी फिरौती

चंडीगढ़ (हिंस)। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने पंजाब के मोहाली में एक कारोबारी को फोन करके धमकी देते हुए दो करोड़ रुपये की फिरौती की मांगी है। उसने एक अन्य कारोबारी को फोन करके कारोबार में हिस्सेदार बनाने की धमकी दी है। पुलिस ने दोनों कारोबारियों की शिकायत पर कार्रवाई शुरू कर दी है। एक दिन पहले ही पंजाबी सिंगर आर. नेत से भी एक करोड़ की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया था। कारोबारी की शिकायत पर मोहाली के सोहाना थाने की पुलिस ने केस दर्ज किया है। सेक्टर-91 निवासी मोहित ग्रोवर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि उसकी दवाईयों की फैक्टरी है। कुछ दिन पहले उसे विदेशी नंबर से उसके फोन पर वॉट्सऐप पर कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने खुद को गोल्डी बराड़ बताया। साथ ही कहा कि अपने बिजनेस में हिस्सेदार बनाए। अगर उसे किसी चीज या बाउंसरों की जरूरत है तो मुहैया करवा दिए जाएंगे। मोहित ने बताया कि इसी नंबर से 10 से 15 बार कॉल आई।

हरियाणा चुनाव में जनता कांग्रेस का सूपड़ा करेगी साफ : प्रीति जौहर

यमुनानगर (हिंस)। भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रीति जौहर ने कहा कि कांग्रेस की कुटिलता को जनता अच्छी तरह से समझ चुकी है। विधानसभा चुनाव में हरियाणा की जनता कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर देगी। कांग्रेस के पास प्रदेश के विकास और जनता की सेवा करने का कोई विजन नहीं है, वह सिर्फ झूठ और छल-कपट की राजनीति के सहारे सत्ता पर काबिज होने का सपना देख रही है, जिसे जनता कभी पूरा नहीं होने देगी। बुधवार को महिला नेता प्रीति जौहर जगाधरी विधानसभा के गांव देवधर में जगाधरी से भाजपा प्रत्याशी कंवरपाल के समर्थन में जनसंपर्क के दौरान महिलाओं को संबोधित कर रहीं थीं। उन्होंने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश की जनता के साथ-साथ महिला शक्ति में जोश दिखाई दे रहा है। कांग्रेस पार्टी व अन्य विपक्षी दलों के केवल खोखले वादे हैं। जिन राज्यों में कांग्रेस शासन है, वहां विकास की गाड़ी ठप पड़ी है। इसके विपरीत

जहां भाजपा की सरकारें हैं, वहां रफ्तार के साथ विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सहित सभी विपक्षी दल भाजपा के विकास कार्यों को देखकर बौखला गए हैं और लोगों में तरह-तरह की भ्रान्तियां फैला रहे हैं। प्रीति जौहर ने कहा कि जनता कांग्रेस व विपक्षी दलों के झूठ को अच्छी तरह समझ चुकी है और अब इनके बहकावे में नहीं आने वाली हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने देश की बागडोर संभालते ही महिलाओं के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए। महिलाओं के जीवन में भाजपा सरकार के कारण अभूतपूर्व सुधार हुए हैं। जैसे 11 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण, 30.64 करोड़ रुपए मुद्रा ऋण के वितरण और उज्ज्वला योजना के तहत गरीबी रेखा से नीचे वाली 10.1 करोड़ महिलाओं को गैस कनेक्शन उपलब्ध होना है। हालिया बजट घोषणाओं के अनुसार 36 लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और आशा कार्यकर्ताओं को आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाया गया है। यह सभी सामाजिक वर्गों की महिलाओं के प्रति मोदी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने हरियाणा की धरती से बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ मुहिम की शुरुआत की थी, जिसके सार्थक परिणाम आज प्रदेश में दिखाई दे रहे हैं।

देश हित में एक देश एक चुनाव : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के ऐतिहासिक फ़ैसले का स्वागत किया है। केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि एक देश एक चुनाव देश हित में है। प्रधानमंत्री मोदी का कड़ा और बड़ा निर्णय है एक भारत श्रेष्ठ भारत। एक देश एक चुनाव वाली रामनाथ कोविंद समिति को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। बुधवार को हुई नरेंद्र मोदी सरकार की कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को पेश किया गया, जिस पर सर्वसम्मति से कैबिनेट ने मुहर लगा दी। सरकार के इस कदम का भारतीय जनता पार्टी ने भी स्वागत किया है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि एक देश एक चुनाव यह भारतीय जनता पार्टी के एजेण्डे में शामिल है। एक देश एक चुनाव होना चाहिए। यह देश के हित में है। आजादी के बाद देश में लोकसभा के साथ ही विधानसभा के चुनाव होते थे। बाद में लोकसभा व विधानसभा का चुनाव अलग-अलग होने लगे।

पंजाब के मुख्यमंत्री मान की तबीयत बिगड़ी अपोलो अस्पताल में भर्ती

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की मंगलवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मुख्यमंत्री मान मंगलवार रात चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर उतरे और उनकी तबीयत बिगड़ गई। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर उतरते ही भगवंत मान का संतुलन बिगड़ गया। सिक्योरिटी स्टाफ ने उन्हें संभाला। इसके बाद उन्हें पहले सीएम आवास चंडीगढ़ लाया गया। वहां उन्हें ड्रिप लगाई गई। इसके साथ मान को दिल्ली के अपोलो अस्पताल ले जाया गया गया। वहां डाक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। भगवंत मान 13 सितंबर को दिल्ली पहुंचे थे। इसी दिन आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी। तब से वह दिल्ली में ही रुके हुए थे।

गणेश वंदना में झूमा चित्तौड़ शहर, तड़के तक चला प्रतिमा विसर्जन का जुलूस

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय पर अनंत चतुर्दशी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसमें विगत 10 दिनों से चल रहे गणपति महोत्सव का गणपति प्रतिमाओं के विसर्जन का दौर मंगलवार सुबह से शुरू हुआ। लेकिन मुख्य समारोह रात 8 बजे शुरू हुआ, जिसमें लाइसेंस वाली 22 झांकी शामिल थी। इसमें आखरी प्रतिमा का विसर्जन बुधवार तड़के पांच बजे हुआ। इसके बाद करीब 20 घंटे से लगातार कानून-व्यवस्था की ड्यूटी संभाले पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली है। वहीं पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी प्रतिमा विसर्जन तक पुलिस कंट्रोल रूम पर जमे रहे। इस दौरान निकाले जुलूस में पूरा शहर भगवान गणेश की भक्ति में डूबा दिखाई दिया। राजस्थान के दूसरे सबसे बड़े समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। वैसे तो मंगलवार को अनंत चतुर्दशी का त्यौहार था। लेकिन चित्तौड़गढ़ में 23 गणपति झांकी को प्रशासन की और से लाइसेंस जारी होता है और ये ही शाम को जुलूस निकालते हैं। ऐसे में मंगलवार रात निकाले जुलूस में

करीब 80 लोगों की भागीदारी देखी गई। इस जुलूस में युवाओं ने डीजे की धुन पर नृत्य का आनंद लिया। गंभीरी नदी पर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। वैसे तो करीब 5 हजार छोटी बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। वहीं लाइसेंस वाली झांकियों का मुख्य चल समारोह जुलूस रात 8 बजे शुरू हुआ जो, बुधवार तड़के पांच बजे तक चला। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए है। गणपति के भक्तों की ओर से भी घरों में भी गणपति स्थापना की गई। इसकी मंगलवार को अनंत चतुर्दशी के दिन शहर की प्रमुख गंभीरी नदी में गणपति प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ 10 दिवसीय गणपति महोत्सव का समापन भी हुआ। इसमें दोपहर से ही गणपति प्रतिमाओं के विसर्जन शुरू हो गए। लाइसेंस धारी गणपति की प्रतिमाओं का विसर्जन देर रात्रि होगा। इसके लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन ने गंभीरी नदी के तट पर सिविल डिफेंस और नगर परिषद की टीमें लगाई गई थी। जिला कलक्टर आलोक रंजन, पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी भी सुरक्षा व्यवस्थाओं पर नजर रखे रहे और पुलिस कंट्रोल रूम मौजूद रहे। जुलूस के दौरान पुलिस और प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट दिखा। अनंत चतुर्दशी पर अन्नदान का भी बड़ा महत्व है। यही कारण है कि कुछ वर्षों से शहर में निकलने वाले जुलूस को लेकर श्रद्धालुओं के साथ ही चित्तौड़गढ़ विधायक की और से बड़े पैमाने पर आयोजन किया जाता है। चित्तौड़ महोत्सव समिति के बैनर तले 50 हजार लोगों के लिए महाप्रसाद बना भोजन कराया। वहीं चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभानसिंह आक्या की और से करीब 4 टन वजनी 90 हजार लड्डुओं का वितरण हुआ। विधायक की और से यह आयोजन करीब 14 साल से जारी है, जब आक्या केंद्रीय सहकारी बैंक चेयरमैन थे।

शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 52 | गुवाहाटी | गुरुवार, 19 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पूर्वी एशिया में तैनाव जहाज सुजय पहुंचा इंडोनेशिया के बाली बंदरगाह पर पेज 4 | लेबनान में पेजर धमाकों में 11 की जान गई, 2700 से अधिक लोग घायल... पेज 7 | भाजपा सरकार में देश-प्रदेश के माहौल में हुआ सुधार : आदित्यनाथ पेज 8 | भाजपा सरकार में देश-प्रदेश के माहौल में हुआ सुधार : आदित्यनाथ पेज 9

एक देश एक चुनाव लोकतंत्र को और अधिक जीवंत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम : पीएम

नई दिल्ली (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को *एक देश एक चुनाव* पर केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि यह हमारे लोकतंत्र को और अधिक जीवंत एवं सहभागी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि कैबिनेट ने एक साथ चुनाव कराने संबंधी उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। मैं इस प्रयास का नेतृत्व करने और विभिन्न हितधारकों से परामर्श करने के लिए हमारे पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की सराहना करता हूं। यह हमारे लोकतंत्र को और अधिक जीवंत एवं सहभागी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने आज केंद्रीय मंत्रिमंडल के अन्य निर्णयों को लेकर भी पोस्ट किया। उन्होंने कहा

कि देशभर के जनजातीय समुदायों के उत्थान और उनके सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए हम कृतसंकल्प हैं। इसी दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए हमने प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान को मंजूरी दी है। इससे हमारे 5 करोड़ से ज्यादा आदिवासी भाई-बहनों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि अपने किसान भाई-बहनों के कल्याण के लिए हम निरंतर बड़े कदम उठा रहे हैं। इसी कड़ी में आज हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान को स्वीकृति दी है। इससे ना केवल किसानों को अपनी फसल का लाभकारी मूल्य मिलेगा बल्कि उपभोक्ताओं को भी फायदा होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे किसान भाई-बहनों को निरंतर सस्ती दरों पर खाद की आपूर्ति जारी रहे, इसके लिए हमने 2024 के रबी सीजन के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी की दरों को स्वीकृति प्रदान की है। इस कदम से देशभर के अन्नदाताओं की खेती की लागत भी कम होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि कैबिनेट ने *बायो-राइड* योजना को मंजूरी दे दी है, जो जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की प्रगति को और आगे ले जाएगी। इसमें नवाचार, वित्तपोषण और क्षमता निर्माण पर जोर दिया जाएगा। यह योजना सतत विकास को भी बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा कि एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना को कैबिनेट की मंजूरी मिलना मीडिया और मनोरंजन की दुनिया के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी है। इससे रचनाकारों के इको-सिस्टम को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के कई अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए बड़ी खुशखबरी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गगनयान कार्यक्रम का विस्तार करते हुए भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) की दिशा में पहला कदम उठाने को मंजूरी दे दी है। यह ऐतिहासिक निर्णय हमें 2035 तक एक आत्मनिर्भर अंतरिक्ष स्टेशन और 2040 तक मानवयुक्त चंद्र मिशन के और करीब ले आएगा।

जम्मू-कश्मीर का यह चुनाव तीन परिवारों और यहां के नौजवानों के बीच का है : धामी

देहरादून (हिंस)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के बनी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार जीवन लाल के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। धामी ने कहा कि यह विधानसभा चुनाव तीन परिवारों और जम्मू कश्मीर के नौजवानों के बीच का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में विकास का नया अध्याय शुरू होने के साथ ही राज्य शांति की ओर आगे बढ़ा है। इसी का असर है कि जम्मू कश्मीर की जनता में मतदान को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री धामी ने बनी पार्क में आयोजित जनसभा में कहा कि बनी की भूमि ऐतिहासिक संस्कृति और बलिदान की भूमि है। जम्मू-कश्मीर के लोगों का लोकतंत्र के प्रति आस्था और विश्वास बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में राज्य विकास और शांति की ओर बढ़ा है। अनुच्छेद 370 को समाप्त करने के बाद जम्मू-कश्मीर में विकास की नई लहर आई है जिसका सीधा लाभ जम्मू की जनता को मिल रहा है। बनी की जनता के आशीर्वाद से निश्चित ही भाजपा उम्मीदवार जीवन लाल चुनाव में विजयी होंगे। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक देश, एक विधान, एक निशान के लिए अपना

सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके सपनों को प्रधानमंत्री मोदी ने पूरा किया। इस बार का चुनाव बहुत ऐतिहासिक होने वाला है। आजादी के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर में एक झंडे, एक संविधान के नीचे मतदान होने जा रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूल मंत्र पर कार्य हुआ है। धामी ने कहा कि देश में किसी भी लाभार्थी को योजनाओं का लाभ देने से पहले उनकी जाति धर्म नहीं पूछा जाता है। जम्मू-कश्मीर में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, रेलवे, बिजली, हर क्षेत्र में तेजी से कार्य गतिमान है। केंद्र सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है।

कांग्रेस के प्रदर्शन पर रवनीत बिट्टू का जवाब

पूछा, क्या यही है मोहब्बत की दुकान

नई दिल्ली (हिंस)। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने भाजपा नेताओं के खिलाफ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर पलटवार करते हुए कहा कि पार्टी अपनी पुरानी चाल पर लौट आई है। बिट्टू ने बुधवार को ट्वीट करके कहा कि गांधी परिवार का पर्दाफाश करने वाले को आगजनी और हिंसा की धमकियां दी जाती हैं, जो 1984 के सिख दंगों की याद दिलाती हैं। बिट्टू ने सवाल किया है कि क्या इसे ही राहुल गांधी अपनी *मोहब्बत की दुकान* कहते हैं? उल्लेखनीय है कि केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राहुल गांधी के अमेरिका में दिए बयानों पर सवाल उठाते हुए आतंकवादी कह डाला था। इसके बाद भाजपा के एक और नेता ने रवनीत बिट्टू के बयान का समर्थन किया था। कांग्रेस कार्यकर्ता इस बयान से आगबबूला हैं और आज दिल्ली से लेकर हैदराबाद तक इसके विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं।

विश्व कल्याण है वेदों और भारत राष्ट्र की रचना का उद्देश्य : भागवत

नई दिल्ली (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने बुधवार को पुस्तक विमोचन समारोह में कहा कि वेदों और भारत राष्ट्र दोनों की रचना विश्व कल्याण की इच्छा से की गई है। उन्होंने कहा कि इस दृष्टि से दोनों में कोई अंतर नहीं है, दोनों का उद्देश्य एक ही है। डॉ. भागवत ने दिल्ली के अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में वेद मूर्ति श्रीपाद दामोदर सातवलेकर की हिंदी में प्रणीत चारों वेदों के सुबोध भाष्य के तृतीय संस्करण का विमोचन किया। इस अवसर पर संघ प्रमुख ने कहा कि दुनिया का सृजन ध्वनि के स्पंदन से हुआ है। ईसाई धर्म में भी इसी बात का जिक्र है। वेदों की रचना इन्हीं ध्वनि स्पंदनों को अनुभव करके या देखकर हुई है। उन्होंने कहा कि इस दुनिया में एक हद तक मतभेद हैं लेकिन उसके परे एक एकता है। भारत ने इसी एकता का भान किया। उसी से धर्म बना जिसको सभी धारण करते हैं। धर्म एक अनुशासन और संतुलन है जिससे मानव समूह सृष्टि में रहता है। उन्होंने कहा कि सातवलेकर ने वेदों में निहित इसी विद्या का अनुभव किया और वेदों को सुभाष्य किया। यह उनके अनुभव का ही प्रमाण है कि उन्होंने पहले से ही बता दिया था कि उनकी आयु 100 वर्ष रहने वाली है। उनके वेद भाष्य का स्वाध्याय मंडल ने प्रकाशन कर उत्तम कार्य किया है। आनंद अखाड़े के आचार्य एवं महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद गिरि महाराज ने कहा कि वेद हमें विकार मुक्त होना सिखाते हैं। इनके माध्यम से मति और प्रज्ञा जागृत होती है। हमें आज संकल्प लेना चाहिए कि हम सनातन संस्कृति के ध्वजवाहक बनकर इन वेदों को घर-घर तक पहुंचाएं। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के संरक्षक दिनेश चन्द्र ने बताया कि पिछले 10 वर्षों के कार्य के परिणाम से यह वेद भाष्य प्रकाशित किए जा रहे हैं। इसका मूल्य 25 हजार रुपए है।

संयुक्त राष्ट्र भविष्य शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे डॉ. माथुर

जोधपुर (हिंस)। केयरगिवर्स आशा सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. अरविंद माथुर 20 से 23 सितंबर तक संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय न्यूयॉर्क में आयोजित होने वाले संयुक्त राष्ट्र भविष्य शिखर सम्मेलन में संगठन का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र भविष्य शिखर सम्मेलन पीढ़ियों में एक बार होने वाली ऐसी बैठक है जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन, डिजिटल प्रशासन और मानवाधिकारों जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने की दिशा में वैश्विक शासन को मजबूती प्रदान करना है। यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए अंतर-पीढ़ीगत एकजुटता और सतत विकास को बढ़ावा देगा। इस शिखर सम्मेलन का समापन भविष्य के लिए एक ऐसे समझौते के साथ होगा, जो दीर्घकालिक वैश्विक प्रतिबद्धताओं को निर्धारित करेगा।

शातिर चोर चढ़ा पुलिस के हत्थ

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस ने चोरी के मामले में शामिल एक शातिर चोर को सोने-चांदी के आभूषण के अलावा एक बाइक समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया की वशिष्ठ पुलिस थाने की ईजीपीडी टीम ने बीती रात एक चोर को गिरफ्तार किया। गिरफ्ता चोर की पहचान पुपुल अली (29, बरपेटा) के रूप में की गई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के पास से एक मोबाइल हैंडसेट, सोने से बने 2 मंगलसूत्र, सोने से बनी 6 चूड़ियां, चांदी से बनी 3 पायल, सोने से बनी 2 बालियां और नगद 1 लाख 50 हजार रूपये जब्त किया है। बरामद सामग्री के अलावा पुलिस ने चोरी के लिए व्यवहार की जा रही बाइक (एएस-01ईएस- 0284) को भी जब्त किया है।

उत्तर-पूर्व कृषि मशीनरी प्रशिक्षण और परीक्षण संस्थान में पारदर्शिता 4.0 अभियान शुरू

विश्वनाथ (विभास)। भारत सरकार के निर्देशानुसार उत्तर पूर्व कृषि मशीनरी प्रशिक्षण और परीक्षण संस्थान ने कल स्वच्छता 4.0 अभियान शुरू किया है। स्वच्छता अभियान की शुरुआत में, निदेशक पी कमलाबाई ने अपने घर-शहर और देश को स्वच्छ बनाने के लिए प्रतिदिन दो घंटे समर्पित करने के लिए कृषि मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की ऑनलाइन निगरानी में शपथ वाक्य पाठ करवाई। इस अभियान में, संस्थान के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों/प्रशिक्षुओं/प्रशिक्षुओं/आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने *एक पर मां के नाम* नाम शीर्षक अभियान में एक साथ 60 पौधे लगाए। निदेशक पी कमलाबाई ने कहा कि वृक्षारोपण सरकार द्वारा शुरू किए गए *मिशन नाइफ* के उद्देश्यों को पूरा करेगा और पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवन शैली की शुरुआत होगी और अहम भूमिका निभाएगी। पेड़ मिट्टी और पानी की गुणवत्ता और जैव विविधता में सुधार करके कृषि फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में मदद करते हैं। इस मिशन में भूमि क्षरण और मरुस्थलीकरण को रोकने की अपार संभावनाएं हैं। निदेशक पी कामनाई ने कहा स्वच्छता अभियान और वृक्षारोपण अभियान में संस्थान के सभी अधिकारी और कर्मचारी, बहिराज्य के कृषि विश्वविद्यालय और कॉलेजों से प्रशिक्षण के लिए आए हुए के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

एक बंडल बीड़ी के लिए व्यक्ति ने की पिता की हत्या

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी में एक व्यक्ति ने एक बंडल बीड़ी के लिए अपने पिता को मार डाला। हत्या नलबाड़ी के बालीकरिया में हुई। आरोपी के मृतक पिता की पहचान नृपेन बर्मन तथा आरोपी की पहचान नयन बर्मन के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात नयन उर्फ नारद बेहद नशे की हालत में घर आया। एक बंडल बीड़ी को लेकर उसकी अपने पिता से बहस हो गई। बेटे के गुस्से से घबराकर मृतक नृपेन बर्मन दुकान पर गया और बीड़ी नहीं पाने के कारण सिगरेट खरीद कर लाया। रास्ते में सिगरेट लेकर आ रहे पिता पर नयन चिल्लाने लगा। उसने पिता का गला दबाकर उसके सीने में चाकू घोंप दिया। पिता वहीं गिर गया। इसके बाद नयन ने अपने पिता का पैर पकड़कर घसीटकर ले गया।

पाखरीतोल गांव में जिला स्तर पर स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम लोक विसीडिसी के अंतर्गत पाखरीतोल गांव में जिला स्तर पर स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद दीप प्रज्ज्वलित कर स्वच्छता के संदर्भ गांव-गांव में किया गया। इस स्वच्छता संदेश कार्यक्रम में इंजीनियर मनोज नंदी, इंजिनियर ऋतुराज चौधरी, फकीराग्राम विसीडिसी चेयरमैन रफीकुल इस्लाम सहित गांव के सैकड़ों लोग मौजूत थे। इस सभा के बाद पोधरोपण कार्यक्रम चलाया गया। अंत में एक रैली के जरिए कार्यक्रम अंत हुआ।

कोकराझाड़ जिले में धूमधाम से मना विश्वकर्मा पूजा का आयोजन

कोकराझाड़ (विभास)। जिले में धूमधाम से विश्वकर्मा पूजा का आयोजन किया गया। जिले के सालाकाटी, एनटीपीसी में आयोजित विश्वकर्मा पूजा के साथ-साथ फकीराग्राम रेलवे पॉवर हाउस, आईडब्लू, पीडब्लू सिंगल विभाग ने धूमधाम विश्वकर्मा पूजा का आयोजन किया गया। इस दौरान फकीराग्राम शहर में मेले का आयोगन किया गया। मेले में काफी संख्या में लोगों ने जमकर खरीददारी की और पूजा का आनंद उठाया। वहीं जिला पीएचई विभाग के मुख्य कार्यालय में भी विश्वकर्मा पूजा का आयोजन कियागया। यहां इंजीनियर हितेश राभा, कार्यकारी इंजीनियर, एक नंबर कोकराझाड़ पीएचई, अनिर्वान बोरा, सहकारी इंजीनियर पीएचई, इंजीनियर जे ब्रह्म, इंजिनियर मनोज नंदी, एई पीएचई कम नोडल ऑफिसर जेजेएम आदि उपस्थित थे। जिला बिजली विभाग कार्यालय में आयोजित विश्वकर्मा पूजा में विधायक रविराम नार्जारी मौजूद थे। साथ ही यह विभाग्य अधिकारी और बड़ी मात्रा में आम लोग उपस्थित थे।

लॉटरी जालसाजी के आरोप में अनवर हुसैन गिरफ्तार

दरंग (हिंस)। दलगांव पुलिस ने लॉटरी के नाम पर जालसाजी करने के आरोप में कोहिनूर अग्रगति संघ के अध्यक्ष अनवर हुसैन को गिरफ्तार किया है। ओरांग की बबीना सैकिया द्वारा लॉटरी टिकट के जरिए घोषित पुरस्कार नहीं मिलने को लेकर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने इसके अध्यक्ष अनवर हुसैन को गिरफ्तार कर लिया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि दलगांव स्थित कोहिनूर संघ के सदस्यों द्वारा 29 जुलाई को लॉटरी का ड्रॉ किया गया था। लोगों से लॉटरी के नाम पर करोड़ों रुपए वसूले गए। बड़ी-बड़ी गाड़ियां तथा वेश कीमती सामानों की पुरस्कार राशि देने का झांसा दिया गया। लेकिन, सारा रुपए हजम कर लिया गया। उल्लेखनीय की दुर्गापूजा, बिहू से लेकर विभिन्न प्रकार के उत्सवों के मौके पर समितियों द्वारा इसी प्रकार से लॉटरी का आयोजन किया जाता है। इस प्रकार की लॉटरी के जरिए करोड़ों रुपए की वसूली की जाती है। बाद में पुरस्कार नहीं दिया जाता है।

कैबिनेट : चंद्रयान-4, शुक्र मिशन और अंतरिक्ष केंद्र को मंजूरी

नई दिल्ली (हिंस)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को अंतरिक्ष के क्षेत्र से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की है। इनमें चन्द्रमा और शुक्र से जुड़े मिशन और भारत के अंतरिक्ष में स्थायी स्टेशन से जुड़े अभियान शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता मे केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को इन्हें मंजूरी प्रदान की। कैबिनेट में आज मंजूर किए गए मिशनों के तहत भारत चंद्रयान-4 नामक चन्द्र मिशन लांच करेगा। इसका उद्देश्य चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने के बाद पृथ्वी पर वापस आने के लिए प्रौद्योगिकियों का विकास और प्रदर्शन करना है। साथ ही इसके माध्यम से चंद्रमा से नमूने एकत्र कर और पृथ्वी पर उनका विश्लेषण करना भी है। इसके अलावा भारत शुक्र ग्रह पर मिशन भेजेगा। इसका नाम वीनस ऑर्बिटर मिशन (वीओएम) है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक अन्वेषण करना, शुक्र ग्रह के वायुमंडल, भूविज्ञान को बेहतर ढंग से समझना तथा इसके घने वायुमंडल की जांच करके बड़ी मात्रा में वैज्ञानिक आंकड़े जुटाना है। इसके अलावा गगनयान के बाद के मिशनों और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) के निर्माण को मंजूरी दी गई है। बीएएस की स्थापना 2028 में अपने पहले मॉड्यूल के प्रक्षेपण के साथ की जाएगी। इसके साथ ही नए पुनः प्रयोज्य कम लागत वाले अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान (एनजीएलवी) का

विकास किया जाएगा। यह भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना और संचालन तथा 2040 तक चंद्रमा पर भारतीय चालक दल के उतरने की क्षमता विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। पहले से स्वीकृत कार्यक्रम में 11,170 करोड़ रुपए की शुद्ध अतिरिक्त फंडिंग के साथ, संशोधित दायरे के साथ गगनयान कार्यक्रम के लिए कुल फंडिंग को बढ़ाकर 20,193 करोड़ रुपए कर दिया गया है। *वीनस ऑर्बिटर मिशन* (वीओएम) के लिए स्वीकृत कुल धनराशि 1236 करोड़ रुपए है, जिसमें से 824.00 करोड़ रुपए अंतरिक्ष यान पर खर्च किए जाएंगे। लागत में अंतरिक्ष यान का विकास और कार्यान्वयन शामिल है, जिसमें इसके विशिष्ट पेलोड और प्रौद्योगिकी तत्व, नेविगेशन और नेटवर्क के लिए वैश्विक ग्राउंड स्टेशन समर्थन लागत के साथ-साथ लांच वाहन की लागत भी शामिल है। प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मिशन *चंद्रयान-4* के लिए कुल 2104.06 करोड़ रुपए की आवश्यकता है।

कांग्रेस का राहुल के खिलाफ बयानों पर प्रदर्शन

नई दिल्ली (हिंस)। कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन ने बुधवार को लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ हिंसक बयान देने वाले भाजपा नेताओं तरविंदर सिंह मारवाह, रघुराज सिंह, रवनीत बिट्टू (रेल राज्य मंत्री) और शिव सेना-शिंदे विधायक संजय गायकवाड़ के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। तुगलक रोड थाने में दी शिकायत में अजय माकन ने कहा है कि इन नेताओं की ओर से दिए गए बयान आपराधिक हैं और कांग्रेस पार्टी और नेता राहुल गांधी के खिलाफ नफरत फैलाने वाले हैं। यह सब भाजपा और एनडीए नेताओं के कहने पर हो रहा है। यह एक सुनियोजित साजिश है। ऐसे में इन नेताओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 351, 352, 353 और 61 के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए। इसके साथ ही आज कांग्रेस ने देश में अलग अलग स्थानों पर भाजपा और एनडीए नेताओं के बयानों के खिलाफ प्रदर्शन किया।

पूर्वी एशिया में तैनात जहाज सुजय पहुंचा इंडोनेशिया के बाली बंदरगाह पर

- समुद्री कानून प्रवर्तन पर ध्यान केंद्रित करके पेशेवर बातचीत में शामिल होगा
- इंडोनेशियाई तटरक्षक के साथ पैसेज सी एक्सरसाइज (पासेक्स) में भाग लेगा

नई दिल्ली, (हि.स.)। पूर्वी एशिया में तैनाती के दौरान भारतीय तटरक्षक बल के अपतटीय गश्ती पोत (ओपीवी) आईसीजीएस सुजय बुधवार को इंटीग्रल हेलीकॉप्टर के साथ इंडोनेशिया के बाली बंदरगाह पर पहुंच गया। तीन दिवसीय यात्रा के दौरान जहाज का चालक दल इंडोनेशियाई समकक्षों के बीच संबंधों को मजबूत करने के इरादे से पेशेवर बातचीत करेगा। इस दौरान समुद्री खोज एवं बचाव और समुद्री कानून प्रवर्तन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। आईसीजीएस सुजय ने पिछले माह इंडोनेशिया के जकार्ता में बंदरगाह की यात्रा की थी। सुजय की यह यात्रा कूटनीतिक समुद्री जुड़ाव में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस यात्रा का उद्देश्य न केवल भारतीय तटरक्षक और उनके इंडोनेशियाई समकक्षों के बीच संबंधों को मजबूत करना है, बल्कि भारत की जहाज निर्माण क्षमताओं को प्रदर्शित करना भी है। यात्रा के दौरान भारतीय जहाज की गतिविधियों में इंडोनेशियाई तटरक्षक के साथ पेशेवर बातचीत, क्रॉस डेक प्रशिक्षण, संयुक्त योग सत्र, मैत्रीपूर्ण खेल आयोजन और पैसेज सी एक्सरसाइज (पासेक्स) शामिल हैं। जहाज पर सवार 10 राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट स्थानीय युवा संगठनों के सहयोग से समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभावों पर समुदाय को संवेदनशील बनाने के लिए पर्यावरण संरक्षण वॉकथॉन में भाग लेंगे। आईसीजी ने 06 जुलाई, 2020 को सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) से अनुमोदित समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसका उद्देश्य समुद्री सहयोग बढ़ाने के साथ अपने सहकारी जुड़ाव को संस्थागत बनाना है। पूर्वी एशिया में आईसीजीएस सुजय की तैनाती भारत की भारत-प्रशांत देशों के साथ मधुर संबंधों को बढ़ावा देने, समुद्री सहयोग के माध्यम से मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आईसीजीएस सुजय की यह यात्रा समकालीन समुद्री चुनौतियों का समाधान करते हुए क्षेत्र में समुद्रों की सुरक्षा, संरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण प्रमुख समुद्री एजेंसियों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में महत्व रखती है। इस यात्रा से पहले आईसीजीएस सुजय ने जकार्ता, इंडोनेशिया और इंचियोन, दक्षिण कोरिया के बंदरगाहों का दौरा किया था, जो इस क्षेत्र में राजनयिक समुद्री जुड़ाव की निर्बाध निरंतरता को दर्शाता है। पूर्वी एशिया में आईसीजीएस सुजय की तैनाती भारत की इंडो-पैसिफिक देशों के साथ मधुर संबंधों को बढ़ावा देने, समुद्री सहयोग के माध्यम से मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सिख समाज पर राहुल गांधी के बयान को भाजपा ने बताया भड़काऊ और अपमानजनक

नई दिल्ली, (हि.स.)। सिख समाज पर राहुल गांधी के बयान पर भाजपा लगातार हमलावर है। बुधवार को भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि सिख समाज को भड़काने और उनका अपमान करने वाला बयान राहुल गांधी की पारिवारिक विरासत है। इंदिरा गांधी से लेकर राजीव गांधी तक कांग्रेस ने सिखों को सिर्फ.तिरस्कृत किया और उनके साथ हिंसा की। बुधवार को एक्स प्लेटफार्म पर अमित मालवीय ने कहा कि भारत में किस सिख को पिछले दशक में या 1990 के दशक से भाजपा शासित राज्यों में पगड़ी या कड़ा पहनने पर परेशानी का सामना करना पड़ा है? किस सिख को या सिखों को समुदाय के रूप में केवल एक बार खतरा और अलगाव महसूस हुआ था, वह तब जब राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी ने 1982 के एशियाई खेलों से पहले सभी सिखों को दिल्ली की ओर जाने से रोक दिया था और उन सभी को संभावित रूप से 'खतरा' करार दिया था। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी के निर्देश पर हरियाणा पुलिस और दिल्ली पुलिस ने बसों और कारों से सिखों को घसीटा और उनकी 'पगड़ी और कड़ा' से उनकी पहचान की। सिख पहचान और अस्तित्व पर अगला हमला राहुल गांधी की दादी इंदिरा गांधी ने किया, जब उन्होंने बिना किसी तैयारी और जमीनी स्थिति को समझे बिना ही 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' का आदेश दे दिया। उन्होंने 'हरमंदिर साहिब परिसर पर हमला करवाया और अकाल तख्त पर बम विस्फोट' करवाकर सिखों की धार्मिक भावनाओं को कुचल दिया। वह घाव अभी भी भरा नहीं है। मालवीय ने कहा कि सिख समुदाय पर तीसरा बड़ा हमला इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुआ, जब कांग्रेस के गुंडों की भीड़ ने उनकी हत्याएं और उनके साथ लूटपाट की तथा मौत और विनाश का एक गहरा निशान छोड़ दिया - हजारों सिखों का नरसंहार किया गया। राहुल गांधी एक बार फिर उन घावों को कुरेद रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अमेरिका में दो अलग-अलग विश्वविद्यालयों में अपने संबोधन में सिख समुदाय का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत में उनकी धार्मिक आजादी छीनी जा रही है और राज्यों के बीच मतभेद पैदा किया जा रहा है यानी संघवाद की बुनियाद तोड़ी जा रही है।

पंजाब के मुख्यमंत्री मान की तबीयत बिगड़ी, दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया

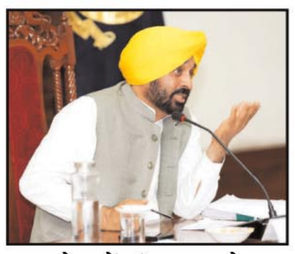

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की मंगलवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मुख्यमंत्री मान मंगलवार रात चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर उतरे और उनकी तबीयत बिगड़ गई। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर उतरते ही भगवंत मान का संतुलन बिगड़ गया। सिक्योरिटी स्टाफ ने उन्हें संभाला। इसके बाद उन्हें पहले सीएम आवास चंडीगढ़ लाया गया। वहां उन्हें ड्रिप लगाई गई। इसके साथ मान को दिल्ली के अपोलो अस्पताल ले जाया गया गया। वहां डाक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। भगवंत मान 13 सितंबर को दिल्ली पहुंचे थे। इसी दिन आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी। तब से वह दिल्ली में ही रुके हुए थे।

कांग्रेस के प्रदर्शन पर रवनीत बिट्टू का जवाब, पूछा- क्या यही है मोहब्बत की दुकान

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने भाजपा नेताओं के खिलाफ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर पलटवार करते हुए कहा कि पार्टी अपनी पुरानी चाल पर लौट आई है। बिट्टू ने बुधवार को ट्वीट करके कहा कि गांधी परिवार का पदार्फाश करने वाले को आगजनी और हिंसा की धमकियां दी जाती हैं, जो 1984 के सिख दंगों की याद दिलाती हैं। बिट्टू ने सवाल किया है कि क्या इसे ही राहुल गांधी अपनी 'मोहब्बत की दुकान' कहते हैं? उल्लेखनीय है कि केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राहुल गांधी के अमेरिका में दिए बयानों पर सवाल उठाते हुए आतंकवादी कह डाला था। इसके बाद भाजपा के एक और नेता ने रवनीत बिट्टू के बयान का समर्थन किया था। कांग्रेस कार्यकर्ता इस बयान से आगबबूला हैं और आज दिल्ली से लेकर हैदराबाद तक इसके विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कई जगह रवनीत बिट्टू के पुतले फूंकने के साथ दिल्ली भाजपा ऑफिस के सामने भी प्रदर्शन किया है।

कांग्रेस का राहुल के खिलाफ बयानों पर प्रदर्शन, अजय माकन ने तुगलक रोड थाने में दी शिकायत

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन ने बुधवार को लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ हिंसक बयान देने वाले भाजपा नेताओं तरविंदर सिंह मारवाह, रघुराज सिंह, रवनीत बिट्टू (रेल राज्य मंत्री) और शिव सेना-शिंदे विधायक संजय गायकवाड़ के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। तुगलक रोड थाने में दी शिकायत में अजय माकन ने कहा है कि इन नेताओं की ओर से दिए गए बयान आपराधिक हैं और कांग्रेस पार्टी और नेता राहुल गांधी के खिलाफ नफरत फैलाने वाले हैं। यह सब भाजपा और एनडीए नेताओं के कहने पर हो रहा है। यह एक सुनियोजित साजिश है। ऐसे में इन नेताओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 351, 352, 353 और 61 के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए। इसके साथ ही आज कांग्रेस ने देश में अलग अलग स्थानों पर भाजपा और एनडीए नेताओं के बयानों के खिलाफ प्रदर्शन किया। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने भाजपा मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। भारतीय युवा कांग्रेस के सदस्यों ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर दिए गए बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और अन्य भाजपा नेताओं के खिलाफ पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया।

हरियाणा चुनाव में जनता कांग्रेस का सूपड़ा करेगी साफः प्रीति जौहर

यमुनानगर, (हि.स.)। भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रीति जौहर ने कहा कि कांग्रेस की कुटिलता को जनता अच्छी तरह से समझ चुकी है। विधानसभा चुनाव में हरियाणा की जनता कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर देगी। कांग्रेस के पास प्रदेश के विकास और जनता की सेवा करने का कोई विजन नहीं है, वह सिर्फ झूठ और छल-कपट की राजनीति के सहारे सत्ता पर काबिज होने का सपना देख रही है, जिसे जनता कभी पूरा नहीं होने देगी। बुधवार को महिला नेता प्रीति जौहर जगाधरी विधानसभा के गांव देवधर में जगाधरी से भाजपा प्रत्याशी कंवरपाल के समर्थन में जनसंपर्क के दौरान महिलाओं को संबोधित कर रहीं थीं। उन्होंने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश की जनता के साथ-साथ महिला शक्ति में जोश दिखाई दे रहा है। कांग्रेस पार्टी व अन्य विपक्षी दलों के केवल खोखले वादे हैं। जिन राज्यों में कांग्रेस शासन है, वहां विकास की गाड़ी ठप पड़ी है। इसके विपरीत जहां भाजपा की सरकारें हैं, वहां रफ्तार के साथ विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी सहित सभी विपक्षी दल भाजपा के विकास कार्यों को देखकर बौखला गए हैं और लोगों में तरह-तरह की भ्रान्तियां फैला रहे हैं। प्रीति जौहर ने कहा कि जनता कांग्रेस व विपक्षी दलों के झूठ को अच्छी तरह समझ चुकी है और अब इनके बहकावे में नहीं आने वाली हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने देश की बागडोर संभालते ही महिलाओं के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए। महिलाओं के जीवन में भाजपा सरकार के कारण अभूतपूर्व सुधार हुए हैं। जैसे 11 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण, 30.64 करोड़ रुपये मुद्रा ऋण के वितरण और उज्ज्वला योजना के तहत गरीबी रेखा से नीचे वाली 10.1 करोड़ महिलाओं को गैस कनेक्शन उपलब्ध होना है। हालिया बजट घोषणाओं के अनुसार 36 लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और आशा कार्यकर्ताओं को आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाया गया है। यह सभी सामाजिक वर्गों की महिलाओं के प्रति मोदी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने हरियाणा की धरती से बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ मुहिम की शुरूआत की थी, जिसके सार्थक परिणाम आज प्रदेश में दिखाई दे रहे हैं।

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने मोहाली में कारोबारियों से मांगी फिरौती

चंडीगढ़, (हि.स.)। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने पंजाब के मोहाली में एक कारोबारी को फोन करके धमकी देते हुए दो करोड़ रुपये की फिरौती की मांगी है। उसने एक अन्य कारोबारी को फोन करके कारोबार में हिस्सेदार बनाने की धमकी दी है। पुलिस ने दोनों कारोबारियों की शिकायत पर कार्रवाई शुरू कर दी है। एक दिन पहले ही पंजाबी सिंगर आर. नेत से भी एक करोड़ की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया था। कारोबारी की शिकायत पर मोहाली के सोहाना थाने की पुलिस ने केस दर्ज किया है। सेक्टर-91 निवासी मोहित ग्रोवर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि उसकी दवाईयों की फैक्टरी है। कुछ दिन पहले उसे विदेशी नंबर से उसके फोन पर वॉट्सऐप पर कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने खुद को गोल्डी बराड़ बताया। साथ ही कहा कि अपने बिजनेस में हिस्सेदार बनाए। अगर उसे किसी चीज या बाउंसरों की जरूरत है तो मुहैया करवा दिए जाएंगे। मोहित ने बताया कि इसी नंबर से 10 से 15 बार कॉल आई। यह भी धमकी दी गई कि अगर पुलिस को शिकायत देने की कोशिश की तो तेरे परिवार को भारी नुकसान होगा। इसी तरह सेक्टर-78 के प्रॉपर्टी डीलर बसंत को भी विदेशी नंबर से कॉल आई थी। उससे दो करोड़ की रंगदारी मांगी गई। कॉल करने वाले वाले ने खुद को गोल्डी बराड़ बताया। उन्हें भी जान से मारने की धमकियां दी गई। प्रॉपर्टी डीलर ने भी सोहाना थाने में शिकायत दी थी।

सीएम शिंदे ने रेती बंदर विसर्जन घाट से की स्वच्छता अभियान की शुरूआत

मुंबई, (हि. स.)। ठाणे नगर निगम के 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान की शुरूआत मंगलवार (17 सितंबर) को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पारसिक रेतीबंदर विसर्जन घाट पर की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पारसिक घाट पर उपस्थित नागरिकों को स्वच्छता का संकल्प दिलाया कि स्वच्छता स्वास्थ्य के लिए जरूरी है और सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहना चाहिए। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहूँगा, न तो स्वयं कहीं कूड़ा फेंकूँगा और न ही किसी और को फेंकने दूँगा, साथ ही स्वच्छ भारत मिशन में अपनी भागीदारी के रूप में मैं अपने घर, अपनी दुकान, कार्यस्थल पर निकलने वाले कूड़े-कचरे की छँटाई करूँगा। मुख्यमंत्री शिंदे ने शपथ ली कि मैं इस नीले कचरे को डिब्बे में और घरेलू खतरनाक कचरे को लाल कचरे के डिब्बे में डालूंगा और प्लास्टिक और थमाकोल के उपयोग को भी रोकूंगा। उन्होंने आज मेरा ठाणे शहर, वैकल्पिक रूप से मेरा देश, मेरा देश प्लास्टिक और थमाकोल मुक्त यह अभियान शुरू किया। उल्लेखनीय है कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पूरे देश में स्वच्छता ही सेवा अभियान बड़े उत्साह से मनाया जाएगा। इस अभियान के तहत 'एक भुगतान मां के नाम', 'स्वच्छता कर्मया', लाड़ली बहिन योजना और ग्रीन ठाणे का प्रतिनिधित्व करने वाले सेल्फी पॉइंट स्थापित किए जाएंगे। साथ ही इस अभियान के तहत शहर में कई जगहों पर सफाई अभियान चलाया जायेगा. साथ ही स्वच्छता अभियान सिर्फ 2 अक्टूबर तक ही सीमित नहीं रहेगा बल्कि उसके बाद भी जारी रहेगा और नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता पैदा की जाएगी।

कांग्रेस का हरियाणा के लिए घोषणा पत्र, महिलाओं को दो हजार, सरकारी कर्मियों को पुरानी पेंशन

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी ने बुधवार को हरियाणा के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया और जनता से सात वादे किए हैं। पार्टी महिलाओं को प्रतिमाह 2 हजार रुपये देगी और 500 रुपये का रसोई गैस सिलेंडर देगी। कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उपस्थिति में आज हरियाणा के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया गया। इसमें कांग्रेस ने वादा किया है कि चुनाव जीतने पर पार्टी महिलाओं को प्रति महीने 2 हजार रुपये देगी और 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर दिया जाएगा। सामाजिक सुरक्षा पर बल देते हुए बुढ़ापा, दिव्यांग और विधवाओं को 6 हजार रुपये की पेंशन देने की घोषणा की गई। सरकारी नौकरियों में पुरानी पेंशन योजना लागू की जाएगी। युवाओं को सुरक्षित भविष्य देने के लिए भर्ती विधान के तहत 2 लाख पक्की नौकरी दी जाएगी। हरियाणा को नशा मुक्त बनाया जाएगा। हर परिवार को 300 यूनिट बिजली फ्री और 25 लाख तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। गरीबों को छत देने के लिए 100 गज का प्लॉट, 3.5 लाख की लागत से दो कमरों का मकान दिया जाएगा। किसानों की स्मृद्धि के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी और तत्काल फसल मुआवजा दिया जाएगा। पिछड़ों को अधिकार देने के लिए जातिगत सर्वे कराया जाएगा। क्रीमी लेयर की सीमा को बढ़ाकर 10 लाख किया जाएगा।

कैबिनेटः एक देश, एक चुनाव से जुड़ी उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को मंजूरी

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों सहित एक देश, एक चुनाव के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को मंजूरी प्रदान की है। केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने इन फैसलों की जानकारी दी। इसके अलावा केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने आज अंतरिक्ष से जुड़े कई फैसले लिये हैं, जो इस प्रकार हैं - कैबिनेट ने चंद्रयान-4 नामक चंद्रमा मिशन को मंजूरी दे दी है। इसका उद्देश्य चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने के बाद पृथ्वी पर वापस आने के लिए प्रौद्योगिकियों का विकास और प्रदर्शन करना है। साथ ही इसके माध्यम से चंद्रमा से नमूने एकत्र कर और पृथ्वी पर उनका विश्लेषण करना भी है। कैबिनेट ने शुक्र ग्रह पर जाने वाले मिशन को मंजूरी दे दी है, जिसका नाम वीनस ऑर्बिटर मिशन (वीओएम) है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक अन्वेषण करना, शुक्र ग्रह के वायुमंडल, भूविज्ञान को बेहतर ढंग से समझना तथा इसके घने वायुमंडल की जांच करके बड़ी मात्रा में वैज्ञानिक आंकड़े जुटाना है। कैबिनेट ने गगनयान अनुवर्ती मिशनों और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए हमारे अपने अंतरिक्ष स्टेशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) के निर्माण को मंजूरी दी। बीएएस की स्थापना 2028 में अपने पहले मॉड्यूल के प्रक्षेपण के साथ की जाएगी। कैबिनेट ने नए पुनः प्रयोज्य कम लागत वाले अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान (एनजीएलवी) के विकास को मंजूरी दी। यह भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना और संचालन तथा 2040 तक चंद्रमा पर भारतीय चालक दल के उतरने की क्षमता विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

हेमकुंड साहिब यात्रा पर आई विदेशी महिला को एसडीआरएफ ने किया रेस्क्यू

देहरादून, (हि.स.)। हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग पर न्यूजीलैंड से आई महिला तीर्थयात्री की तबियत बिगड़ने के बाद एसडीआरएफ ने रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित चमोली जनपद के घांघरिया पहुंचाया। महिला तीर्थयात्री ने रेस्क्यू टीम का आभार जताया है। दरअसल, रविंद्र कौर (52) निवासी ऑकलैंड न्यूजीलैंड हेमकुंड साहिब यात्रा पर उत्तराखंड आई थी। हेमकुंड साहिब से दर्शन कर वापस लौटते समय महिला की हालत बिगड़ने लगी। चमोली जनपद के घांघरिया चौकी पुलिस ने जानकारी होते ही एसडीआरएफ को सूचित किया। सूचना मिलते ही एसआई आशीष तोपाल के नेतृत्व में एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची और सकुशल रेस्क्यू कर अस्वस्थ महिला को सुरक्षित घांघरिया पहुंचाया। दरअसल, हिमालयी राज्य उत्तराखंड में हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग ऊंचाई पर है। ऐसे में अधिक उम्र के तीर्थयात्रियों के लिए आस्था की डगर कठिनाई भरी होती है। हालांकि सरकार और पुलिस-प्रशासन से लेकर एनडीआरएफ-एसडीआरएफ व अन्य विभाग तीर्थयात्रियों की सेवा में जुटे हैं।

गहलोत ने की आरजीएचएस एवं अन्य योजनाओं में परेशानियों को अविलंब दूर करने की मांग

जयपुर, (हि.स.)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी हुई योजनाओं को कमजोर न करने की अपील करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस) और मेडिकल से जुड़ी सारी योजनाओं में आ रही परेशानियों को अविलंब दूर करने की मांग की है। गहलोत ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पोस्ट में लिखा कि आरजीएचएस योजना ने सरकारी कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को इलाज के खर्च की चिंता से मुक्त कर दिया था परंतु राज्य में भाजपा सरकार आने के बाद आरजीएचएस योजना को भी लगातार कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे सरकारी कर्मचारियों में असंतोष पनप रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने निरोगी राजस्थान के लक्ष्य के साथ चिरंजीवी योजना, निःशुल्क दवा एवं जांच योजना एवं आरजीएचएस शुरू की परन्तु अब जनता लगातार शिकायत कर रही है कि इन योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। हर महीने सरकारी कर्मचारियों के प्रीमियम से चलने वाली आरजीएचएस के अंतर्गत आने वाली दवा की दुकानों का भुगतान नहीं किया जा रहा है। चिरंजीवी योजना और आरजीएचएस के कारण प्रदेश के करीब 90 प्रतिशत परिवार बीमित थे एवं इलाज के खर्च की चिंता से मुक्त थे। राजस्थान में बीमा कवरेज

देशभर में सबसे अधिक था। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार से वे बार-बार कह रहे हैं कि चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी हुई योजनाओं को कमजोर करने का प्रयास ना करें। यदि इन योजनाओं में कोई कमी है तो उसे दूर कर इन योजनाओं को मजबूत किया जाए। मुख्यमंत्री शर्मा को संज्ञान लेकर आरजीएचएस एवं मेडिकल से जुड़ी सारी योजनाओं में आ रही परेशानियों को अविलंब दूर करने के प्रयास करने चाहिए।

मुंबई में भगवान गणेश की 37 हजार से अधिक मूर्तियों का विसर्जन

मुंबई, (हि.स.)। मुंबई में गणेश भक्तों ने हर्ष और उल्हास के साथ अनंत चतुर्दशी के दिन 37 हजार से अधिक भगवान गणेश की मूर्तियों का विसर्जन किया गया है। भक्तों ने भगवान गणेश को अगले साल फिर से वापस आने का भी आमंत्रण दिया। पुणे में भी बुधवार को हर्ष और उल्हास के साथ गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जा रहा है। मुंबई नगर निगम के अधिकारी ने बुधवार को बताया कि मुंबई में आज सुबह तक विसर्जित की गई कुल मूर्तियों में से 31,105 घरेलू और 5,762 सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित मूर्तियां थीं। अधिकारियों ने कहा कि मुंबई में गणपति विसर्जन के दौरान कोई भी अप्रिय घटना नहीं हुई। मुंबई के मशहूर लालबाग के राजा का विसर्जन बुधवार को सुबह दस बजे पूरे भक्ति भाव से किया गया। पुणे में अलका चौक पर मंगलवार को रात में डीजे को लेकर विवाद हो गया था। इसका असर विसर्जन पर पड़ा था। इसी तरह पुणे के तिलक स्ट्रीट में मंगलवार रात दस बजे से बुधवार सुबह छह बजे तक पुलिस ने गणेश विसर्जन जुलूस में डीजे बंध करवा दिया था। इसलिए बुधवार को सुबह छह बजे से फिर से गणपति विसर्जन शुरू हुआ और 116 गणेश मंडलों का विसर्जन हो चुका है। विसर्जन जुलूस खत्म होने में अभी दो से तीन घंटे और लगने की संभावना है।

शाहपुरा : सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश, गणपति पंडाल में मिले जानवरों के अवशेष से तनाव, बाजार बंद

भीलवाड़ा (हिंस)। शाहपुरा जिले के जहाजपुर के बाद बुधवार को एक बार फिर शाहपुरा के शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की गई। गणपति पंडाल में जानवर के सिर और कटे हुए पैर मिलने से शहर में तनाव का माहौल उत्पन्न हो गया। घटना के बाद हिंदू संगठनों, गणेश उत्सव समिति के पदाधिकारियों और स्थानीय युवाओं में गहरा आक्रोश फैल गया, जिसके परिणामस्वरूप पूरे शाहपुरा के बाजार बंद करवा दिए गए और विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। घटना बुधवार अलसुबह की है, जब अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन के बाद खाली पंडाल में अचानक जानवर का सिर और कटे हुए पैर पाए गए। यह घटना चमना बावड़ी स्थित गणेश पंडाल की है, जिसे देखने के बाद मौके पर तनाव फैल गया। गणेश उत्सव समिति के कार्यकर्ता और पदाधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए, और आक्रोशित होकर धरने पर बैठ गए। सूचना मिलते ही शाहपुरा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस प्रशासन ने स्थिति को संभालने का प्रयास किया, लेकिन घटना की गंभीरता को देखते हुए शहर में गुस्से का माहौल तेजी से फैल गया। इस घटना के बाद, शहर के विभिन्न हिंदू संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पंडाल के बाहर इकट्ठा होने लगे। गणेश उत्सव समिति और स्थानीय युवाओं ने इसे धार्मिक भावनाओं पर सीधा आघात बताया और पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि यदि पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होती, तो ऐसी घटना को अंजाम नहीं दिया जा सकता था। नगर परिषद सभापति रघुनंदन सोनी, भाजपा अध्यक्ष राजेंद्र बोहरा, और पीसीसी सदस्य संदीप जीनगर सहित कई प्रमुख नागरिक धरना स्थल पर पहुंचे और घटना की निंदा की। घटना के विरोध में पूरे शाहपुरा के बाजार बंद करवा दिए गए। शहर भर में युवाओं ने प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। गणेश पंडाल के बाहर जमा हुए लोग पुलिस से त्वरित कार्रवाई और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। घटना के बाद से शहर के कई प्रमुख स्थानों पर भीड़ इकट्ठा हो रही है। जगह-जगह लोग विरोध कर रहे हैं और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की इस घटना की कड़ी आलोचना कर रहे हैं। सभापति रघुनंदन सोनी ने इस घटना को शाहपुरा की शांतिपूर्ण फिजा को बिगाड़ने का एक सुनियोजित षड्यंत्र बताया। उन्होंने कहा, शाहपुरा एक शांतिप्रिय शहर है, लेकिन कुछ असामाजिक तत्व यहां के सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने

की कोशिश कर रहे हैं। यह एक गहरी साजिश है, जिसे समय रहते नाकाम करना होगा। गणेश उत्सव समिति और हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने पुलिस पर इस मामले में लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पंडाल की सुरक्षा और आसपास के क्षेत्रों में गश्त नहीं होने के कारण ही यह घटना घटी। शाहपुरा पुलिस का कहना है कि वे इस घटना को बेहद गंभीरता से ले रहे हैं और दोषियों की तलाश में जुट गए हैं। डीएसपी रमेश तिवारी ने कहा, शहर में कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। हम जल्द ही इस मामले की जांच पूरी कर दोषियों को गिरफ्तार करेंगे। घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने शहर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया है। शाहपुरा पुलिस के साथ-साथ जिले के अन्य पुलिस थानों से भी बल बुलाया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके और स्थिति को नियंत्रण में रखा जा सके। जिला कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश कांवट सहित उच्च अधिकारी भी स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। उनका कहना है कि शहर में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। शहर के कई गणमान्य नागरिकों और संगठनों ने इस घटना को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि यह घटना सिर्फ धार्मिक भावनाओं को आहत करने का प्रयास नहीं है, बल्कि शहर में सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने की एक गहरी साजिश हो सकती है। भाजपा अध्यक्ष राजेंद्र बोहरा ने कहा कि शाहपुरा में कभी भी इस तरह की घटना नहीं हुई थी। यह एक बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकता है, जिसे समय रहते नाकाम करना बेहद जरूरी है। हम पुलिस और प्रशासन से इस मामले में त्वरित और सख्त कार्रवाई की मांग करते हैं। शहर के प्रमुख नागरिकों ने इस घटना के बाद सभी से शांति और संयम बनाए रखने की अपील की है। उनका कहना है कि ऐसी घटनाओं से उत्तेजित होकर कोई भी कदम नहीं उठाना चाहिए, जो शहर की शांति को और ज्यादा प्रभावित करे। पीसीसी सदस्य संदीप जीनगर ने कहा कि हम सभी को मिलकर इस घटना का सामना करना होगा और शहर में शांति और सौहार्द बनाए रखना होगा। प्रशासन को दोषियों को जल्द से जल्द पकड़कर सजा दिलानी चाहिए।

कांग्रेस विधायक इजाहरुल हुसैन की खुली चुनौती

मुस्लिम एकजुट हो जाएंगे, तो आप कहां जाएंगे पता नहीं चलेगा

किशनगंज (हिंस)। बिहार में किशनगंज विधानसभा सीट के कांग्रेस विधायक इजहारुल हुसैन ने भाजपा को खुली चुनौती दी है। कांग्रेस विधायक ने कहा कि अगर अल्पसंख्यक (मुस्लिम) जब एक जुट हो जाएंगे तो आपको कहां भेजेंगे, ये आपको पता नहीं चलेगा। अगर हम नहीं रहेंगे तो आप कहां से रहियेगा। कांग्रेस विधायक इजहारुल हुसैन के इस बयान के बाद बिहार की सियासी माहौल गर्म हो सकता है। दरअसल, किशनगंज के कांग्रेस विधायक इजहारुल हुसैन ने वक्फ संशोधन बिल पर भाजपा पर निशाना साधा है। इस दौरान उन्होंने ये बयान दिया। कांग्रेस नेता ने कहा कि अल्पसंख्यकों को टारगेट कर राजनीति करना भाजपा बंद करें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर अल्पसंख्यक (मुस्लिम) जब एकजुट हो जाएंगे तो आप कहां जाएंगे पता नहीं चलेगा। विधायक इजहारुल हुसैन ने कहा कि हम नहीं रहेंगे तो आप राजनीति तक नहीं कर सकते हैं। जब हम हैं तो आप पॉलिटिक्स कर लीजिए, लेकिन अल्पसंख्यकों (मुस्लिम) पर टारगेट नहीं करें। कांग्रेस विधायक ने कहा कि भाजपा के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है। हमारी बाबरी मस्जिद चली गई। ईसीसी का मुद्दा चला गया। भाजपा के पास विकास का तो कोई मुद्दा बचा नहीं है, इसलिए मुस्लिमों को टारगेट कर उनके वक्फ की जमीन पर नजर डाले हुए है। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड में अन्य धर्म के लोगों को शामिल करना संविधान के खिलाफ चैलेंज है इसको बर्दास्त नहीं कर सकते है।

कांग्रेस हमेशा आतंकवादियों की पक्षधर रही : शिक्षा मंत्री

जोधपुर (हिंस)। जिला प्रभारी मंत्री व शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने एक बार फिर महाराणा प्रताप व अकबर का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा है। दिलावर ने कहा कि कांग्रेस हमेशा आतंकियों के पक्षधर रही है। बाटला हाउस एनकाउंटर के समय सोनिया गांधी फूट-फूट कर रोई, यह बात खुद राहुल गांधी ने कही है। यह बात उन्होंने एयरपोर्ट पर जोधपुर से लौटते समय मीडिया से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप व अकबर की तुलना नहीं की जा सकती क्योंकि अकबर आतंकवादी, अक्रांत व देशद्रोही था। इतिहास को बदला नहीं जा सकता। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा से आतंकवादियों की पक्षधर रही है। आतंकवादियों के नाम भी सम्मानजनक तरीके से लेते है। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिका में कहा था कि वह ताकत में आएंगे तो आरक्षण खत्म कर देंगे यानि एससी, एसटी, ओबीसी व दस प्रतिशत जो जनरल है वह उन सबके खिलाफ है।

भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारी करेंगी हरियाणा में चुनाव प्रचार : डॉ. महेन्द्र कुमावत

जयपुर (हिंस)। हरियाणा में आगामी दिनों में होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रचार की कमान संभालने के लिए राजस्थान भाजपा महिला मोर्चा का दल रवाना हो गया हैं। बुधवार को भाजपा प्रदेश मंत्री डॉ. महेन्द्र कुमावत ने भाजपा प्रदेश कार्यालय से महिला मोर्चा के पदाधिकारियों की बस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश मंत्री डॉ. महेन्द्र कुमावत ने बताया कि हरियाणा के विधानसभा चुनावों में भाजपा प्रचंड बहुमत से जीतेगी। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार को गति देने के लिए राजस्थान से महिला मोर्चा की पदाधिकारियों का दल आज रवाना

हुआ है जो चुनाव संपन्न होने तक वहां अलग अलग विधानसभा क्षेत्रों में जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी नीतियों को आमजन तक पहुंचाने का कार्य करेंगी। भाजपा प्रदेश मंत्री डॉ. महेन्द्र कुमावत ने बताया कि महिला मोर्चा का दल अलग अलग विधानसभा क्षेत्रों में जाकर आम महिलाओं से संपर्क करेंगी और हरियाणा में भाजपा सरकार की ओर से महिलाओं के लिए किए गए कार्यों की जानकारी भी देंगी। इस दौरान राजस्थान की महिला मोर्चा पदाधिकारी हरियाणा भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर चुनाव रणनीति बनाने का कार्य भी करेंगी। भाजपा प्रदेश मंत्री डॉ. महेन्द्र कुमावत ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दस वर्ष के कार्यकाल में किए गए कार्यों का हरियाणा के आमजन में बहुत क्रेज है और वहां की जनता तीसरी बार भाजपा को ही सत्ता की चाबी सौंपेगी।

कांग्रेस प्रत्याशियों के बिगड़े बोल से दुविधा में फंसी हाईकमान

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा विधानसभा के चुनावी रण में उतरे कांग्रेस प्रत्याशियों ने सार्वजनिक सभाओं के दौरान विवादित बयान देकर जहां हाईकमान को सकते में डाल दिया है, वहीं भारतीय जनता पार्टी ने इसे मुद्दा बना लिया। कांग्रेस के विधायकों के सार्वजनिक सभाओं में दिए गए बयान बुधवार को दिनभर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने रहे। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने नीरज शर्मा के बयान पर पल्ला झाड़ते हुए उनके निजी बयान बता दिया। विधानसभा चुनाव के बीच पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा समर्थक दो उम्मीदवारों ने विवादित बयान दे दिए हैं। दोनों उम्मीदवारों ने हरियाणा प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आने पर सरकारी नौकरियों को लेकर बड़े बयान दे दिए हैं। इसको लेकर भाजपा हमलावर हो गई है। कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा के जिले फरीदाबाद की एनआईटी 86 विधानसभा के विधायक नीरज शर्मा की वीडियो को अपने एक्स पर अपलोड कर कमेंट करते हुए लिखा है कि हुड्डा की नीयत और कांग्रेस के असली चाल चरित्र का प्रचार करते हुए कांग्रेस मेनिफेस्टो का पहला वादा नौकरी फिर पर्ची खर्ची पर बांटेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल कौशिक पहले ही आरोप लगाती आ रही है कि कांग्रेस हमेशा सिफारिश और पैसे की लेनदेन पर नौकरी देती आई है। उनके विधायकों ने अभी से जनता के बीच यह काम शुरू कर दिया है, उनके पूर्व विधायक कहते हैं कि जो मुझे 50 वोट देगा।

धरातल पर रहकर करें विधानसभा उपचुनाव की तैयारी : योगी अदित्यनाथ

गाजियाबाद (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को रोजगार सृजन मेले के बाद भाजपा संगठन के साथ रामभवन में बैठक की। उन्होंने पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं से कहा कि विधानसभा उपचुनाव की तैयारी में धरातल पर रहकर करें। अति आत्मविश्वास में न रहें। बैठक में योगी ने क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसोदिया, शहर विधानसभा प्रभारी हरिओम शर्मा एवं महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा से शहर विधानसभा में चल रही सभी संगठनात्मक गतिविधियों का बड़ी बारीकी से जायजा लिया और आगे के करणीय बिंदुओं पर संगठन के पदाधिकारियों का मार्गदर्शन किया। योगी आदित्यनाथ ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अति आत्मविश्वास में होकर चुनावी समर में नहीं उतरना है। सभी कार्यकर्ताओं को धरातल पर रहकर केवल पीएम मोदी के एक सूत्र वाक्य को चुनाव जीतने का प्रमुख आधार बनाना है कि बूथ जीता चुनाव जीता। उन्होंने विपक्ष की युवा जोड़ी को निशाना बनाते हुए कहा यह बबुआ और पपुआ की जोड़ी जनता को बहकाने का ही काम करने की राजनीति करती है। हमें केवल आम जनता को घर-घर जाकर बताना है कि कांग्रेस सरकार ने देश में सबसे लंबे समय के लिए देश में सरकार चलाई है। उत्तर प्रदेश में 4 साल समाजवादी पार्टी का भी शासन रहा है। 1947 से 2014 तक के अपने इतने लंबे कार्यकाल में कांग्रेस आठ लेन की हाईवे क्यों नहीं बना पाई, मेट्रो रैपिड क्यों नहीं चला पाई, शिक्षा के क्षेत्र में भरोसा पैदा क्यों नहीं कर पाई, मेडिकल कॉलेज की स्थापना क्यों नहीं कर पाई , भ्रष्टाचार पर लगाम क्यों नहीं लगी, गुंडा माफिया राज सरकार पर हावी क्यों रहा, व्यापारी और बेटी कांग्रेस व सपा शासन में अपने आप को सुरक्षित क्यों नहीं महसूस कर पाए। इन सारे सवालों का जवाब 2014 से अब तक मोदी सरकार ने और आपकी प्रदेश सरकार ने अपने सुशासन और विकास से कैसे दे दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि बूथ और शक्ति केंद्र की सभी कार्रवाई को धरातल पर रहकर दुरुस्त कर लेना है। कोई भी चुनाव जिले पर नहीं, प्रदेश में नहीं, क्षेत्र में नहीं लड़ा जाता, बूथ पर ही लड़ा जाता है। संगठन की विशेष बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता बलदेव राज शर्मा, अशोक गोयल, पूर्व महापौर आशु वर्मा पूर्व महापौर आशा शर्मा, किसान मोर्चा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजा वर्मा, पूर्व अध्यक्ष विजय मोहन, पूर्व विधायक कृष्णवीर सिरोही, पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी, पूर्व अध्यक्ष अमरदत्त शर्मा, पूर्व डिप्टी मेयर राजेश्वर प्रसाद, पूर्व एमएलसी सुरेश कश्यप, पूर्व अध्यक्ष अजय शर्मा, सरदार एसपी सिंह, हातम सिंह नागर, पूर्व पार्षद अनिल स्वामी, पूर्व पार्षद राजेंद्र त्यागी, सुनील यादव, महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान, सुशील गौतम राजेश त्यागी गोपाल अग्रवाल, रनिता सिंह, महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, महिला मोर्चा अध्यक्ष उदिता त्यागी, प्रताप चौधरी, विरेंद्र सारस्वत, पार्षद राजीव शर्मा, पूनम सिंह, शीतल चौधरी, प्रीति चंद्रा, लवली कौर, प्रदीप गर्ग, अमित प्रताप, प्रतीक माथुर सहित सैकड़ों की संख्या में पदाधिकरी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने मोहाली में कारोबारियों से मांगी फिरौती

चंडीगढ़ (हिंस)। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने पंजाब के मोहाली में एक कारोबारी को फोन करके धमकी देते हुए दो करोड़ रुपये की फिरौती की मांगी है। उसने एक अन्य कारोबारी को फोन करके कारोबार में हिस्सेदार बनाने की धमकी दी है। पुलिस ने दोनों कारोबारियों की शिकायत पर कार्रवाई शुरू कर दी है। एक दिन पहले ही पंजाबी सिंगर आर. नेत से भी एक करोड़ की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया था। कारोबारी की शिकायत पर मोहाली के सोहाना थाने की पुलिस ने केस दर्ज किया है। सेक्टर-91 निवासी मोहित ग्रोवर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि उसकी दवाईयों की फैक्टरी है। कुछ दिन पहले उसे विदेशी नंबर से उसके फोन पर वॉट्सऐप पर कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने खुद को गोल्डी बराड़ बताया। साथ ही कहा कि अपने बिजनेस में हिस्सेदार बनाए। अगर उसे किसी चीज या बाउंसरों की जरूरत है तो मुहैया करवा दिए जाएंगे। मोहित ने बताया कि इसी नंबर से 10 से 15 बार कॉल आई।

हरियाणा चुनाव में जनता कांग्रेस का सूपड़ा करेगी साफ : प्रीति जौहर

यमुनानगर (हिंस)। भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रीति जौहर ने कहा कि कांग्रेस की कुटिलता को जनता अच्छी तरह से समझ चुकी है। विधानसभा चुनाव में हरियाणा की जनता कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर देगी। कांग्रेस के पास प्रदेश के विकास और जनता की सेवा करने का कोई विजन नहीं है, वह सिर्फ झूठ और छल-कपट की राजनीति के सहारे सत्ता पर काबिज होने का सपना देख रही है, जिसे जनता कभी पूरा नहीं होने देगी। बुधवार को महिला नेता प्रीति जौहर जगाधरी विधानसभा के गांव देवधर में जगाधरी से भाजपा प्रत्याशी कंवरपाल के समर्थन में जनसंपर्क के दौरान महिलाओं को संबोधित कर रहीं थीं। उन्होंने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश की जनता के साथ-साथ महिला शक्ति में जोश दिखाई दे रहा है। कांग्रेस पार्टी व अन्य विपक्षी दलों के केवल खोखले वादे हैं। जिन राज्यों में कांग्रेस शासन है, वहां विकास की गाड़ी ठप पड़ी है। इसके विपरीत

जहां भाजपा की सरकारें हैं, वहां रफ्तार के साथ विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सहित सभी विपक्षी दल भाजपा के विकास कार्यों को देखकर बौखला गए हैं और लोगों में तरह-तरह की भ्रान्तियां फैला रहे हैं। प्रीति जौहर ने कहा कि जनता कांग्रेस व विपक्षी दलों के झूठ को अच्छी तरह समझ चुकी है और अब इनके बहकावे में नहीं आने वाली हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने देश की बागडोर संभालते ही महिलाओं के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए। महिलाओं के जीवन में भाजपा सरकार के कारण अभूतपूर्व सुधार हुए हैं। जैसे 11 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण, 30.64 करोड़ रुपए मुद्रा ऋण के वितरण और उज्ज्वला योजना के तहत गरीबी रेखा से नीचे वाली 10.1 करोड़ महिलाओं को गैस कनेक्शन उपलब्ध होना है। हालिया बजट घोषणाओं के अनुसार 36 लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और आशा कार्यकर्ताओं को आयुष्मान भारत योजना के दायरे में लाया गया है। यह सभी सामाजिक वर्गों की महिलाओं के प्रति मोदी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने हरियाणा की धरती से बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ मुहिम की शुरुआत की थी, जिसके सार्थक परिणाम आज प्रदेश में दिखाई दे रहे हैं।

देश हित में एक देश एक चुनाव : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के ऐतिहासिक फ़ैसले का स्वागत किया है। केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि एक देश एक चुनाव देश हित में है। प्रधानमंत्री मोदी का कड़ा और बड़ा निर्णय है एक भारत श्रेष्ठ भारत। एक देश एक चुनाव वाली रामनाथ कोविंद समिति को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। बुधवार को हुई नरेंद्र मोदी सरकार की कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को पेश किया गया, जिस पर सर्वसम्मति से कैबिनेट ने मुहर लगा दी। सरकार के इस कदम का भारतीय जनता पार्टी ने भी स्वागत किया है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि एक देश एक चुनाव यह भारतीय जनता पार्टी के एजेण्डे में शामिल है। एक देश एक चुनाव होना चाहिए। यह देश के हित में है। आजादी के बाद देश में लोकसभा के साथ ही विधानसभा के चुनाव होते थे। बाद में लोकसभा व विधानसभा का चुनाव अलग-अलग होने लगे।

पंजाब के मुख्यमंत्री मान की तबीयत बिगड़ी अपोलो अस्पताल में भर्ती

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की मंगलवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मुख्यमंत्री मान मंगलवार रात चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर उतरे और उनकी तबीयत बिगड़ गई। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर उतरते ही भगवंत मान का संतुलन बिगड़ गया। सिक्योरिटी स्टाफ ने उन्हें संभाला। इसके बाद उन्हें पहले सीएम आवास चंडीगढ़ लाया गया। वहां उन्हें ड्रिप लगाई गई। इसके साथ मान को दिल्ली के अपोलो अस्पताल ले जाया गया गया। वहां डाक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। भगवंत मान 13 सितंबर को दिल्ली पहुंचे थे। इसी दिन आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी। तब से वह दिल्ली में ही रुके हुए थे।

गणेश वंदना में झूमा चित्तौड़ शहर, तड़के तक चला प्रतिमा विसर्जन का जुलूस

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय पर अनंत चतुर्दशी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसमें विगत 10 दिनों से चल रहे गणपति महोत्सव का गणपति प्रतिमाओं के विसर्जन का दौर मंगलवार सुबह से शुरू हुआ। लेकिन मुख्य समारोह रात 8 बजे शुरू हुआ, जिसमें लाइसेंस वाली 22 झांकी शामिल थी। इसमें आखरी प्रतिमा का विसर्जन बुधवार तड़के पांच बजे हुआ। इसके बाद करीब 20 घंटे से लगातार कानून-व्यवस्था की ड्यूटी संभाले पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली है। वहीं पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी प्रतिमा विसर्जन तक पुलिस कंट्रोल रूम पर जमे रहे। इस दौरान निकाले जुलूस में पूरा शहर भगवान गणेश की भक्ति में डूबा दिखाई दिया। राजस्थान के दूसरे सबसे बड़े समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। वैसे तो मंगलवार को अनंत चतुर्दशी का त्यौहार था। लेकिन चित्तौड़गढ़ में 23 गणपति झांकी को प्रशासन की और से लाइसेंस जारी होता है और ये ही शाम को जुलूस निकालते हैं। ऐसे में मंगलवार रात निकाले जुलूस में

करीब 80 लोगों की भागीदारी देखी गई। इस जुलूस में युवाओं ने डीजे की धुन पर नृत्य का आनंद लिया। गंभीरी नदी पर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। वैसे तो करीब 5 हजार छोटी बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। वहीं लाइसेंस वाली झांकियों का मुख्य चल समारोह जुलूस रात 8 बजे शुरू हुआ जो, बुधवार तड़के पांच बजे तक चला। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए है। गणपति के भक्तों की ओर से भी घरों में भी गणपति स्थापना की गई। इसकी मंगलवार को अनंत चतुर्दशी के दिन शहर की प्रमुख गंभीरी नदी में गणपति प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ 10 दिवसीय गणपति महोत्सव का समापन भी हुआ। इसमें दोपहर से ही गणपति प्रतिमाओं के विसर्जन शुरू हो गए। लाइसेंस धारी गणपति की प्रतिमाओं का विसर्जन देर रात्रि होगा। इसके लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन ने गंभीरी नदी के तट पर सिविल डिफेंस और नगर परिषद की टीमें लगाई गई थी। जिला कलक्टर आलोक रंजन, पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी भी सुरक्षा व्यवस्थाओं पर नजर रखे रहे और पुलिस कंट्रोल रूम मौजूद रहे। जुलूस के दौरान पुलिस और प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट दिखा। अनंत चतुर्दशी पर अन्नदान का भी बड़ा महत्व है। यही कारण है कि कुछ वर्षों से शहर में निकलने वाले जुलूस को लेकर श्रद्धालुओं के साथ ही चित्तौड़गढ़ विधायक की और से बड़े पैमाने पर आयोजन किया जाता है। चित्तौड़ महोत्सव समिति के बैनर तले 50 हजार लोगों के लिए महाप्रसाद बना भोजन कराया। वहीं चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभानसिंह आक्या की और से करीब 4 टन वजनी 90 हजार लड्डुओं का वितरण हुआ। विधायक की और से यह आयोजन करीब 14 साल से जारी है, जब आक्या केंद्रीय सहकारी बैंक चेयरमैन थे।

संपादकीय

अंततः देश की जनगणना

भारत की नई, ताजा और अद्यतन जनगणना की शुरुआत होने वाली है। केंद्र सरकार शीघ्र ही औपचारिक घोषणा करेगी और पूरा कार्यक्रम देश के सामने रखेगी। 2011 की जनगणना के बाद अब यह कवायद की जाएगी। नियम रहा है कि हर 10 साल के बाद जनगणना कराई जाएगी, लेकिन कोरोना वैश्विक महामारी के कारण 2021 की जनगणना नहीं की जा सकी। अब भारत दुनिया के उन तीन देशों में एक है, जहां नई जनगणना का सम्यक कार्यक्रम अभी घोषित किया जाना है। ऐसा 'यूएन पॉपुलेशन फंड' के 'ग्लोबल सेंसस ट्रैकर' का दावा है। बेशक कोरोना ने वैश्विक स्तर पर लगभग सभी देशों को खूब प्रभावित किया, नतीजतन वे जनगणना समेत कई अभियान नहीं चला पाए, लेकिन उन्होंने महामारी से उबर कर जनगणना के अपने कार्यक्रम भी घोषित किए और जनगणना की प्रक्रियाएं भी शुरू हो चुकी हैं। भारत भी 2021 के अंत तक आते-आते कोरोना से लगभग मुक्त हो चुका था, लेकिन जनगणना की शुरुआत क्यों नहीं की गई, इसका सटीक जवाब भारत सरकार ही दे सकती है। चूंकि भारत में जनगणना नहीं हो सकी, लिहाजा नया डाटा प्राप्त नहीं है, नतीजतन 'जातीय जनगणना' का राजनीतिक नेरेटिव सामने आया है। हालांकि दोनों में तुलना नहीं की जा सकती। वैसे भी यह जनगणना के लिए अधिकृत नहीं है। यह दायित्व केंद्र सरकार का ही है। बहरहाल अब जनगणना की प्रक्रिया शुरू होने वाली है, तो उसे डिजिटल तरीके से भी किया जाए। नागरिकों को स्व-गणना और स्व-सत्यापन का अधिकार दिया जाए और जनगणना का परंपरागत तरीका भी इस्तेमाल किया जाए। इससे डाटा स्पष्ट, सुगम और यथाशीघ्र उपलब्ध होगा और क्रॉस चेकिंग भी की जा सकेगी। हालांकि जनगणना का अधिकृत फैसला लिया जा चुका है, लेकिन अब भी तय नहीं है कि उसका डाटा कब तक सार्वजनिक रूप से जारी किया जाएगा। अतीत में जनगणना के प्रथम चरण के सम्पन्न होने में ही करीब 11 माह का वक्त लगा था। भारत में जनगणना की प्रक्रिया बेहद जटिल, पेचीदा और व्यापक है, क्योंकि राज्य और केंद्र शासित क्षेत्र 35 से अधिक हैं और कुल आबादी 145 करोड़ को छू रही होगी! बहरहाल नई, ताजा जनगणना बेहद जरूरी है, क्योंकि वह ही सभी आकलन, विश्लेषण और सर्वेक्षणों की कसौटी है। अभी तक हम 2011 की जनगणना की गिरफ्त में हैं। यदि उसी के आधार पर भारत की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों का मूल्यांकन करना है, तो निष्कर्ष गलत आएगा। बीते 13 सालों में भारत बिल्कुल बदल चुका है। आज वह विश्व की महाशक्तियों में शामिल है और दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 2011 की जनगणना के पुराने डाटा के भरोसे ही स्वास्थ्य, जनसंख्या और आर्थिकी के डाटा भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। यही नहीं, एनएसएसओ समेत अन्य एजेंसियों के सर्वेक्षणों की गुणवत्ता भी गलत साबित हुई है। एक उदाहरण ही पर्याप्त है। यह अनुमान है कि करीब 11 करोड़ भारतीयों को 'खाद्य सुरक्षा कानून' के लाभ नहीं मिल पा रहे हैं। हालांकि 2011 की जनगणना के तहत लाभार्थियों की संख्या तब भी गिनी जा रही थी। संसदीय क्षेत्रों का परिसीमन भी जनगणना पर ही आधारित है। परिसीमन की प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है। संसद ने 'महिला आरक्षण बिल' पारित किया था, लेकिन वह तभी लागू किया जा सकेगा, जब परिसीमन हो जाएगा और संसद की सीटें बढ़ा दी जाएंगी। परिसीमन तभी होगा, जब जनगणना के अद्यतन आंकड़े उपलब्ध होंगे। 'जातीय जनगणना' का मुद्दा भी बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसने 2024 के आम चुनाव में, कुछ राज्यों में, मतदान को प्रभावित किया था। जाति के साथ आरक्षण भी जुड़ा है। सिर्फ सरकारी नौकरियों में आरक्षण देकर यह मुद्दा शांत नहीं किया जा सकता, क्योंकि हर साल औसतन 70-80 लाख युवा भारतीय श्रम-बाजार में आते हैं। हमें निजी क्षेत्र में भी रोजगार मुहैया कराने की जरूरत है, ताकि यह संकट कम होता जाए। उसके मद्देनजर केंद्र सरकार को 'जातीय जनगणना' के प्रति भी 'खुला' होना पड़ेगा और अपने रुख में बदलाव लाना होगा।

केंद्र सरकार शीघ्र ही औपचारिक घोषणा करेगी और पूरा कार्यक्रम देश के सामने रखेगी। 2011 की जनगणना के बाद अब यह कवायद की जाएगी। नियम रहा है कि हर 10 साल के बाद जनगणना कराई जाएगी, लेकिन कोरोना वैश्विक महामारी के कारण 2021 की जनगणना नहीं की जा सकी। अब भारत दुनिया के उन तीन देशों में एक है, जहां नई जनगणना का सम्यक कार्यक्रम अभी घोषित किया जाना है। ऐसा 'यूएन पॉपुलेशन फंड' के 'ग्लोबल सेंसस ट्रैकर' का दावा है। बेशक कोरोना ने वैश्विक स्तर पर लगभग सभी देशों को खूब प्रभावित किया, नतीजतन वे जनगणना समेत कई अभियान नहीं चला पाए, लेकिन उन्होंने महामारी से उबर कर जनगणना के अपने कार्यक्रम भी घोषित किए और जनगणना की प्रक्रियाएं भी शुरू हो चुकी हैं।

आजादी के बाद हिंदी को शासन की भाषा बनाने की कोशिश शुरू हुई जिसके लिए इसका मानकीकरण किया जाने लगा

राष्ट्रभाषा हिंदी का वर्तमान परिदृश्य

डा. देवेंद्र गुप्ता

हिंदी में यह यथास्थितिवाद तब है, जब संविधान की व्यवस्था हिंदी के बारे में स्पष्ट है कि वह हमारी अपनी वैधानिक राजभाषा है और अंग्रेजी सह-राजभाषा है। आज मौजूदा समय में हिंदी यानी राजभाषा के प्रति जनता के हृदय में स्वीकार्यता बढ़ तो रही है, तथापि सरकारी स्तर पर सबसे पहले इसके लिए राजभाषा के कार्यान्वयन के तौर-तरीकों में जीवंत बदलाव लाने होंगे। कई कार्यक्रम बहुत पुराने, उबाऊ, नीरस हो गए हैं जिनकी प्रासंगिकता नहीं रह गई है। हिंदी सप्ताह और हिंदी पखवाड़ा चूंकि एक सरकारी कार्यक्रम है, वो महज एक कर्मकांड बन कर इसलिए रह गया है कि ये सीधे-सीधे लोगों से नहीं जुड़ पाते हैं, जैसे वैलेंटाइन डे, फ्रेंडशिप डे, मदर-फादर डे वगैरह जिन्हें आम आदमी उत्साहपूर्वक सफल बनाते हैं।

हिंदी दिवस या पखवाड़ा एक रस्म अदायगी सी हो गई है। हिंदी को लेकर बात करना अब एक थकाने वाली कवायद बन गई है। हिंदी में यह यथास्थितिवाद तब है, जब संविधान की व्यवस्था हिंदी के बारे में स्पष्ट है कि वह हमारी अपनी वैधानिक राजभाषा है और अंग्रेजी सह-राजभाषा है। आज मौजूदा समय में हिंदी यानी राजभाषा के प्रति जनता के हृदय में स्वीकार्यता बढ़ तो रही है, तथापि सरकारी स्तर पर सबसे पहले इसके लिए राजभाषा के कार्यान्वयन के तौर-तरीकों में जीवंत बदलाव लाने होंगे। कई कार्यक्रम बहुत पुराने, उबाऊ, नीरस हो गए हैं जिनकी प्रासंगिकता नहीं रह गई है। हिंदी सप्ताह और हिंदी पखवाड़ा चूंकि एक सरकारी कार्यक्रम है, वो महज एक कर्मकांड बन कर इसलिए रह गया है कि ये सीधे-सीधे लोगों से नहीं जुड़ पाते हैं, जैसे वैलेंटाइन डे, फ्रेंडशिप डे, मदर-फादर डे वगैरह जिन्हें आम आदमी उत्साहपूर्वक सफल बनाते हैं। इसका कारण यह है कि लोग इस बहाने दिवस विशेष के मकसद से खुद को जोड़ लेते हैं। इसलिए शिकवे, शिकायतें अगर हैं भी तो वे सरकारी तंत्र के दिखावे से रहती हैं। दूसरे, हिंदी की प्रगति समीक्षा बैठक की रिपोर्टें तैयार करने के जड़वत कार्य। मुझे जो सबसे बड़ा मूर्खतापूर्ण कार्य दिखता है, वह यह कि सरकारी महकमों में हिंदी शब्दों व पत्रों की गिनती के आधार पर राजभाषा पुरस्कार दिया जाना।

तीसरा, आजादी के बाद हिंदी को शासन की भाषा बनाने की कोशिश शुरू हुई जिसके लिए इसका मानकीकरण किया जाने लगा। करीबन 67 साल की कोशिश से एक मानक भाषा तो बनी, लेकिन वो न तो आम लोगों के इस्तेमाल की रही और न राजकाज की भाषा। सरकारी कामकाज में अभी भी अंग्रेजी को वरीयता प्राप्त है। हिंदी ड्राफ्ट को अहमियत तक नहीं दी जाती। वहां भी पुष्टि के लिए अंग्रेजी ड्राफ्ट से मिलान किया जाता है। सरकारी स्तर पर प्रशासनिक शब्दावली और अनुवाद...तौबा रे तौबा...आम जनता की तो छोड़िए, बुद्धिजीवी वर्ग, पत्रकार, साहित्यकार तक मोटे तौर पर राजभाषा हिंदी की प्रशासनिक शब्दावली और अनुवाद स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। यहां लेखक गौरव सोलंकी का मत उल्लेखनीय है कि 'क्या कोई भाषा विक्टिम होती है कभी, जैसे हिंदी खुद को जताती है अक्सर...हम मेडिकल साइंस, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च या किसी भी किस्म के आविष्कारों की अगली कतार में नहीं हैं। इसलिए कि हिंदी के पास नए जमाने के शब्दों के नाम पर सरकारी किस्म के 'आपराधिक से अनुवाद' हैं, जिन्हें कोई जहीन आदमी इस्तेमाल नहीं करना चाहेगा और जो जहीन होना चाहता है, वो जानना नहीं चाहेगा।' इसलिए हमारे प्रत्येक सरकारी कार्यालय, उपक्रमों, शोध संस्थानों और वित्तीय संस्थानों को चाहिए कि वो सरल और आम बोलचाल की हिंदी का प्रयोग करें जिससे हिंदी हमारी विकास यात्रा में सबसे बड़ी भागीदारी निभाए। हिंदी अब प्रौद्योगिकी, विपणन और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की भाषा बन रही है। आवश्यकता है इसको तीव्रता देने की राह में जो भी बाधाएं हैं, उन्हें पार करते हुए गति दी जाए। मैंने पाया कि दफ्तर के बाहर हिंदी की स्थिति भिन्न है।

आम भारतीय उत्तर भारत से पश्चिमी भारत तक अपनी बीसियों बोली से संचित हिंदी बोल रहा है। पिछले 20-25 वर्षों से रेडियो, फिल्में तथा अखबार, विज्ञापन उद्योग, मल्टीनेशनल कम्पनियों के ब्रांड बाजार ने हिंदी को ग्रामीण स्तर तक सीधे संवाद की भाषा बना दिया है। अब तो प्रौद्योगिक उन्नति के चलते सुगम अनुवादों के लिए सॉफ्टवेयर सुलभ हैं और वेबसाइट, सोशल मीडिया पर उपभोक्ता बढ़ गए हैं। शुद्धतावादी अथवा खतरावादी इस क्रमवार बदलाव को नहीं देख पा रहे। ज्यों ज्यों विदेशी पूंजी का निवेश भारतीय व्यापार में बढने लगा है, हिंदी का ग्लोबल ट्रेंड बढ़ा है। हिंदी मनोरंजन, विज्ञापन की सबसे बड़ी भाषा तो बन ही गई है, वित्त और कारोबार के क्षेत्र में हिंदी की जड़ें मजबूत होने से हिंदी देश-समाज से आगे बढ़ कर अब विश्व की भाषा बनने की राह पर है। यह बदलाव जीवन की रोजमर्रा की व्यावहारिकता में हो रहा है। इस बदलाव के चलते हिंदी में अंग्रेजी के शब्द भी आने लगे हैं। हिंदी भाषा और बाजार दोनों में विस्तार के चलते अंग्रेजी के शब्द हिंदी हुए जा रहे हैं। हमें लगने लगता है कि हिंदी खराब हो रही है और अंग्रेजी उस पर हावी हो रही है। इस मनोदशा को हिंदी विद्वानों ने सिरे से नकार दिया है। वो कहते हैं कि भूमंडलीकरण और मुक्त बाजार ने भाषाओं को एक महामिक्सी में डाल दिया है। हिंदी को अंग्रेजी शब्दों से किस तरह खतरा हो सकता है? भूमंडलीकरण से पहले भी हिंदी तद्भव, देशज शब्दों, मुहावरों से अपने को समृद्ध करती रही है। परंतु खतरावादियों का सम्प्रदाय पहले उर्दू के शब्दों को ठिकाने लगाता था और हिंदी को सौ फीसदी संस्कृत के खूंटे से बांधना चाहता था। कहना चाहिए कि वो खूंटा ही इस भूमंडलीकरण में उखड़ गया है जिससे हिंदी अब तक बंधी रहती थी। अभी तक तो लड़ाई अंग्रेजी को अपदस्थ करने की रही है। भूमंडलीकरण, प्रौद्योगिकी, कारोबार, तकनीक के चलते हिंदी को रफ्तार तो मिली है। अब दक्षिण में हिंदी विरोध तो शांत दिखता है, पर इधर एक नया खतरा विभिन्न भारतीय भाषाओं और बोलियों द्वारा संविधान की 8वीं अनुसूची में स्थान पाने को लेकर है। जिस हिंदी का विकास करने, संजोने और स्थापित करने में हमारे महापुरुष, राजनेता, समाज सुधारक, संत, साहित्यकार संघर्ष करते आए हैं और जिन्होंने हिंदी को राजभाषा की पदवी दिलाने के लिए अपना सारा जीवन लगा दिया, उसी भाषा को तोडने और खंडित करने के प्रयास हो रहे हैं। जब कई सारी बोलियां अष्टम अनुसूची में जाएंगी, तो हिंदीभाषी कितने लोग रह जाएंगे? बोलियां हिंदी से अलग होकर अलग-थलग पड़ जाएंगी और स्वतः कमजोर पड़ कर खत्म हो जाएंगी। अतएव हिंदी को टूटने से बचाने का दारोमदार हमारी अपनी इच्छा और संकल्प शक्ति पर है। इसलिए आज हमें फोकस करना चाहिए कि हमारे पास राष्ट्र ध्वज, चिन्ह, गान, पशु-पक्षी आदि तो हैं, पर राष्ट्रभाषा नहीं है। और यह भी सत्य है कि हिंदी ही वह भाषा है, जो राष्ट्रभाषा का दर्जा पाने के काबिल है। हिंदी अब पूरे विश्व में बोली जाती है।

दृष्टि कोण

कहां खो गईं पीड़ा समझने वाली भावनाएं

अपने देश में और कहीं-कहीं दुनिया में भी एक शब्द वाक्य यदा-कदा सुनने को मिलता है- भावनाएं आहत हो गईं, धार्मिक भावनाओं का अपमान कर दिया। कुछ स्थानीय भाषाओं में यह भी कह दिया कि हृदय वलूंदरे गए अर्थात हृदय पर गहरी चोट की गई। यह चोट भावों और भावनाओं की रहती है। कुछ भावनाएं ऐसी हैं जो केवल पूजा स्थानों या विशेष संप्रदाय के महापुरुषों से जुड़ी रहती हैं। अगर वही भावनाएं अनियंत्रित हो जाएं तो फिर न किसी का सिर काटने में संकोच होता है, न आग लगाने में, न दंगा करने में और न ही विदेशी शक्तियों के हाथ में खेलने में संकोच किया जाता है। मेरा साधारण और स्वाभाविक प्रश्न यह है कि यही संवेदना या आक्रोश की भावनाएं दया या विरोध की भावनाएं उस समय क्यों छिपी रहती हैं, सोई रहती हैं, जब मानवता के विरुद्ध बहुत बड़ा अपराध होता है। जब बच्चे जन्म लेते ही बिना इलाज के मौत के मुंह में चले जाते हैं और सरकारें केवल नवजात शिशुओं की मृत्यु के आंकड़े देकर ही अपने कत्र्तव्य की इतिश्री समझ लेती हैं। हिंदुस्तान जैसे देश में आज तक असंख्य बेटियां जन्म से पहले मां के गर्भ में ही क्रूरता से कत्ल कर दी गईं या नवजात बच्चियां कूड़े के ढेर पर फेंक दी गईं जहां बहुत बार कुत्तों ने उन्हें नोंच-नोंच कर खा लिया। उस समय वे भावनाएं न जाने किस गड्ढे में दबी रहती हैं जो भावनाएं किसी का सिर कटवा देती हैं, आग लगवा देती हैं, हत्याएं करने में भी कोई संकोच नहीं करतीं। इस समय सुरसा के मुंह की तरह जो भयावह संकट देश के सामने है, आकाश से बरस रहा है, कहीं भयानक बारिश के रूप में, कहीं बादल फटने के रूप में और जिसके परिणामस्वरूप लाखों लोगों की आंखें बरस रही हैं, हजारों लोग प्रतिवर्ष इसी बाढ़ और बादलों के कहर के कारण मौत के मुंह में चले जाते हैं, बेघर हो जाते हैं, उनके लिए आम जन से लेकर नेताओं तक की भावनाएं बिल्कुल शांत हो चुकी हैं। आमजन तो बेचारा आमजन है। रोटी-रोजी के लिए संघर्ष करता हुआ कि जिंदगी एड़ियां रगड़-रगड़ कर जी लेता है, पर जो देश के बड़े बड़े नेता, शासक राजनीति के स्वामी हैं वे भी बाढ़ की समस्या को उतनी गंभीरता से नहीं ले रहे जितना उनको लेना चाहिए। कटु सत्य यह है कि दुनिया में बाढ़ से जितनी जन-धन की हानि होती है, उसका बीस प्रतिशत केवल भारत में है। हर वर्ष वर्षा होती है, आगे भी होती रहेगी, पर आज तक यह प्रबंध क्यों नहीं हो पाया कि जो क्षेत्र हर वर्ष बाढग़्रस्त होते ही हैं, उन क्षेत्रों से जनता को हटाकर कहीं दूर बसा दिया जाए। यह प्रयास भी नहीं हुआ कि नदियों-दरियाओं के रास्ते में जो अवैध कब्जे और अवैध खनन के कारण बाढ़ की स्थिति बनती है, उसे ही नियंत्रित कर लिया जाए। श्री केदारनाथ धाम में 12 वर्ष पहले जो कुदरत का कोप आदमी को सहना पड़ा, उसके लिए भी यही कारण बताया गया है/था कि जिन क्षेत्रों में पानी को बहना है उसी जमीन पर कब्जा करके बड़े-बड़े भवन खड़े किए गए, जिसके कारण यह कोप अधिक भयानक हो गया। आसाम की बाढ़ कौन नहीं जानता। अभी मॉनसून पूर्व की वर्षा का ही आगमन होता है तो वहां बाढ़ शुरू हो जाती है। इस समय तेलंगाना, आंध्र, महाराष्ट्र, गुजरात, हिमाचल, उत्तराखंड जैसे बहुत से प्रांतों में वर्षा से बाढ़ बन चुके कुदरती कोप का भयानक रूप देखने को मिल रहा है। क्या यह सच नहीं कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अनेक लोग बाढ़ के कारण मौत के मुंह में जा चुके हैं। अभी कुछ दिन ऐसे समाचार आगे भी मिलते रहेंगे, पर प्रश्न फिर वही है कि एक साधारण से चित्र या शब्द या किसी की टिप्पणी से जो क्रोध, आक्रोश, हिंसा और बदले की भावना देश को जलाने के लिए भडक़ती है, वही भावना अपने देशवासियों को बचाने के लिए क्यों सामने नहीं आती? वर्षा हम नहीं रोक सकते, बादल कब फटेंगे नहीं जानते, भूस्खलन और पहाड़ों का गिरना प्रकृति के हाथ में है, पर वहां बसे अपने देशवासियों को सुरक्षित स्थान पर मुसीबत आने से पहले ही ले जाना, यह तो देश के नेताओं के हाथ में है। अपने-अपने धार्मिक स्थलों की विशालता और अपने बड़प्पन का गुणगान करने वाले न धार्मिक नेता, न राजनीति के स्वामी, न जाने क्यों मौन धारण रखते हैं? कहीं उत्तराखंड में बाढ़ में गाडियां बह गईं, कहीं भवन गिरने से लोग दब कर मर गए। गुजरात के 28 जिलों में इस वर्ष बाढ़ का भयानक कहर बरपा। दिल्ली में संसद के अंदर भी पानी पहुंच गया। राजस्थान और दिल्ली की बेसमेंट में पानी में कुछ लोग डूब गए। अभी हाल ही में दिल्ली में एक अंडरपाथ में कार डूबी, साथ ही दो जिंदगियां डूब गईं। न जाने कितना बचपन इसी प्राकृतिक आपदा के कारण जिंदगी से वंचित हो गया। इसके लिए किसी को तड़पते नहीं देखा। केवल वही तड़पते हैं जिनके परिजन इस प्राकृतिक कोप का शिकार हो गए। एक नहीं अनेक ऐसे प्रसंग हैं, जहां मानव हृदय पीड़ित होना चाहिए। नेताओं की भावनाएं सेवा सहायता के लिए जन-जन तक राहत देने के लिए पहुंचनी चाहिए।

कुछ अलग

हिंदी के कैजुअल प्रेमी...

ड्रेस की तरह हिंदी प्रेमियों की भी दो किस्में हैं- कैजुअल हिंदी प्रेमी और फॉर्मल हिंदी प्रेमी। मैं कैजुअल और फॉर्मल टाइप के हिंदी प्रेमियों के बीच की नस्ल का हिंदी अधिकारी हिंदी प्रेमी हूं, मतलब हिंदी और अंग्रेजी दोनों नावों का सवार! या कि मध्यममार्गी। पर वे टोटली हिंदी के कैजुअल टाइप के प्रेमी हैं। प्रेम को लेकर आप किसी से ये कतई नहीं पूछ सकते कि वह कैजुअल प्रेमी है तो क्यों हैं? और जो वह फॉर्मल प्रेमी है तो क्यों हैं? प्रेम को लेकर कैजुअलिटी और फॉर्मेलिटी सबकी अपनी अपनी। हिंदी पखवाड़े में कैजुअल हिंदी प्रेमी की एंट्री देखने लायक होती है। सिर से लेकर पांव तक हिंदीमय। आंखों में हिंदी के लिए आंसू इतने कि ज्यों पूरे देश के हिंदी प्रेमियों की झूठी वेदना केवल इनकी आंखों में घनीभूत हो गई हो। हिंदी के बारे में इतने गंभीर कि इतने जो अपनी बीवी को लेकर गंभीर होते तो सालों से वह मायके न बैठी होती। पखवाड़ा भर हिंदी के हर खाने वाले कार्यक्रम में जमकर पेट पर हाथ फेरा और अंत में एक साथ चार चार गोलियां हाजमोला अंदर। हिंदी पखवाड़े में जितनी बिक्री हाजमोला और दूसरे कब्जहारी चूर्णों की होती है, उतनी साल भर नहीं होती। कैजुअल टाइप का चतुर सुजान हिंदी पखवाड़े में हिंदी से साल भर का प्रेम पंद्रह दिनों में कर हिंदी में काम करने के पुरस्कार बटोर हिंदी से साल भर के लिए मुक्त हो सोलहवें दिन सूर्योदय होते ही अंग्रेजी का हो जाता है। हिंदी का पाक्षिक आदर्श कैजुअल प्रेमी पखवाड़ा भर अपनी उल्टी सीधी हरकतों से अपनी और हिंदी दोनों की ऐसी तैसी घुमाकर रखता है। इन पंद्रह दिनों में न तो वह खुद चैन से रहता है, न ही हिंदी के सालाना प्रेमियों को चैन से रहने देता है। इधर उसकी हरकतों से हिंदी परेशान तो उधर अपनी हरकतों से वह। हिंदी के चतुर कैजुअल प्रेमी को अच्छी तरह पता होता है कि हिंदी केवल पंद्रह दिनों की भाषा है। अगर उसने उसे गलती से भी सोलहवें दिन अपने साथ रखा तो उसका तो उसका, उसके पूरे परिवार का अनिष्ट हो जाएगा। अड़ोस पड़ोस का अनिष्ट हो जाएगा। पड़ोसियों से उसके संबंध दुर्गंध हो जाएंगे। उसके बच्चों से पड़ोसियों के बच्चे बात नहीं करेंगे। हो सकता है तब वह सपरिवार डिप्रेशन में चला जाए। इसलिए कुशल कैजुअल हिंदी प्रेमी सोलहवें दिन के सूर्य की प्रथम किरण शहर में पड़ते ही अंट शंट योगा करता अंग्रेजी में नहाता है, अंग्रेजी पीता है, और अंग्रेजी में ही बरसों पहले पॉलिश कराए डाइनिंग टेबल पर बैठ ब्रेकफास्ट, लंच, डिनर करता हिंदी के पाक्षिक प्रेम में डूबने की थकान मिटाता है। यह बात दूसरी है कि मध्यमवर्गीय अंग्रेजी वाले टूटी फूटी हिंगलिश बोलते देसी भी शिट शिट करते पी लेते हैं। हिंदी के कैजुअल प्रेमी को पता होता है कि जो वह हिंदी से पखवाड़े के बाद भी प्रेम करेगा तो गई साख पानी में। आदमी की सबसे बड़ी फितरत यह होती है कि वह अपने आप चाहे सिर से ऊपर तक पानी में डूब जाए तो डूब जाए, पर वह अपनी साख पानी में इंच भर नहीं जाने देता। वह जानता है कि साख है तो लाख है। वैसे समझदारी के हिसाब से साल में हिंदी से प्रेम करने के लिए पंद्रह दिन काफी होते हैं। जो गलती से कोई साल भर हिंदी से प्रेम करने लग जाए तो उसकी बात उसकी अनपढ़ बीवी भी न समझ पाए। अगर वह साल भर हिंदी प्रेमी होकर जिए तो हो सकता है सोलहवें दिन वह अपने को अपने आप भी न पहचाने। अपनी पहचान बनाए रखने के लिए इसलिए भी कैजुअल हिंदी प्रेमियों का अगले हिंदी पखवाड़े तक सरीसृप वर्ग की तरह हाइबरनेशन में हिंदी हित में जाना अनिवार्य है। इन दिनों मेरे दफ्तर के कैजुअल हिंदी प्रेमियों का हिंदी प्रेम है कि उनके हिंदी के हर शब्द पर सौ बार दम निकले। वे आजकल हिंदी के ऐसे ऐसे शब्दों का उपभोग, दुरुपयोग कर रहे हैं कि हिंदी बोलने के लिए उनका मुंह खुलने से पहले मुझ सीनियर मोस्ट हिंदी अधिकारी को हिंदी शब्दकोश खोलना पड़ रहा है। और तब बहुत हैरत में पड़ जाता हूं जब उनकी बकी हिंदी के शब्द शब्दकोश में भी नहीं मिलते।

देश दुनीया से

आसमान को कूड़ाघर बनने से बचाएं

भाषणबाज़ी से अलग, पृथ्वी के हित में हम सबसे महत्वपूर्ण कदम यह उठा सकते हैं कि आसमान को कूड़ा घर न बनाएं। जगह-जगह विशाल कूड़े के पहाड़, लैंडफिल्स में आग लगना और कई दिनों तक घुटन भरा धुआं उगलना यह दर्शाता है कि कूड़ा सिर्फ जमीन पर नहीं, बल्कि आसमान में भी अपनी जगह बना रहा है। प्लास्टिक इस संदर्भ में एक बड़ा खलनायक है। जलने के साथ-साथ माइक्रो-प्लास्टिक के छोटे कण भी वायुमंडल में पहुंचते हैं। हाल ही में एक आम दृश्य यह देखा जा रहा है कि लोग सड़कों पर पत्तियां इकट्ठा करके उन्हें जलाते हैं।

जब भी साफ हवा, नीला आसमान, पृथ्वी दिवस, पर्यावरण दिवस जैसे अवसर आते हैं, तो हम पृथ्वी के हित में अपने दायित्वों की बात करते हैं। भाषणबाज़ी से अलग, पृथ्वी के हित में हम सबसे महत्वपूर्ण कदम यह उठा सकते हैं कि आसमान को कूड़ा घर न बनाएं। जगह-जगह विशाल कूड़े के पहाड़, लैंडफिल्स में आग लगना और कई दिनों तक घुटन भरा धुआं उगलना यह दर्शाता है कि कूड़ा सिर्फ जमीन पर नहीं, बल्कि आसमान में भी अपनी जगह बना रहा है। प्लास्टिक इस संदर्भ में एक बड़ा खलनायक है। जलने के साथ-साथ माइक्रो-प्लास्टिक के छोटे कण भी वायुमंडल में पहुंचते हैं। हाल ही में एक आम दृश्य यह देखा जा रहा है कि लोग सड़कों पर पत्तियां इकट्ठा करके उन्हें जलाते हैं। चुनावी सामग्री का कूड़ा भी सड़कों पर फैल जाता है और उसे भी जला दिया जाता है। इस धुएं का आसमान में फैलना, हमें यह बताता है कि हम अपने कूड़े को सीधे आसमान में भेज रहे हैं। देशभर में विकास की दौड़ में वायु गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है। निर्माण कार्यों, कोयला बिजली उत्पादन, और ईंट-भट्ठों से उड़ने वाली धूल और कणीय प्रदूषक वायु गुणवत्ता को प्रभावित कर रहे हैं। जब वायु गुणवत्ता खराब हो जाती है, तो धूल और कणीय प्रदूषकों को रोकने के लिए जाली व कपड़े की दीवारें लगाई जाती हैं। नगरों में कूड़ा जलाने वाले संयंत्र और सड़क सफाई की मशीनें भी वायु में प्रदूषकों का अम्बार छोड़ देती हैं। वातावरण में धूल और कणीय प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पानी का छिड़काव और एंटी-स्मॉग गन्स का उपयोग किया जा रहा है, लेकिन अधिकांश राज्य सरकारें विशेषकर ठंड के मौसम में इन प्रदूषणों के खिलाफ प्रभावी कदम उठाने में असमर्थ रहती हैं। अंततः स्कूलों और कार्यालयों को बंद करना पड़ता है। राजनीतिक कारणों से निर्माण कार्यों और कूड़े के ढेर की अनदेखी होती है, जिससे प्रदूषण और बढ़ जाता है। वायु में कणीय प्रदूषण स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा है। इससे बीमारियों में वृद्धि होती है। ये कण पानी में भी जमते हैं और वहां से मिट्टी और घास में पहुंच जाते हैं, जो जानवरों के भोजन में भी शामिल हो जाते हैं। वैश्विक स्तर पर 90 प्रतिशत लोग प्रदूषित हवा में सांस लेते हैं और हर साल वायु प्रदूषण के कारण लगभग 7.9 मिलियन लोग समय से पहले मर जाते हैं, खासकर कम और मध्यम आय वाले देशों में। अत्यंत महीन कणीय प्रदूषकों को नियंत्रित करना अत्यावश्यक है। 7 अक्तूबर, 2019 को यूरोप और अमेरिका के देशों ने एक साझा अनुबंध पर हस्ताक्षर किए, जिसमें सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, और अमोनिया जैसे प्रदूषकों के अलावा पीएम 2.5 कणीय प्रदूषकों के उत्सर्जन को भी तय सीमा में बांधने का फैसला किया गया। हालांकि, कणीय प्रदूषण केवल भौतिक परिमाण से नहीं मापा जाता, उसकी रासायनिक प्रकृति भी महत्वपूर्ण होती है। प्लास्टिक, कागज और रबर जलने पर उनके कणीय प्रदूषक भी हवा में चले जाते हैं। भारत में नाइट्रोजन डाइऑक्साइड प्रदूषण उच्चतम है, और इसके कारण तेजाबी बारिश होती है। पेड़ों की पत्तियों पर प्रदूषण बैठ जाता है और उन्हें नुकसान पहुंचाता है। आसमान को कूड़ाघर बनने से बचाने के लिए व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर सुधार आवश्यक हैं। सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, वाहन ठीक रखना, और कूड़ा जलाने से बचना ये सभी व्यक्तिगत जिम्मेदारियां हैं। दुनियाभर में बढ़ते ऊर्जा की मांग के कारण बड़े प्रदूषणकारी देश जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करने के लिए तैयार नहीं हैं। भारत, जिसमें दुनिया के सबसे अधिक प्रदूषित शहर शामिल हैं, भी कोयले के उत्पादन को बढ़ाने की योजना बना रहा है। इससे कणीय प्रदूषण और बढ़ेगा। नवीनतम खतरा माइक्रो-प्लास्टिक के वायुमंडल में पहुंचने का है। प्लास्टिक पर पाबंदी और इसके कम उपयोग से माइक्रो-प्लास्टिक भी कम होगा। हमें हताशा से बाहर निकलना होगा और अपनी आदतों में सुधार करना होगा। कूड़ा जलाने, पटाखे जलाने, धुआं छोड़ते वाहनों का उपयोग करने से बचना होगा। छोटे-छोटे बदलाव भी महत्वपूर्ण हैं, जैसे कूड़ा जलाने पर रोक और उचित कूड़ा प्रबंधन। प्राकृतिक कारणों से भी कणीय प्रदूषण बढ़ता है, जैसे आंधी-तूफान, खनन और ज्वालामुखी विस्फोट। पेड़ों की संख्या बढ़ाकर प्रदूषण को कम किया जा सकता है। अंततः, यदि हम कूड़ा करते रहें और सरकारों पर आरोप लगाते रहें कि वे प्रदूषण कम करने में असफल हैं, तो यह हमारे लिए हानिकारक होगा। हर व्यक्ति का जिम्मेदारी समझना जरूरी है ताकि प्रदूषित हवा की समस्या कम की जा सके। जैसे हम अपने जलस्त्रोतों को प्रदूषित नहीं करना चाहते, वैसे ही आसमान को भी प्रदूषण से बचाना चाहिए। हमें यह समझना होगा कि प्रदूषण केवल एक राजनीतिक या सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर भी प्रभाव डालता है।

आप का नजरीया

शहरी विकास के जोन में

मस्जिद विवाद ने समाज को जिस मोड़ पर खड़ा कर दिया है, उसके सियासी संदर्भ भले ही कुछ कहें, लेकिन शहरीकरण की उत्कंठा से ग्रस्त हिमाचल को अपनी खोखली व्यवस्था का पता चल गया। प्रगति की अपनी सीमा रेखा, संयम व नियमावलियां हैं, जिन्हें भ्रमित करके हम निजी संपन्नता, प्रभाव व निरंकुशता में भूल गए कि हर तरह के निर्माण की आचार संहिता क्या है। हिमाचल में न तो सरकारी और न ही निजी निर्माण की कोई आचार संहिता पूरी तरह अपनाई गई। इस दौरान लोगों ने खेत छोड़े और शहरीकरण की दिशा में पलायन करते हुए सडक़ों के किनारे बाजार और घर का द्वंद्व पैदा कर दिया। पुरानी हट्टी ने बाजार की कब्र खोद कर मॉल के लिए जमीन पैदा कर ली, नतीजतन घाटियां खत्म हो गईं और प्राकृतिक नजारे मिट्टी में मिल गए। ऐसे में 'स्ट्रीट वैंडर्स कमेटी' के तहत तहबाजारियों के लिए योजना बनाने का संकल्प सामने आ रहा है। हिमाचल में 'बाहरी तत्त्व' पहले ही स्थानीय दिहाड़ी को खानाबदोश कर चुका है, जबकि जमीन पर हल से हिमाचली स्वाद के हलक तक प्रवासी मजदूर कब्जा कर सके, तो यह साजिश है या हमारी अकर्मण्यता। सुंदरनगर की रेहडियों पर अगर बिहार से आकर कोई सिड्डू बेच रहा है, तो इस प्रतिस्पर्धा का मुजरिम असल में है कौन। यह एक-दो साल की रेहड़ी नहीं है, बल्कि दो दशकों से अगर धर्मशाला के गांधी-नेहरु वाटिका के करीब बर्गर बेचकर कोई बाहरी शहर की तसल्ली करवा रहा है, तो वह आधुनिक हिमाचल का रसोइया है। इतना ही नहीं, जो पर्यटक मनाली से लेह की तरफ निकलते हैं, उनके स्वागत के लिए मैगी की हांडी चढ़ाकर उत्तर प्रदेश या बिहार का कोई आदमी वहां पहुंच गया है, जहां हम ट्राइबल की चादर ओढ़े बजट से राहत की रेवड़ी ढूंढ रहे हैं। कमोबेश हर बाजार में रोजगार का एक ऐसा बाजार खड़ा है जिसे रेहड़ी ने खोजा है, लेकिन वैंडर्ज को लेकर हिमाचल की कोई नीति व कोई पुख्ता आधार नहीं बना। अगर हम चंडीगढ़ से ही सीख लेते, तो वहां प्रशासन ने अगर मॉल, शोरूम व उद्योग को जगह दी, तो बाईस की मार्किट के साथ शास्त्री मार्किट के तहत पांच सौ रेहड़ी-फड़ी वालों को स्थायी छत भी दी। विडंबना यह है कि हिमाचल के बाजारों के हर कोने पर रेहड़ी-फड़ी चुपके से पर्ची कटवा कर अपने साम्राज्य को वैध करवा रहा है। मसला रेहड़ी-फड़ी में किसी बाहरी का नहीं होना चाहिए, बल्कि उस बेचारगी का होना चाहिए जो मूकदर्शक बनी रही। हमारा शहरी विकास विभाग, शहरी निकाय तथा पीडब्ल्यू महकमा बेखबर होकर शहरीकरण की कोख से पैदा होते ऐसे हालात पर आंखें बंद किए हैं। स्ट्रीट वैंडर्स के लिए किसी भी नीति से पहले टीसीपी कानून के तहत शहरी विकास योजना को शक्तिशाली बनाना पड़ेगा। हर सडक़ पर दुकानदारी और सडक़ पर ही बस स्टॉप बनाकर हम आने वाली सदियों से गुनाह कर रहे हैं। ऐसे में हर शहर में आधुनिक बाजार, वैंडिंग जोन, व्यापार केंद्र, कर्मचारी नगर, महापार्किंग स्पेस तथा मनोरंजन केंद्र एवं पार्क विकसित करने होंगे। हम कई बार कह चुके हैं कि हर शहर की सारी दिशाओं में कम से कम चार ओपन स्पेस या मैदान विकसित करने चाहिएं, जो आसानी से वैंडिंग जोन, सांस्कृतिक समारोहों, व्यापारिक मेलों, धार्मिक सम्मेलनों, खेल गतिविधियों के आयोजन या पार्किंग स्थल के रूप में समय-समय पर प्रयोग में लाए जा सकते हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में मोदी की इंट्री, ट्रंप ने दावा किया–मोदी मुझसे मिलने आ रहे हैं

वाशिंगटन।
भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंट्री अब अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में हो गई है। ये इसलिए कहा जा रहा है कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप सीना ठोककर कह रहे हैं कि पीएम मोदी मुझसे मिलने अमेरिका आ रहे हैं।

ट्रंप ने मिशिगन के फ्लिंट में अपने चुनावी अभियान के एक कार्यक्रम में बैठक की घोषणा की है। इस बैठक में वह भारत के साथ अमेरिकी व्यापार संबंधों के बारे में बातचीत कर रहे थे। हालांकि यह मुलाकात कहां होगी इसकी जानकारी नहीं मिली है। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को पीएम मोदी की अमेरिकी यात्रा का विस्तृत कार्यक्रम जारी किया था। इसके मुताबिक पीएम मोदी अमेरिका में क्वॉड बैठक में हिस्सा लेने के साथ-साथ कई दूसरे कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे।

इस दौरान प्रधानमंत्री ट्रंप से भी मुलाकात कर सकते हैं। ट्रंप के राष्ट्रपति रहते 2017 से 2021 के दौरान पीएम मोदी और ट्रंप में एक मजबूत साझेदारी नजर आई थी। इस दौरान ह्यूस्टन में हाउडी मोदी और भारत में नमस्ते ट्रंप जैसे कार्यक्रम भी आयोजित हुए थे जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा था।

पीएम नरेंद्र मोदी विलमिंगटन, डेलावेयर में चौथे क्वाड लीडर्स समिट में हिस्सा लेंगे जिसकी मेजबानी 21 सितंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है कि क्वाड समिट में नेता पिछले एक साल में क्वाड द्वारा हासिल की गई प्रगति की समीक्षा करेंगे और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के देशों को उनके लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करने के लिए आने वाले साल के लिए एजेंडा तय करेंगे। वहीं 22 सितंबर को पीएम मोदी न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय की एक सभा को भी संबोधित करेंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि वह एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और जैव प्रौद्योगिकी के अत्याधुनिक क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच अधिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अग्रणी अमेरिकी कंपनियों के सीईओ के साथ भी बातचीत करेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेरिका में हैरिस और ट्रंप अब टीवी और रेडियो में खोलेंगे मोर्चा

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव अब दिलचस्प मोड़ पर पहुंच चुका है। प्रचार के अंतिम सात सप्ताह राष्ट्रपति पद के दोनों उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का पूरा जोर संचार माध्यमों पर रहेगा। एक विज्ञापन ट्रैकिंग फर्म हवाले से खबर दी है कि राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और उनके सहयोगी अभियान के अंतिम सात हफ्तों में टेलीविजन और रेडियो विज्ञापन पर आधा बिलियन डॉलर से ज्यादा खर्च करने की योजना बना रहे हैं। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का समर्थन करने वाले समूहों ने टेलीविजन और रेडियो विज्ञापनों के लिए 332 मिलियन डालर का एयरटाइम आरक्षित किया है। डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करने वाले समूहों ने इस पर लगभग 194 मिलियन डालर खर्च करने की योजना बनाई है। दोनों पक्ष सबसे ज्यादा खर्च पेंसिल्वेनिया में करेंगे।

मुझ पर जानलेवा हमला........शायद भगवान चाहते हैं कि मैं इस देश को बचाऊं : ट्रंप

न्यूयॉर्क। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जान लेने की दूसरी कोशिश की गई। उन्होंने पहली बार हमले पर कहा, शायद भगवान चाहते हैं कि मैं इस देश को बचाऊं। ट्रंप ने बताया कि उन्हें गोल्फ खेलने के दौरान अचानक गोलियों की आवाज सुनाई दी लेकिन वे समझ नहीं सके कि क्या हुआ? उन्होंने कहा कि सीक्रेट सर्विस ने उन्हें गोल्फ कार्ट से निकलकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। ट्रंप ने कहा, मैं अपने कुछ दोस्तों के साथ गोल्फ खेल रहा था, यह रविवार की सुबह थी और बहुत शांतिपूर्ण, सुंदर मौसम था, अचानक हमने हवा में गोलियां चलने की आवाज सुनी। उन्होंने बताया कि करीब चार या पांच गोलियां चलीं लेकिन मैं कुछ समझ नहीं सका। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, सीक्रेट सर्विस को तुरंत पता चल गया कि यह गोलियां थीं और उन्होंने मुझे पकड़ लिया। ट्रंप ने यह जानकारी एक ऑनलाइन इंटरव्यू में दी। ट्रंप ने कहा, हम कार्ट्स में सवार हो आगे बढ़े। हम उस रास्ते से हट गए।

कनाडा में आम चुनाव से पहले पीएम ट्रूडो विपक्ष के सामने पड़ रहे कमजोर

ओटावा। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो आम चुनाव से पहले राजनीतिक संकट का सामना कर रहे हैं। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में उनका प्रदर्शन विपक्षी दलों के मुकाबले कमजोर दिख रहा है। इस बीच मॉन्ट्रियल के लासेल-एमार्ड-वर्डुन संसदीय क्षेत्र में उपचुनाव ट्रूडो के लिए एक अहम परीक्षा है। यह सीट लिबरल पार्टी की सुरक्षित मानी जाती है और यहां लिबरल पार्टी हारती है, तो इसका आगामी आम चुनावों पर गहरा असर पड़ेगा। उपचुनाव लिबरल सांसद के इस्तीफे के बाद हो रहे हैं। हालांकि इस क्षेत्र में लिबरल पार्टी को सामान्यत: जीत की उम्मीद है, सर्वेक्षणों के मुताबिक मुकाबला कड़ा है। लिबरल पार्टी हारती है, तो इसका पूरा ध्यान पीएम ट्रूडो पर जाएगा, जो करीब 9 सालों से पद पर हैं और हाल ही में उनकी लोकप्रियता में गिरावट आई है। पार्टी के कुछ नेता ने ट्रूडो के नेतृत्व पर सवाल उठाया है वे पद छोड़ दें। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि लिबरल पार्टी आगामी संघीय चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी के पियरे पोलिएवर से बुरी तरह हार सकती है। लेगर पोल ने कंजर्वेटिव पार्टी को 45 फीसदी समर्थन दिया, जबकि लिबरल पार्टी केवल 25फीसदी समर्थन मिल रहा है। 2021 के चुनाव में, लिबरल्स ने लासेल-एमार्ड-वर्डुन में 43फीसदी वोट मिला था, जबकि क्यूबेकॉइस ब्लॉक और न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी को 22फीसदी और 19फीसदी वोट मिले थे। अब पोल में तीनों पार्टियां करीब-करीब बराबरी पर हैं। लिबरल पार्टी ने चुनाव के दौरान पोलिएवर को पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक के रूप में चित्रित करने की योजना बनाई है, जबकि पोलिएवर ने सीबीसी के फंडिंग को बंद करने का भी प्रस्ताव रखा है। इस उपचुनाव के परिणाम ट्रूडो की राजनीतिक दिशा को काफी हद तक निर्धारित कर सकते हैं और पूरे देश की राजनीति पर प्रभाव डाल सकते हैं।

लेबनान में पेजर धमाकों में 11 की जान गई, 2700 से अधिक लोग घायल, इनमें 200 की हालत नाजुक

बेरूत (लेबनान)।
लेबनान पेजर विस्फोट दहल गया है। मंगलवार को हुए इन धमाकों में अब तक 11 लोगों की जान चली गई। आतंकी समूह हिजबुल्लाह के गुर्गों के हजारों पेजर एक साथ फट गए। खबर के अनुसार, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य मीडिया को बताया कि इन धमाकों में कम से कम 11 लोग मारे गए और 2,700 से अधिक घायल हुए।

हिजबुल्लाह ने इजराइल को दोषी ठहराया

अधिकतर पेजर विस्फोट बेरूत के दहिह, दक्षिणी लेबनान के टायर, नबातिह और मरजायून और बेका में हुए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार, 2,750 लोगों के घायल होने की सूचना है। इनमें 200 की हालत गंभीर है। घायलों में हिजबुल्लाह के लड़ाके और चिकित्सक शामिल हैं। बताया गया है कि यह धमाके दोपहर 3:45 बजे के बाद से एक घंटे तक लगातार होते रहे। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार, कुछ विस्फोट सुपर मार्केट जैसे अधिक भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भी हुए।

ईरान के राजदूत मोजतबा अमानी भी घायल

ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इस घटना में लेबनान में ईरान के राजदूत मोजतबा अमानी भी घायल हुए हैं। आतंकवादी संगठन हिज्बुल्लाह ने पेजर विस्फोट के लिए इजराइल को दोषी ठहराया है। उल्लेखनीय है कुछ महीने पहले ही हिजबुल्लाह नेता हसन नसरुल्ला ने अपने लड़ाकों से स्मार्टफोन का इस्तेमाल न करने की अपील की थी। नसरुल्ला का कहना था कि इजराइल के पास स्मार्टफोन को हैक करने या उसमें से जानकारी निकालने की तकनीक है। समझा जा रहा है कि इस वजह से ही हिजबुल्लाह ने संचार माध्यम को बेहतर बनाने के लिए स्मार्टफोन की जगह पेजर का सहारा लिया। ...और यही पेजर अनेक निर्दोषों की जान के दुश्मन बन गए।

ताइवान के हैं पेजर

अमेरिकी और अन्य अधिकारियों के अनुसार, हिजबुल्लाह ने ताइवान की एक कंपनी से पेजर और बीपर्स मंगवाए थे। उनमें बहुत कम मात्रा में विस्फोटक लगाया गया। इन अधिकारियों के अनुसार, इजराइल ने मंगलवार को लेबनान में आयात किए गए ताइवान निर्मित पेजर के एक नए बैच के भीतर विस्फोटक सामग्री छुपाकर हिजबुल्लाह के खिलाफ अपना अभियान चलाया।

लेबनान पहुंचने से पहले इनमें की गई छेड़छाड़

कुछ अधिकारियों के अनुसार, हिजबुल्लाह ने ताइवान में गोल्ड अपोलो से जो पेजर मंगवाए, उनके लेबनान पहुंचने से पहले ही उनमें छेड़छाड़ की गई। अधिकांश पेजर कंपनी के एपी924 मॉडल के थे। इस शिपमेंट में तीन अन्य गोल्ड अपोलो मॉडल भी शामिल थे। दो अधिकारियों का दावा है कि प्रत्येक पेजर में बैटरी के बगल में एक से दो औंस जितना विस्फोटक पदार्थ लगाया गया। एक स्विच भी लगाया गया, जिसे विस्फोट करने के लिए दूर से चालू किया जा सकता था।

ऐसे अभियानों के विशेषज्ञ दो अधिकारियों ने कहा कि लेबनान में दोपहर 3:30 बजे पेजर में एक संदेश आया। समझा गया कि यह संदेश हिजबुल्लाह नेतृत्व का है। मगर इस संदेश ने विस्फोटकों को सक्रिय कर दिया और इसके बाद हुए धमाकों से दुनिया दहल गई।

हमास का साथ दे रहा है हिजबुल्लाह

फिलहाल इस घटनाक्रम पर इजराइली सेना ने किसी भी तरह की टिप्पणी करने से इनकार किया है। उल्लेखनीय है कि हमास ने पिछले साल अक्टूबर में इजराइल पर हमला किया था। इसके बाद गाजा में युद्ध शुरू हो गया। इस युद्ध में हिजबुल्लाह ने अपने सहयोगी हमास के समर्थन में इजराइल के खिलाफ हमले किए।

यूक्रेन को बर्बादी से कोई नहीं बचा सकता : कजाकिस्तान

अस्ताना।
रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन युद्ध खत्म करने की बात तो करते हैं, लेकिन वे किसी भी तरह से यूक्रेन के सामने झुकने को तैयार नहीं हैं। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की भी हथियार नहीं डालना चाहते और इसी वजह से जंग बदस्तूर जारी।

इस बीच, कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसे सुनकर जेलेंस्की के पांव के नीचे की जमीन खिसक सकती है। दरअसल, उनका कहना है कि रूस 'सैन्य रूप से अजेय' है।

अगर यूक्रेन युद्ध आगे बढ़ता है तो इसके परिणाम पूरी मानव जाति के लिए 'बहुत गंभीर' होंगे। उन्होंने सोमवार को जर्मनी के दौरे पर आए चांसलर ओलाफ स्कोल्ज से मुलाकात के दौरान यह बातें कही। कजाकिस्तान के राष्ट्रपति ने कहा, दुर्भाग्य से, इस्तांबुल ने समझौते की पुष्टि करने से इनकार कर दिया और सुलह हासिल करने का सबसे अच्छा अवसर खो दिया।

हालांकि, शांति के लिए अभी भी एक मौका है। विभिन्न देशों की सभी शांतिपूर्ण पहलों की सावधानीपूर्वक समीक्षा की जानी चाहिए। शत्रुता की समाप्ति के लिए एक समझौते पर पहुंचना ही चाहिए।

टोकायेव ने स्पष्ट किया कि उनके देश और यूक्रेन के बीच कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा कि कजाकिस्तान दूतावास अभी भी कीव में काम कर रहा है। बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने पुष्टि की कि वे पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार और आर्थिक सहयोग बढ़ाने में रुचि रखते हैं।

सिएटल में लगेगी वेश्यावृत्ति और नशीली दवाओं पर लगाम

वाशिंगटन।
अमेरिका में सिएटल सिटी काउंसिल ने मंगलवार को दो नए विधेयक पारित किए। इनका उद्देश्य सार्वजनिक रूप से नशीली दवाओं के उपयोग, बिक्री और वेश्यावृत्ति पर लगाम लगाना है।

पहले विधेयक में यह प्रावधान है कि अब नशीलों दवाओं के सौदागरों के सिएटल शहर के मुख्य भाग स्टे आउट ऑफ ड्रग एरिया में प्रवेश करना प्रतिबंधित होगा।

नशीली दवाओं से संबंधित विधेयक लाने का प्रस्ताव काउंसिल सदस्य बॉब केटल ने किया। इसे सिटी अटॉर्नी एन डेविसन ने पेश किया। यह विधेयक 8 से 1 के अंतर से पारित हुआ। काउंसिल सदस्य टैमी मोरालेस ने इसके खिलाफ मतदान किया। दूसरा विधयेक उत्तरी सिएटल में ऑरोरा एवेन्यू से संबंधित है। यह जगह वेश्यावृत्ति और आवारागर्दी के लिए बदनाम है। इसमें कहा गया है कि सेक्स वर्कर को यहां से दूसरी जगह शिफ्ट किया जाएगा। काउंसिल सदस्य कैथी मूर का यह विधेयक भी 8 से 1 के अंतर से पारित हुआ। काउंसिल सदस्य टैमी मोरालेस ने इस विधेयक के खिलाफ भी मतदान किया।

एक साल पहले हादसे का शिकार पनडुब्बी की पहली तस्वीर आई सामने

3775 मीटर की गहराई पर तलहटी में दिखी पनडुब्बी की पिछली टेल कोन

वॉशिंगटन।
टाइटन पनडुब्बी हादसे के एक साल बीत जाने के बाद समुद्र तल से पनडुब्बी की पहली बार तस्वीर सामने आई है। जून 2023 में टाइटैनिक का मलबा देखने के समय टाइटन पनडुब्बी समुद्र में पानी के नीचे हादसे का शिकार हो गई थी। एक विस्फोट में पनडुब्बी में सवार सभी लोगों की मौत हो गई थी।

ताजा तस्वीर में पनडुब्बी की पिछली टेल कोन 3775 मीटर की गहराई पर तलहटी में बाहर की तरफ निकली दिखाई दे रही है। यह तस्वीर पिछले साल हादसे के बाद पनडुब्बी की खोज के दौरान रिमोट से चालने वाले वाहन से ली गई।

पनडुब्बी टाइटन पिछले साल 18 जून को कनाडा के न्यूफाउंडलैंड के तट पर उत्तरी अटलांटिक महासागर में टाइटैनिक को देखने के अभियान पर रवाना हुई थी।

इसमें कंपनी ओशनगेट के सीईओ स्टॉकटन रश, फ्रांसीसी खोजकर्ता पॉल हेनरी नारेगेओलेट, ब्रिटिश व्यवसायी हैमिश हार्डिंग, पाकिस्तानी-ब्रिटिश बिजनेसमैन शहजाद दाउद औन उनके बेटे सुलेमान सवार थे। पानी में उतरने के करीब दो घंटे बाद ही जहाज पोलर प्रिंस से संपर्क टूट गया। समय पर वापस नहीं आने के बाद अधिकारियों को सतर्क किया और पनडुब्बी को खोजने के लिए अभियान शुरू किया गया।

हादसे को लेकर यूएस कोस्ट गार्ड ने दो सप्ताह की लंबी सुनवाई की है। इसमें यह पता लगाया जा रहा है कि उस दिन क्या गलत हुआ और टाइटन का निर्माण करते समय ऑपरेटर ओशनगेट ने क्या प्रक्रिया अपनाई? सुनवाई में जहाज और पनडुब्बी के बीच हुए संपर्क के बारे में जानकारी दी गई। डेढ़ घंटे बाद जब टाइटन ने 3341 मीटर की गहराई पर था, तब वह जहाज को संदेश भेजने में सक्षम था। इसके छह सेकंड बाद 3346 मीटर की गहराई पर टाइनट को आखिरी बार पिंग किया। इस दौरान टाइटन और मदरशिप के बीच कोई संवाद नहीं हुआ, जिससे पनडुब्बी पर किसी परेशानी या आपातकाल का संकेत मिलता हो।

अमेरिकी अधिकारियों ने बताया था कि समुद्र के अंदर दबाव के चलते पनडुब्बी में एक विस्फोट हुआ जिसमें पनडुब्बी में सवार सभी लोगों की मौत हो गई। तीन घंटे तक खोज करने के बाद आखिरकार अमेरिकी कोस्ट गार्ड को बुलाया गया। चार दिनों तक चले अभियान में एक रिमोट से चलने वाले वाहन ने टाइटैनिक से करीब 500 मीटर दूर टाइटन के कुछ हिस्सों वाले मलबे के क्षेत्र की खोज की।

पहले शेख हसीना को भगाया अब मोहम्मद यूनुस के पीछे पड़े बीएनपी के कार्यकर्ता

ढाका।
बांग्लादेश के लोग क्या चाहते हैं ये उन्हे खुद नहीं मालूम। पहले शेख हसीना के खिलाफ मोर्चा खोला और उन्हे देश से ही बाहर कर दिया। अब अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के पीछे बीएनपी के लोग पड़े हैं। यूनुस के नेतृत्व में बनाई गई अंतरिम सरकार के खिलाफ जनाक्रोश बढ़ता जा रहा है।

मंगलवार को हजारों लोग ढाका की सड़कों पर उतर आए, जिनमें मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकर्ता और नेता भी शामिल थे। ये प्रदर्शनकारी जल्द चुनाव करवाकर लोकतांत्रिक ढंग से नई सरकार बनाने की मांग कर रहे थे।

मोहम्मद यूनुस को शेख हसीना के इस्तीफे के बाद देश की बागडोर सौंपी गई थी। उनका नेतृत्व अस्थायी सरकार का था, जिसका उद्देश्य देश में सुधार और स्थायित्व लाना था। हालांकि, यूनुस की सरकार ने अभी तक चुनाव की कोई स्पष्ट

समयसीमा जारी नहीं की है, जिससे जनता में नाराजगी बढ़ रही है। यूनुस ने हाल ही में कहा था कि वह तब तक सत्ता में रहेंगे, जब तक लोग ऐसा चाहेंगे, लेकिन चुनाव की तारीख को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया। बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष तारीक रहमान ने कहा कि उनकी पार्टी ने शुरू में यूनुस सरकार द्वारा प्रस्तावित सुधारों का समर्थन किया था, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सुधार तभी सार्थक होंगे जब लोगों को अपनी बात कहने का मौका मिलेगा। रहमान ने कहा, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव ही देश में राजनीतिक सशक्तिकरण सुनिश्चित कर सकते हैं।

हालांकि, यूनुस की अंतरिम सरकार ने निर्वाचन आयोग और अन्य संस्थानों में सुधार की कई योजनाएं पेश की हैं, लेकिन चुनाव की तारीख घोषित न करने से विपक्ष और जनता में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। बांग्लादेश की जनता और राजनीतिक दल अब जल्द से जल्द चुनाव की मांग कर रहे हैं, ताकि लोकतांत्रिक सरकार का गठन हो सके। यूनुस की अंतरिम सरकार को अभी 100 दिन भी नहीं हुए हैं, लेकिन चुनाव न कराने को लेकर लोगों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। बीएनपी के कार्यकर्ता और नेता ढाका में पार्टी मुख्यालय के बाहर इकट्ठा हुए और चुनाव कराने की मांग करते हुए नारे लगाए। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बीएनपी ने शुरू में तीन महीने के भीतर चुनाव कराने की मांग की थी, लेकिन बाद में सुधार लागू करने के लिए अंतरिम सरकार को समय देने की बात कही थी। अब बीएनपी का रुख बदलता नजर आ रहा है, और पार्टी जल्द चुनाव चाहती है।

कुम्भ मेला के लिए रेलवे लगायेगा 64 अतिरिक्त एटीवीएम

प्रयागराज, (हि.स.)। प्रयागराज मंडल ने आगामी महाकुम्भ मेला की तैयारियों के क्रम में आसान अनारक्षित टिकट वितरण के लिए प्रयागराज जंक्शन, नैनी, प्रयागराज छिवकी स्टेशनों एवं संगम एरिया में अतिरिक्त 64 एटीवीएम लगाएगा। इनका संचालन मेला अवधि में 11 जनवरी से 28 फरवरी तक किया जाएगा। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने देते हुए बताया कि इन सभी अतिरिक्त 64 एटीवीएम का संचालन पूरे दिन किया जाएगा। इन सभी एटीवीएम पर 8-8 घंटे की शिफ्ट में कार्य करने के लिए 192 फेसिलिटेटर की नियुक्ति की जाएगी। फेसिलिटेटर का कार्य करने के लिए रेलवे के सेवानिवृत कर्मचारियों एवं सामान्य नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। एटीवीएम पर फेसिलिटेटर कार्य करने के इच्छुक व्यक्ति आवेदन फार्म किसी भी कार्य दिवस (सोमवार से शुक्रवार) 09 बजे से 17 बजे तक मिजार्पुर, प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, फतेहपुर, कानपुर, इटावा, टूंडला, अलीगढ स्टेशन के बुकिंग कार्यालय से प्राप्त कर सकतें है। आवेदन फार्म का मूल्य 100 रु है। फार्म को भरकर बुकिंग कार्यालय में जमा करना होगा। आवेदन फार्म को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। आवेदन फार्म सहायक वाणिज्य प्रबंधक, वाणिज्य शाखा, द्वितीय तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, नवाब युसुफ रोड, प्रयागराज कार्यालय में 15 अक्टूबर को 13 बजे तक जमा किया जा सकता है।

भाजपा सरकार में देश-प्रदेश के माहौल में हुआ सुधारः आदित्यनाथ

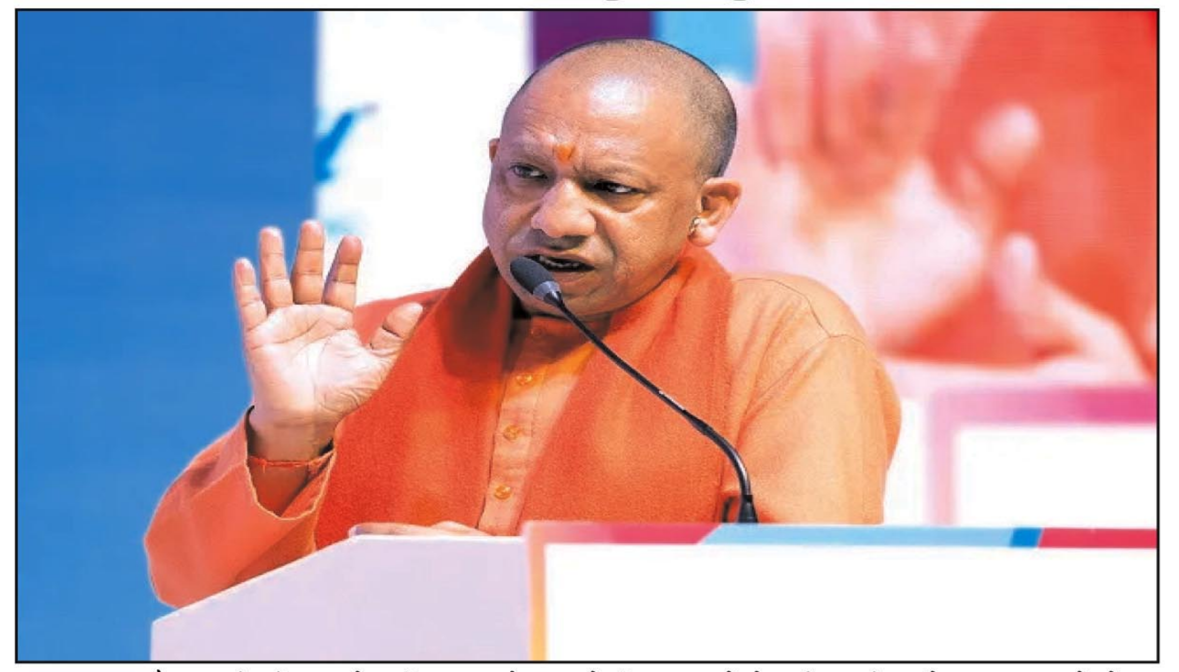

गाजियाबाद, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी ने आदित्यनाथ ने बुधवार को समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इन दोनों पार्टियों की सरकारों में अराजकता का माहौल था। खुली गुंडागर्दी थी। बहन बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। आपराधिक तत्व अपनी समानांतर सरकार चलाते थे और ये लोग अपराधिक तत्वों के सामने अपनी नाक रगड़ते थे लेकिन पिछले पिछले 10 वर्षों के दौरान भाजपा की सरकारों के कारण देश-प्रदेश के माहौल में सुधार हुआ है। आदित्यनाथ ने गाजियाबाद में रोजगार मेले के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि उत्तर प्रदेश का विकास उनकी सरकार में दिन-रात हो रहा है। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में देश लगातार आगे बढ़ रहा है। आज उत्तर प्रदेश पूरी तरह से अपराध मुक्त है। कोई भी आपराधिक तत्व बहन-बेटियों की तरफ आंख उठाकर नहीं देख सकता। यहां निवेश रोजगार और इन्फ्रास्ट्रक्चर में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इस कारण प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2017 से पहले गाजियाबाद में गंदगी के अंबार लगे होते थे। धार्मिक स्थल दूधेश्वर नाथ मंदिर के आसपास स्थिति बहुत खराब थी लेकिन उनकी सरकार बनने के बाद सुविधाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। आज अगर देखा जाए तो गाजियाबाद में रैपिड रेल, मेट्रो, एयरपोर्ट नेशनल हाईवे जैसी सुविधाएं उपलब्ध हो गई हैं। गाजियाबाद एक स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित हो रहा है। यही कारण है कि निवेश रोजगार इंफ्रास्ट्रक्चर लगातार बढ़ रहा है। इतना ही नहीं आस्था के मद्देनजर पूर्वांचल व उत्तरांचल भवन भी उनकी सरकार ने उपलब्ध कराए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दो लड़के आज भी देश व प्रदेश की जनता को गुमराह करने का काम कर रहे हैं जबकि यह किसी से छुपा नहीं है कि सपा सरकार के कार्यकाल में कैराना से हिंदुओं का पलायन हुआ। बहन-बेटियों की सुरक्षा के लाले पड़े हुए थे। युवा को रोजगार नहीं था। किसान अपने वजूद के लिए लड़ रहे थे लेकिन अब युवाओं को रोजगार मिल रह रहा है। उत्तर प्रदेश में 6 लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने ऐलान किया कि बहुत जल्द मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना आने वाली है जिसमें बेरोजगार युवकों को पहले चरण में 5 लाख और दूसरे चरण में 10 लख रुपये ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा। साथ ही एनओसी की अनिवार्यता खत्म कर दी जाएगी। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस के जमाने में आतंकवाद चरम पर था। बेरोजगारी भी चरम पर थी और हर शख्स परेशान था लेकिन अब स्थितियां बदल गई हैं। देश और प्रदेश की सरकारों से जनता जनार्दन काफी खुश है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार युवाओं को उनके सपने पूरे करने के लिए अवसर प्रदान कर रही है।

मेरठ में 16 से 18 अक्टूबर तक लगेगा अखिल भारतीय किसान मेला व कृषि उद्योग प्रदर्शनी

मेरठ, (हि.स.)। सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय मेरठ में अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। यह मेला 16 से 18 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक प्रचार डॉ. पीके सिंह के अनुसार, इस बार मेले का विषय कृषि उद्यमिता-समृद्ध किसान है। इस मेले में देश के विभिन्न भागों विशेषकर उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड एवं दिल्ली राज्यों के किसान भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि कृषि उद्योग प्रदर्शनी में फल-फूल, शाकभाजी एवं परिरक्षित पदार्थ प्रदर्शनी प्रतियोगिता एवं अवलोकन, पशु प्रदर्शनी, प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह 18 अक्टूबर को होगा। उन्होंने बताया कि आगन्तुकों द्वारा कृषि उद्योग प्रदर्शनी का अवलोकन, कृषि शिक्षा सूचना केन्द्र के माध्यम से उत्तर प्रदेश के चारों कृषि विश्वविद्यालय में संचालित शिक्षण पाठयक्रम सम्बंधी जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही शोध केन्द्रों पर परीक्षण एवं प्रदर्शनी का अवलोकन, रबी फसलों (खाद्यान्न, दलहनी, तिलहनी, औषधीय सुगंधित एवं सब्जियों) के नवीनतम एवं उन्नतशील प्रजाजियों के पौधों, बीजों एवं मिनीकिट्स की उचित मूल्य पर बिक्री होगी। साथ ही आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन, कृषि समस्या समाधान हेतु विचार गोष्ठी, चौपाल एवं विशेषज्ञों के व्याख्यान, पंजीकृत आगुंतकों के लिए प्रसार साहित्य का निःशुल्क वितरण तथा ड्रोन का सजीव प्रदर्शन प्रतिदिन होगा। निदेशक के अनुसार, मेले के अवसर पर सार्वजनिक एवं निजी संस्थाओ द्वारा उत्तम बीज, गुणवत्तायुक्त उर्वरक एवं कृषि रसायन उचित मूल्य पर उपलब्ध कराये जाते हैं। सरकारी विभागों के स्टॉल की सुविधा निःशुल्क रहेगी। इस अवसर पर मेले में 100 से अधिक फर्म के स्टाल भाग ले रहे हैं। मेला अवधि में किसानों के ठहरने के लिए विश्वविद्यालय में नियमानुसार आवास व्यवस्था की गयी है। कृषि तकनीकी साहित्य पंजीकरण के उपरांत निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

बुलडोजर मामले में केंद्र सरकार को बनाना चाहिए एक-समान गाइडलाइन : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने ध्वस्तीकरण के लिए बुलडोजर के इस्तेमाल की बढ़ती प्रवृत्ति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने केन्द्र सरकार से कहा है कि आगे आकर उस पर पूरे देश के लिए एक-समान गाइडलाइन्स बनाना चाहिए। मायावती ने बुधवार को एक्स पर कहा है कि बुलडोजर विध्वंस कानून का राज का प्रतीक नहीं होने के बावजूद इसके प्रयोग की बढ़ती प्रवृति चिन्तनीय। वैसे बुलडोजर व अन्य किसी मामले में जब आम जनता उससे सहमत नहीं होती है तो फिर केन्द्र को आगे आकर उस पर पूरे देश के लिए एक-समान गाइडलाइन्स बनाना चाहिए, जो नहीं किए जा रहे हैं।

उन्होंने का कि बुलडोजर एक्शन के मामले में माननीय सुप्रीम कोर्ट को इसमें दखल देकर केन्द्र सरकार की ज़िम्मेवारी को खुद नहीं निभाना पड़ता, जो यह जरूरी था। केन्द्र व राज्य सरकारें संविधान व कानूनी राज के अमल होने पर जरूर ध्यान दें।

फलों, सब्जियों की उपज बढ़ाने को योगी सरकार की नायाब पहल

लखनऊ, (हि.स.)। फलों और सब्जियों की उपज बढ़ाने के लिए योगी सरकार ने एक और नायब पहल की है। इससे न केवल सब्जियों और फलों की उपज बढ़ेगी, बल्कि उनकी गुणवत्ता भी सुधरेगी। इसके लिए योगी सरकार गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) और गाजियाबाद को छोड़ बाकी 73 जिलों में हाईटेक नर्सरी (पौधशाला) बनाएगी। संबंधित जिले के कृषि जलवायु क्षेत्र (एग्रो क्लाइमेट जोन) के अनुसार फलों और सब्जियों की कौन सी प्रजातियां वहां के अनुकूल हैं, इस बात का पूरा ध्यान रखा जाएगा। जिले के कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) जिन विश्विद्यालयों से ये केवीके संबद्ध हैं और उद्यान विभाग मिलकर इसका निर्णय लेंगे। जानकारी के अनुसार ये पौधशालाएं मनरेगा की मदद से बनेंगी। अब तक ऐसी 36 पौधशालाएं तैयार हो चुकीं हैं। शीघ्र ही 16 और पर काम चलेगा। इन हाईटेक पौधशालाओं में पौधे को नियंत्रित तापमान और नमी में तैयार किया जाता है। लिहाजा ये पौधे निरोग होते हैं। ऐसे में इनके रोपण से उपलब्ध सब्जियों और फलों की उपज तो अधिक होती ही है। गुणवत्ता में भी ये बेहतर होती हैं। लिहाजा इनके दाम भी वाजिब मिलते हैं। उत्पाद का सही दाम मिलने से किसानों और बागवानों की आय बढ़ेगी। किसानों और बागवानों के हित में योगी और मोदी सरकार की जो भी योजनाएं चल रहीं हैं, उनका अंतिम लक्ष्य भी यही है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था मुख्यतः कृषि पर ही आधारित है। कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में फलों और सब्जियों का महत्वपूर्ण स्थान है। वैज्ञानिक स्तर पर यह साबित हो चुका है कि फल और सब्जियां प्रति हेक्टेयर पर स्थानीय स्तर पर अधिक रोजगार के मौके उपलब्ध कराती हैं। प्रसंस्करण को जोड़ दिया जाय तो यह संख्या और अधिक हो जाती है। चूंकि इनमे विटामिंस और फाइबर प्रचुर मात्रा में मिलते हैं। इसलिए पोषण सुरक्षा में भी इनका महत्त्वपूर्ण योगदान है। इन सबमें इन हाईटेक पौधशालाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी। नौ तरह के एग्रो क्लाइमेटिक जोन होने के कारण उत्तर प्रदेश में हर तरह के फलों और सब्जियों की खेती की संभावना है। प्रदेश की कुल भूमि का करीब 77 प्रतिशत खेती योग्य है। खेती योग्य भूमि का करीब 85 प्रतिशत सिंचित है। सबसे अधिक आबादी के रूप में श्रम शक्ति और बाजार भी उपलब्ध है। इस सबकी वजह से यहां फलों और सब्जियों की खेती की भरपूर संभावना है। योगी सरकार का कृषि उत्पादों के निर्यात पर भी खासा जोर है। एक्सप्रेस-वे का संजाल, जेवर, अयोध्या और कुशीनगर के इंटरनेशनल एयरपोर्ट और प्रयागराज से बाया वाराणसी पश्चिमी बंगाल के हल्दिया तक का देश का इकलौता जलमार्ग, इन संभावनाओं को और बढ़ा देता है। भविष्य में योगी सरकार की योजना इस जलमार्ग का विस्तार अयोध्या तक करने की है। सरकार जिस तरह दादरी, गोरखपुर सहित 13 जिलों में कार्गो हब बनाने की तैयारी कर रही है, उससे इनके निर्यात की संभावना और बढ़ जाएगी।

राष्ट्रपति के आगमन को लेकर शहर के ट्रैफिक व्यवस्था में 19 और 20 को रहेगा बदलाव

रांची, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 19 और 20 सितंबर को रांची आगमन के मद्देनजर रांची शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। इस संबंध में ट्रैफिक एसपी ने बुधवार को रूट प्लान जारी किया है। जारी रूट प्लान के अनुसार 19 सितंबर को रांची में संध्या 05:00 बजे से रात्रि 08:30 बजे तक सभी बड़ी, छोटी मालवाहक वाहनों, बसों, सवारी वाहनों का प्रवेश परिचालन वर्जित रहेगा। आकस्मिक सेवा के वाहनों को छोड़कर। इसी प्रकार 19 सितंबर को को रातू की काठीटांड की ओर जाने वाली सभी वाहन शहर से कांके की ओर से रिंग रोड होते हुए गंतव्य स्थान तक जा सकते है । साथ ही 19 सितंबर को एचईसी गेट से लेकर अरगोड़ा चौक, सहजानन्द चौक, किशोरगंज चौक, न्यू मार्केट चौक, हॉटलिप्स चौक तक के मार्ग उपयोग समय संध्या 05:00 बजे से 08:30 बजे तक कम से कम करें। आवश्यकतानुसार अन्य मार्गों को अल्प समय के लिए डाइवर्ट और बंद किया जा सकता है।

रांची शहर में 20 सितंबर को

यातायात व्यवस्था रहेगी ऐसी -

-20 सितंबर को रांची शहर में सुबह 08:00 बजे से 12:30 बजे तक सभी बड़ी, छोटी मालवाहक वाहनों, बसों, सवारी वाहनों का प्रवेश, परिचालन वर्जित रहेगा। आकस्मिक सेवा के वाहनों को छोड़कर।

-20 सितंबर को दिन में समय 09:00 बजे से 12:00 बजे तक अरगोड़ा चौक से कडरू पुल एवं कडरू पुल से मेकॉन चौक तक सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। आकस्मिक सेवा के वाहनों को छोड़कर।

-20 सितंबर को दुर्गा सोरेन चौक से लेकर रामपुर चौक रिंग रोड तक बड़ी वाहनों, बसों, सवारी वाहनों का प्रवेश और परिचालन वर्जित रहेगा। कार्यक्रम में भाग लेने वाले वाहनों एवं आकस्मिक वाहनों को छोड़कर।

-20 सितंबर को समय 10:00 बजे से 03:00 बजे तक नामकुम चौक, सदाबहार चौक, घाघरा रोड होते हुए जैप-01 कमाण्डेन्ट आवास चौक तक सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश और परिचालन वर्जित रहेगा। आकस्मिक सेवा के वाहनों को छोड़कर।

-20 सितंबर को को जमशेदपुर, बुण्डू की ओर से आने वाली सभी प्रकार के वाहन रिंग रोड से दाहिने लेकर टाटीसिल्वे होते हुए शहर में प्रवेश करेंगे। आकस्मिक सेवा के वाहनों को छोड़कर।

-20 सितंबर को रांची शहर से जमशेदपुर की ओर जाने वाली सभी प्रकार के वाहन दुर्गा सोरेन चौक से दाहिने लेकर टाटीसिल्वे होते हुए रिंग रोड के रास्ते अपने गंतव्य तक जाऐगी। आकस्मिक सेवा के वाहनों को छोड़कर।

-20 सितंबर को खरसीदाग ओपी एवं सदाबहार चौक के बीच बड़ी वाहनों , बसों एवं सवारी वाहनों का प्रवेश और परिचालन वर्जित रहेगा।

-आवश्यकतानुसार अन्य मार्गों को अल्प समय के लिए डाइवर्ट और बंद किया जा सकता है।

गृह मंत्री शाह 20 को झारखंड के साहिबगंज से भाजपा की परिवर्तन यात्रा की करेंगे शुरूआत

रांची, (हि.स.)। झारखंड में कभी भी विधानसभा चुनाव का ऐलान हो सकता है। इसके मद्देनजर भाजपा के वरिष्ठ नेता और गृह मंत्री अमित शाह 20 सितंबर को साहिबगंज के भोगनाडीह से परिवर्तन यात्रा की शुरूआत करेंगे, जो कि तीन अक्टूबर तक चलेगा। यह यात्रा पूरे प्रदेश में 200 से अधिक प्रखंडों से गुजरती हुई लगभग 5,400 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। राज्य के सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों से होकर यह यात्रा गुजरेगी। कार्यक्रम में पार्टी के कई राष्ट्रीय स्तर के नेता भी शामिल होंगे। परिवर्तन यात्रा में केंद्रीय सड़क-परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, योगी आदित्यनाथ, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, ओडिश के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी समेत कई नेता शामिल होने वाले हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी जहां 22 सितंबर को झारखंड आने वाले हैं, वहीं स्मृति ईरानी 23 सितंबर को, 28 सितंबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और उसी दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी आने वाले हैं। योगी आदित्यनाथ का जहां 21, 22, 24, 26 और 30 सितंबर को दौरा है, वहीं 24 सितंबर को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव का खूंटी और विष्णुदेव साय की सिमडेगा में सभा है।

रांची में भारी बारिश के कारण एनएच-75 पर बना पुल बहा

रांची, (हि.स.)। राजधानी रांची में भारी बारिश के कारण एनएच-75 पर मांडर में बना डायवर्सन बह गया। लगातार तीन दिनों की बारिश से मुरगू नदी का पानी सड़क पर बहने लगा। इसके कारण डायवर्सन को भी काफी नुकसान हुआ। लगातार तीन दिनों की बारिश से मुरगू नदी का पानी सड़क के उपर से बहने लगा जिस वजह से डायवर्सन को भी काफी नुकसान हुआ है। डायवर्सन के बहने की वजह से एनएच-75 में आवागमन फिर से ठप हो गया है। बुधवार सुबह से ही इसे फिर से बनाने की कार्रवाई तेज की गयी है। एनएचएआई के परियोजना निदेशक एकता कुमारी ने बताया कि कई दिनों की लगातार पानी का दवाब डायवर्सन झेल नहीं पाया कई जगह यह क्षतिग्रस्त हुआ है, जिसे अब बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शाम तक इसे दुरूस्त करा लिया जायेगा। साथ ही बताया कि नदी का पानी के अलावा चेकडैम का भी पानी यहां पर छोड़ दिया जाता है, जिस वजह से काफी दवाब होने की वजह से डायवर्सन को नुकसान हुआ। विगत माह भी बारिश की वजह से वहां का डायवर्सन बह गया था। एनएचएआई के अधिकारियों ने तीन दिनों में इसे बनाया था। इस वजह से प्रशासन ने रूट भी डाईवर्ट किया हुआ था। एनएच-75 में मुरगू के पास बने डायवर्सन के बह जाने की वजह से एनएच-75 में आवागमन प्रभावित हो गया है। प्रशासन व एनएचएआई इसे बनवाने का काम कर रहा है। ऐसे में रातू के काठीटांड चौक पर ही बैरकेडिंग लगा दिया गया है, जिन्हें मांडर-ब्रांबे से आगे जाना है उन्हें कांठीटांड चौक से ही बायें वाहन घुमाकर सिमलिया होते हुए बांब्रे की ओर जाना होगा। इस रूट से भारी वाहनों का भी आवागमन कराया जा रहा है। इसी तरह से कुडू-बिजुपाड़ा से आने वाले वाहन भी इसी रास्ते का उपयोग कर रहे हैं। एनएचएआई ने मुरगू में पुल बनाने का प्रस्ताव तैयार कराया है। भारत सरकार के सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को इसका प्रस्ताव भेजा है। इसकी समीक्षा की जा रही है। वहां से स्वीकृति मिलते ही इसे बनाया जायेगा।

आइसीएआर के पीजी प्रवेश परीक्षा में पीडीडीयू उधानिकी कॉलेज के छात्रो का रहा बेहतर प्रदर्शन

-अखिल भारतीय स्तर पर श्रेया श्री को मिला तीसरा रैंक

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। आईसीएआर पीजी प्रवेश परीक्षा 2024 में पीपरा कोठी स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय उधानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के छात्र-छात्राओ ने बेहतर प्रदर्शन किया है। जिसमें श्रेया श्री ने तीसरा रैंक हासिल किया है। भारतीय कृषि अनुशंधान परिषद द्वारा आयोजित इस संस्थान के बच्चो में टॉप टेन पर नजर डाले तो राष्ट्रीय स्तर पर श्रेया श्री को तीसरा रैंक, पर्णा चटर्जी को 9 वां, प्रतीक कुमार सिन्हा को तेरहवा, गौरव साहा को 16वां, सलीना पंडा को 47वां, राज अंकश 119वां, निशा कुमारी को 167वां, रवि भूषण 176वां, श्रद्धा सुमन को 190वां एवं केशव कंशुरिया को 268वां रैंक आया है। इस संबंध में महाविद्यालय के डीन डॉ.रमेश कुमार झा ने बताया कि इस प्रतिष्ठित परीक्षा में महाविद्यालय के टॉप टेन सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त कर अपना परचम लहराया है। इस परीक्षा में सफल बच्चे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधीन अनेकों संस्थानों में स्नात्तकोत्तर की पढ़ाई करेंगे जो उनके जीवन के लिए महत्वपूर्ण कदम होगा। डीन डॉ झा ने इस सफलता पर सफल बच्चो के मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी है। उन्होंने श्रेया श्री के सफलता पर कहा है कि इसने अखिल भारतीय स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय के नाम रौशन किया है। श्रेया श्री की सफलता पर महाविधालय के साथ केविके पीपरा कोठी सभी वैज्ञानिक व शोधकर्त्ताओ ने बधाई दी है।

पूर्वी चंपारण समेत आठ जिलो में शुरू हुआ सब्जी की ऑनलाइन बिक्री

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। जिले में सहकारिता संघ ने सब्जी की ऑनलाइन बिक्री शुरू कर दी हैं।अब घर बैठे आपको ताजी सब्जियां मिलेंगी। इसके लिए उपभोक्ता को तरकारी मार्ट (Tarkaarimart) एप से ऑर्डर करना होगा। सहकारिता संघ ने दावा किया है कि तरकारी मार्ट के द्वारा सब्जी मंडी से सस्ते दाम पर कैरी बैग में पैक कर सब्जियां दी जाएंगी। वही 250 रुपये तक की सब्जी की खरीद पर फ्री डिलीवरी की भी सुविधा दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि यह सुविधा सहकारिता विभाग ने बिहार राज्य सब्जी संस्करण एवं विपणन योजना के तहत प्राथमिक सब्जी उत्पादक समिति के तहत गठित तिरहुत सब्जी संघ द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। फिलहाल संघ का कार्यक्षेत्र बिहार के आठ जिलों पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मुजफरपुर, गोपालगंज, छपरा और सीवान रखा गया है। जहां के 16930 सब्जी उत्पादक किसानो ने संघ की सदस्यता ली हैं। तिरहुत सब्जी संघ इन किसानों को सब्जी की बेहतर खेती का प्रशिक्षण भी देगी, जिसके तहत इस साल तीन हजार किसानों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (नालंदा) के द्वारा प्रशिक्षित किया जायेगा, जिसमे हरी सब्जी के साथ आलू और टमाटर की आधुनिक खेती का प्रशिक्षण दिया जायेगा। तिरहूत सब्जी संघ के चेयरमैन अमित शुक्ला ने बताया कि इस मुहिम से उत्पादको का सब्जी बर्बाद होने से बचेगा।साथ ही, उनका उत्पाद बिना मंडी का चक्कर न लगाये आसानी से उपभोक्ताओ तक पहुंचेगा। आमतौर ऐसा देखा जाता है, कि ससमय बिक्री नही होने पर कुछ ऐसी सब्जियां है, जिसे खराब होने पर किसान फेक देते है। ऐसी सब्जियो को तिरहुत सब्जी संघ किसानों से खरीद कर प्रोसेसिंग प्लांट में भेजा जायेगा।

जेएसएफ का दो दिवसीय उत्तर बिहार प्रदेश कार्य समिति की बैठक 28 सितंबर से बेगूसराय में

अररिया (हि.स.)। जनसंख्या समाधान फाउंडेशन का दो दिवसीय उत्तर बिहार प्रदेश कार्य समिति की बैठक आगामी 28 एवं 29 सितम्बर को बेगूसराय के एपीएसएम कॉलेज बरौनी में होगी। फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने एक निजी विद्यालय में राष्ट्रीय सचिव विमल यादव की उपस्थिति में आयोजित जिला कार्यकर्ता बैठक को संबोधित करते हुए कही। प्रदेश अध्यक्ष श्री कुमार ने कहा कि इस दो दिवसीय प्रांतीय बैठक में आगामी 18 अक्टूबर से 22 अक्टूबर के बीच सीमावर्ती जिलों में निकलने वाली हिंदू स्वाभिमान यात्रा की तैयारी की समीक्षा के साथ बिहार सहित संपूर्ण देश मे जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने को लेकर जेएसएफ द्वारा चलाए जाने वाले जनप्रतिनिधि संवाद कार्यक्रम, सहित वर्तमान संगठनात्मक स्थिति की समीक्षा की जाएगी। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सचिव विमल यादव ने कहा कि प्रदेश कार्य समिति बैठक में कार्यकताओं का मार्गदर्शन करने हेतु जेएसएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चौधरी ,राष्ट्रीय संयोजक ममता सहगल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री कृष्ण मुरारी के साथ साथ राष्ट्रीय संरक्षक आरएसएस के अखिल भारतीय कार्यकारणी सदस्य इंद्रेश कुमार, राष्ट्रीय मार्गदर्शक केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह सहित जाने माने सामाजिक कार्यकर्ता शिरकत करेंगे। मौके पर बैठक में प्रदेश महासचिव सुबोध मोहन ठाकुर, प्रदेश महासचिव महिला विंग शिवानी सिंह, प्रदेश सचिव सत्यवान मालाकार, प्रदेश सह संयोजक विभाष झा, प्रदेश कोषाध्यक्ष वीरेंद्र मेहता जिला अध्यक्ष उमेश राणा जिला संयोजक संदीप कुमार सहित अनेकों कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद थे।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 का गुरुवार से नई दिल्ली में शुरू होगा चार दिवसीय मेगा इवेंट

नई दिल्ली।

देश की राजधानी नई दिल्ली में चार दिवसीय मेगा फ़ूड इवेंट वर्ल्ड फ़ूड इंडिया 2024 गुरुवार से शुरू होने जा रहा है। इस मेगा इवेंट का आयोजन 19 से 22 सितंबर, 2024 तक भारत मंडपम में किया जा रहा है। इस आयोजन में नीति निर्माताओं, नियामकों, वैश्विक निवेशकों, व्यवसाय नेताओं, और खाद्य कंपनियों के प्रमुख अधिकारी शामिल होंगे।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे तथा भारत में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के विकास के लिए सरकार की पहलों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालेंगे। कार्यक्रम के पहले दिन एक उच्च स्तरीय मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) का गोलमेज सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा, जिसकी सह-अध्यक्षता केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और चिराग पासवान करेंगे। रवनीत सिंह बिट्टू भी सीईओ गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

मंत्रालय के मुताबिक इस कार्यक्रम में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी, केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय एवं रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू भी उपस्थित रहेंगे। मंत्रालय के मुताबिक चिराग पासवान और रवनीत सिंह बिट्टू उद्योग जगत के नेताओं के साथ आमने-सामने चर्चा करेंगे तथा विदेशी देशों के मंत्रियों और प्रतिनिधिमंडलों के साथ द्विपक्षीय जी2जी बैठकें करेंगे।

बयान के मुताबिक खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत मंडपम में वर्ल्ड फ़ूड इंडिया 2024 की मेजबानी करने जा रहा है, जो 70 हजार वर्ग मीटर के विशाल क्षेत्र को कवर करेगा। मंत्रालय ने कहा कि 19-22 सितंबर, 2024 तक होने वाले इस बहुप्रतीक्षित वैश्विक आयोजन में 90 से अधिक देश, 26 भारतीय राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश और 18 केंद्रीय मंत्रालय तथा और संबद्ध सरकारी निकाय भाग लेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

अमेजन ने समीर कुमार को भारत का 'कंट्री मैनेजर' किया नियुक्त

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अमेजन ने समीर कुमार को भारत का 'कंट्री मैनेजर' नियुक्त करने का ऐलान किया है। कुमार मौजूदा 'कंट्री मैनेजर' मनीष तिवारी की जगह लेंगे। वे एक अक्टूबर से भारत की परिचालन संबंधी जिम्मेदारियां संभालेंगे। कंपनी ने बुधवार को शीर्ष नेतृत्व में बदलाव की जानकारी देते हुए कहा है कि समीर कुमार को भारत का 'कंट्री मैनेजर' नियुक्त किया गया है। अमेजन ने कहा कि भारत के मौजूदा 'कंट्री मैनेजर' मनीष तिवारी के इस्तीफे के बाद कंपनी ने यह फैसला लिया है। कुमार इस बदलाव पर मनीष तिवारी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। अमेजन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने एक आंतरिक ई-मेल में कहा कि 25 साल का अनुभव रखने वाले समीर कुमार अब कंपनी के भारत उपभोक्ता व्यवसाय की देख-रेख करेंगे, क्योंकि अमेजन इंडिया के वर्तमान 'कंट्री मैनेजर' मनीष तिवारी ने अमेजन के बाहर अवसर तलाशने का फैसला किया है। वे एक अक्टूबर से भारत की परिचालन संबंधी अपनी जिम्मेदारियों को संभालेंगे। कुमार 1999 में अमेजन में शामिल हुए थे।

श्राद्ध की शुरुआत होते ही सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में भी आई गिरावट

नई दिल्ली। श्राद्ध की शुरुआत होते ही घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 75,030 रुपये से लेकर 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 68,790 रुपये से लेकर 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी गिरावट दर्ज की गई है। कीमत गिरने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 91,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 75,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 68,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 74,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 68,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

सरकार ने खाद्य तेल कंपनियों का खेल बिगाड़ा कहा- आयात शुल्क बढ़ा है पर आप दाम न बढ़ाएं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क बढ़ाया है। इसके बाद कंपनियों की प्लानिंग थी कि आयात शुल्क बढ़ने की आड़ में खाद्य तेलों के खुदरा दाम बढ़ा देंगे। इस आशंका के चलते ये सब होता इससे पहले ही सरकार ने कंपनियों के पूरे प्लान को चौपट कर दिया। सरकार ने कहा कि आयात शुल्क बढ़ाया गया है लेकिन इसका मतलब ये नहीं है के कंपनिया खुदरा दाम बढ़ाएं। क्योंकि कंपनियों के पास कम शुल्क पर आयातित तेल आसानी से 45-50 दिनों तक का स्टॉक पहले से ही रखा हुआ है। बता दें कि पिछले सप्ताह, केंद्र ने घरेलू तिलहन कीमतों का समर्थन करने के लिए विभिन्न खाद्य तेलों पर मूल सीमा शुल्क में वृद्धि की थी। इस महीने की 14 तारीख से प्रभावी, कच्चे सोयाबीन तेल, कच्चे पाम तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर मूल्य सीमा शुल्क को शून्य से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे कच्चे तेलों पर प्रभावी शुल्क 27.5 प्रतिशत हो गया है। इसके अतिरिक्त, रिफाइंड पाम तेल, रिफाइंड सूरजमुखी तेल और रिफाइंड सोयाबीन तेल पर मूल सीमा शुल्क 12.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 32.5 प्रतिशत कर दिया गया है ।

ऑल टाइम हाई का रिकॉर्ड बनाने के बाद गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली।

अमेरिका में ब्याज दरों को लेकर अमेरिकी फेडरल रिजर्व का फैसला आने के पहले बुधवार को घरेलू शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। दिन के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने पहले तो मजबूती दिखाते हुए ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाया, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बनने की वजह से दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

कारोबार के दौरान फाइनेंशियल सर्विसेज और बैंकिंग सेक्टर को छोड़ कर सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। बैंक निफ्टी 1.08 प्रतिशत की मजबूती हासिल करने में सफल रहा। आईटी, ऑयल एंड गैस, फार्मास्यूटिकल्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसके अलावा मेटल, एनर्जी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के शेयरों पर भी लगातार दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.71 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 3 लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद घट कर 467.37 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 470.29 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 2.92 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,070 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,526 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,442 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 102 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,480 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 755 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,725 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर बढ़त के साथ और 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 42.53 अंक की कमजोरी के साथ 83,037.13 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत में मामूली उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 1 बजे के करीब ये सूचकांक 246.72 अंक की बढ़त के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 83,326.38 अंक तक पहुंच गया। ऑल टाइम हाई का रिकॉर्ड बनाने के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से ये सूचकांक अगले 1 घंटे में ही ऊपरी स्तर से 600 अंक से अधिक टूट कर 379.03 अंक की कमजोरी के साथ 82,700.63 अंक तक गिर गया। हालांकि, इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर मोर्चा संभाल लिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 250 अंक की रिकवरी करके 131.43 अंक की कमजोरी के साथ 82,948.23 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 16.15 अंक की गिरावट के साथ 25,402.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 1 बजे के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 63.65 अंक की मजबूती के साथ ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 25,482.20 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, निफ्टी अपनी मजबूती अधिक देर तक कायम नहीं रख सका। बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से ये सूचकांक सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में 133 अंक की कमजोरी के साथ 25,285.55 अंक तक लुढ़क गया। इसके बाद लिवालों ने एक बार फिर खरीदारी शुरू कर दी, जिसके कारण निफ्टी निचले स्तर से करीब 90 अंक की रिकवरी करके 41 अंक की गिरावट के साथ 25,377.55 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से श्रीराम फाइनेंस 4.38 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 3.61 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 2.14 प्रतिशत, नेस्ले 1.97 प्रतिशत और आईसीआईसीआई बैंक 1.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टीसीएस 3.54 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजी 3.16 प्रतिशत, इंफोसिस 3.09 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 2.79 प्रतिशत और विप्रो 2.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

रिकॉर्ड डेट के बाद दो दिन में ही मिलेगा बोनस शेयर सेबी ने जारी किया सर्कुलर

नई दिल्ली।

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने एक सर्कुलर जारी करके सभी लिस्टेड कंपनियों को रिकॉर्ड डेट के बाद अधिकतम दो कारोबारी दिन में ही बोनस शेयर जारी करने का निर्देश दिया है। अभी तक की व्यवस्था में बोनस शेयर रिकॉर्ड से करीब दो हफ्ते के बाद ही जारी हो पाते हैं। सर्कुलर में स्पष्ट किया गया है कि अगर समय सीमा का पालन नहीं किया गया तो दोषी कंपनियों को अर्थदंड (जुर्माना) का सामना करना पड़ेगा। सेबी के सर्कुलर के मुताबिक ये निर्देश 1 अक्टूबर से प्रभावी हो जाएगा।

बोनस शेयर और डिविडेंड जारी करने के लिए कंपनियां रिकॉर्ड डेट तय करती हैं। रिकॉर्ड डेट वो तारीख होती है, जिस दिन को कंपनी अपने शेयर होल्डर्स के लिए बोनस या डिविडेंड की योग्यता तय करती हैं। यानी रिकॉर्ड डेट के दिन शेयर होल्डर के पास कंपनी के शेयर उपलब्ध होने चाहिए। उस तारीख के पहले यदि शेयर होल्डर अपने शेयर बेच देता है, या उस तारीख के बाद कंपनी के शेयर की खरीदारी करता है, तो उसे बोनस या डिविडेंड के लिए पात्र नहीं माना जाता है।

सेबी ने अपने सर्कुलर में बोनस शेयर के लिए ञ+2 ट्रेडिंग डे का प्रावधान किया है। यहां ञ का तात्पर्य रिकॉर्ड डेट से है। इस सर्कुलर में बोनस शेयर जारी करने की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया है कि अगर समय सीमा के पालन में किसी भी तरह की देरी हुई तो कंपनियों को अर्थदंड का सामना करना पड़ेगा। ये अर्थ दंड सेबी द्वारा 19 अगस्त 2019 को जारी सेबी के सर्कुलर के उसे प्रावधान के तहत लगाया जाएगा, जिसमें सेबी के इश्यू ऑफ कैपिटल एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स (आईसीडीआर) रेगुलेशंस के प्रावधानों का पालन नहीं करने पर अर्थदंड लगाने की बात कही गई है। सर्कुलर में बोनस शेयर जारी करने के लिए अपनायी जाने वाली प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया गया है कि बोनस जारी करने वाली कंपनी सेबी के लिस्टिंग ऑब्लिगेशंस एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स (एलओडीआर) रेगुलेशंस 2015 के प्रावधानों के मुताबिक इश्यू की मंजूरी के लिए स्टॉक एक्सचेंज में अप्लाई करेगी। ये प्रक्रिया बोर्ड की बैठक में बोनस इश्यू को मंजूरी मिलने के 5 कारोबारी दिन में पूरी हो जानी चाहिए। इसके बाद बोनस इश्यू जारी करने वाली कंपनी प्रस्तावित इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट तय करके इस संबंध में स्टॉक एक्सचेंज को सूचित करेगी। इसके साथ ही रिकॉर्ड डेट के अगले कामकाजी दिन ही शेयर के अलॉटमेंट के बारे में भी जानकारी देनी होगी। बोनस जारी करने वाली कंपनी से रिकॉर्ड डेट की आधिकारिक जानकारी मिलने के बाद स्टॉक एक्सचेंज रिकॉर्ड डेट और बोनस शेयरों की संख्या को लेकर नोटिफिकेशन जारी करेगा। इस नोटिफिकेशन में बोनस शेयरों के अलॉटमेंट की तारीख भी मौजूद रहेगी।

बैंकों से लोन मिलने की रफ्तार धीमी बॉन्ड से पैसे जुटा रहीं कंपनियां

नई दिल्ली।

आईसीआईसीआई होम फाइनैंस का बॉन्ड गुरुवार को बंद होगा। इनक्रेड फाइनैंशियल सर्विसेज ने भी 215 करोड़ रुपये जुटाए हैं। प्राइम डेटाबेस के आंकड़ों के अनुसार 1 अगस्त से अभी तक एनबीएफसी कॉर्पोरेट बॉन्ड से 73,820 करोड़ रुपये जुटा चुकी हैं। जबकि ऐप्टस वैल्यू हाउसिंग फाइनैंस ने 8.75 फीसदी ब्याज पर 5 साल की परिपक्वता वाले बॉन्ड के जरिये 300 करोड़ रुपये जुटाए हैं। आईसीआईसीआई होम फाइनैंस 5 साल वाले बॉन्ड से 7.94 फीसदी की दर पर 275 करोड़ रुपये और 3 साल के बॉन्ड के जरिये 7.95 फीसदी ब्याज पर 300 करोड़ रुपये जुटा रही हैं। इसकी वजह ये है कि इस साल त्योहारी सीजन के दौरान ऋण की बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) डेट पूंजी बाजार से पैसे जुटाने में लगी हैं। बैंकों से ऋण मिलने की रफ्तार धीमी होने से भी एनबीएफसी ऋण प्रतिभूति बाजार में उतर रही हैं। रॉकफोर्ट फिनकैप के संस्थापक

और मैनेजिंग पार्टनर वेंकटकृष्णन श्रीनिवासन ने कहा, 'भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जोखिम भार बढ़ाने के निर्णय के बाद से बैंकों ने ब्याज दरें बढ़ा दी हैं और ऋण देने में चुनिंदा रुख अपना रहे हैं। इससे एनबीएफसी को पूंजी के लिए वाणिज्यिक प्रतिभूतियों और बॉन्ड जैसे विकल्प तलाशने पड़ रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'दर में जल्द कटौती होने की उम्मीद से कंपनियां वाणिज्यिक प्रतिभूतियां जारी करने का विकल्प चुन रही हैं ।

सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स घटाकर शून्य किया, नई दरें लागू

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) को घटाकर शून्य कर दिया है। इसके अलावा पेट्रोल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को शून्य पर बरकरार रखा है। नई दरें बुधवार से प्रभावी हो गईं है।

सरकार की अधिसूचना के मुताबिक घरेल कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 1,850 रुपये प्रति टन से शून्य कर दिया गया है। इसके साथ ही पेट्रोल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाले विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को शून्य पर बरकरार रखा गया है। इससे पहले 31 अगस्त को घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 2,100 रुपये प्रति टन से घटाकर 1,850 रुपये प्रति टन किया गया था। उल्लेखनीय है कि दो हफ्ते में औसत तेल की कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े विंडफॉल टैक्स को अधिसूचित किया जाता है। देश में पहली बार एक जुलाई, 2022 को विंडफॉल टैक्स लगाया गया था।

यूएस फेड के फैसले के पहले सतर्क मुद्रा में ग्लोबल मार्केट, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली।

ब्याज दर को लेकर अमेरिकी फेडरल रिजर्व का फैसला आने के पहले ग्लोबल मार्केट सतर्क मुद्रा में है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान सपाट स्तर पर कारोबार करके मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी मामूली तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) ब्याज दरों को लेकर अपने फैसले का ऐलान करने वाला है। यूएस फेड के फैसले के पहले पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में सुस्ती का माहौल बना रहा, क्योंकि निवेशक वेट एंड वॉच की मुद्रा में कारोबार करते नजर आए।

डाउ जॉन्स 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 5,634.58 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डेक 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,628.06 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 41,619.08 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स पिछले सत्र के दौरान 0.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,309.86 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.51 प्रतिशत उछल कर 7,487.42 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,726.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 4 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। हांगकांग और कोरिया के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से हैंग सेंग इंडेक्स और कोस्पी इंडेक्स में कोई कारोबार नहीं हो रहा है।

निक्केई इंडेक्स फिलहाल 0.01 प्रतिशत की तेजी के साथ 36,206.31 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,438.08 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,842.89 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,452 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,592.52 अंक के स्तर पर बना हुआ है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 0.40 प्रतिशत लुढ़क कर 21,762.05 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,702.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दिशा पाटनी ने पैपराजी के सामने दिए कई शानदार पोज

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें दिशा एक इवेंट में रेड वाइन कलर की ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। इस वीडियो में दिशा ने पैपराजी के सामने कई शानदार पोज दिए और उनके पीछे एक घोड़े का पुतला भी देखा जा सकता है। उनकी ड्रेस बेहद बोल्ड थी और वह बेहद हॉट लग रही थीं। एक फैंस ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, दिशा पटानी यूएस पोलो एसोसिएशन के इवेंट के लिए सिटी पैलेस में पहुंचीं। कई लोगों ने उनकी तारीफ की, एक ने लिखा, वह सबसे हॉट हैं, मुझे कहना होगा। वहीं कुछ ने कहा, मुझे इसमें कुछ खास नहीं लगता, समझ नहीं आता लड़के क्यों दीवाने होते हैं। एक अन्य कमेंट में लिखा गया, दिशा पटानी को दिल से सपोर्ट करने वाला बटन। जबकि कुछ लोगों ने उनकी अभिनय क्षमता पर सवाल उठाया और लिखा, वह न तो अच्छी दिखती हैं और न ही उन्हें एक्टिंग आती है, पता नहीं उन्हें इंडस्ट्री में कैसे मौका मिला। कुछ लोगों ने उनकी हॉटनेस की तारीफ भी की, दिशा की हॉटनेस अलग ही लेवल की है। हालांकि, दिशा पटानी को अभिनय के क्षेत्र में अब तक वह सफलता नहीं मिल पाई है जो उन्होंने चाहिए थी।

हाल ही में, वह प्रभास के साथ फिल्म कल्कि 2898 एडी में नजर आईं थीं, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। आने वाले समय में उनके पास कुछ बेहतरीन फिल्में हैं। दिशा पाटनी फिल्म कंगुवा में दिखाई देंगी। इसके अलावा उनके पास वेलकम टू द जंगल फिल्म है, जो इस साल क्रिसमस पर रिलीज होगी। बता दें कि बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी अपने काम से ज्यादा अपनी हॉटनेस की वजह से लाइमलाइट में रहती हैं, जी हां! दिशा पाटनी की चर्चा जितनी उनके काम की वजह से नहीं होती, उससे अधिक सुर्खियों में तो वे अपने हॉट फिगर की वजह से रहती हैं। वैसे एक बात तो है, दिशा पाटनी अच्छे से जानती हैं कि लाइमलाइट में कैसे रहा जाता है, तभी तो वे आए दिन अपनी हॉट तस्वीरें साझा कर लोगों का ध्यान खींच लेती हैं।

पति और बेटी के साथ खूबसूरत पल बिता रही प्रियंका

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा अपने व्यस्त कामकाजी शेड्यूल से समय निकालकर पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस के साथ खूबसूरत पल बिता रही हैं। प्रियंका ने अपने परिवार के साथ फ्रांस में एक शानदार वेकेशन का आनंद लिया, जिसे उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किया। हाल ही में, उन्होंने अपनी आगामी फिल्म द ब्लफ की शूटिंग पूरी की और अब परिवार के साथ फ्रांस में वेकेशन पर निकली हैं। प्रियंका ने इस वेकेशन की कई झलकियां सोशल मीडिया पर साझा की हैं। तस्वीरों में प्रियंका को क्रूज पर बिकिनी में पोज देते हुए, फैशनेबल हैट, शर्ट और चश्मे में स्टाइल दिखाते हुए, और समंदर के बीच बोट पर लेटकर अपनी कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने व्हाइट ड्रेस में भी पोज देकर फैशन गोल्स सेट किए हैं। प्रियंका की बेटी मालती भी इस वेकेशन का पूरा आनंद ले रही हैं। तस्वीरों में मालती अपनी मां की जुल्फों के साथ खेलती हुई और अपने पिता के साथ समंदर का मजा लेते हुए नजर आईं। प्रियंका ने इन खूबसूरत पलों को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा, यह सच में किताबों में दर्ज होने वाला है। मेरी जिंदगी के प्यार के साथ एक बेहतरीन ठहराव। निक जोनस ने भी इंस्टाग्राम पर फ्रांस वेकेशन की तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें से एक तस्वीर में वह प्रियंका के साथ रोमांटिक पोज देते हुए नजर आ रहे हैं, जबकि एक अन्य तस्वीर में दोनों कंबल ओढ़कर लिप-लॉक करते दिखाई दे रहे हैं। निक ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, एक सपना। इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर काफी धूम मचाई है और फैंस द्वारा बेहद पसंद की गई हैं। मालूम हो कि प्रियंका और निक की शादी दिसंबर 2018 में हुई थी। निक, प्रियंका से 10 साल छोटे हैं, और उनकी यह शादी लाखों लोगों के लिए एक प्रेरणा बन चुकी है। इस जोड़े ने जनवरी 2022 में सरोगेसी के जरिए एक बेटी का स्वागत किया, जिसका नाम मालती मैरी चोपड़ा जोनस है। मां बनने के बाद प्रियंका ने अपनी बेटी के साथ अधिक समय बिताना शुरू किया है।

बॉक्स ऑफिस पर द बकिंघम मर्डर्स को मिल रही जबरदस्त सफलता

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म द बकिंघम मर्डर्स बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता मिल रही है। फिल्म में करीना कपूर का अब तक का उनका बेस्ट काम माना जा रहा है। करीना की परफॉर्मेंस को असलियत और गहराई के लिए बहुत सराहा जा रहा है। जैसे-जैसे फिल्म को और पॉजिटिव रिव्यू मिल रहे हैं, वैसे - वैसे ज्यादा से ज्यादा लोग इसे देख रहे हैं, करीना का ये रोल उनके करियर का सबसे बेहतर रोल माना जा रहा है। फैंस और दोस्तों के साथ-साथ करीना के पति सैफ अली खान ने भी फिल्म में उनकी के शानदार एक्टिंग की तारीफ की है। हाल ही में एक इंटरव्यू में सैफ ने करीना की भूमिका के लिए अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा है, मैं बकिंघम मर्डर्स को लेकर बहुत उत्साहित हूँ। मैं अपनी खुद की फिल्म देवरा के प्रमोशन में बिजी हूँ। मैंने जो कुछ भी देखा है, उससे मुझे लगता है कि उन्होंने कमाल कर दिया है। मैं टीम को ऑल द बेस्ट विश करता हूँ। जैसे-जैसे द बकिंघम मर्डर्स पापुलर होती जा रही है, करीना कपूर खान की जबरदस्त एक्टिंग स्किल और एक दुखी मां के रूप में उनकी मजबूत परफॉर्मेंस ने दर्शकों को अपने साथ कनेक्ट किया है। द बकिंघम मर्डर्स करीना कपूर खान की बतौर प्रोड्यूसर पहली फिल्म है और यह एक थ्रिल से भरी, सस्पेंस की कहानी पेश करती है। यह वीरे दी वेडिंग और क्रू जैसी सफल प्रोजेक्ट्स के बाद एकता आर कपूर और करीना कपूर खान के बीच एक और सहयोग भी है। वे इस फिल्म के साथ मिस्ट्री थ्रिलर जॉनर में एक बड़ा प्रभाव डाल रही हैं। 13 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में खास तौर पर रिलीज हो चुकी द बकिंघम मर्डर्स में करीना कपूर खान, ऐश टंडन, रणवीर बरार और कीथ एलन जैसे बेहतरीन कलाकार हैं। हंसल मेहता द्वारा डायरेक्टेड और असीम अरोड़ा, कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ द्वारा लिखी गई यह कहानी, महाना फिल्म्स और टीबीएम फिल्म्स प्रोडक्शन है, जिसे बालाजी टेलीफिल्म्स द्वारा प्रेजेंट किया गया है।

फिल्म मनमर्जियां के छह साल पूरे

कलर येलो प्रोडक्शंस की फिल्म मनमर्जियां को छह साल पूरे हो गए हैं। तापसी पन्नू, अभिषेक बच्चन और विक्की कौशल अभिनीत इस फिल्म ने अपनी अनोखी कहानी और जटिल भावनाओं के लिए दर्शकों का दिल जीता। फिल्म की छठी सालगिरह के अवसर पर निमार्ताओं ने सोशल मीडिया पर एक विशेष वीडियो साझा किया, जिसमें लिखा है, प्यार जटिल नहीं है, लोग जटिल हैं! वीडियो में अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित फिल्म के प्रमुख दृश्य दिखाए गए हैं। फिलहाल, आनंद एल राय की तुम्बाड सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हुई है और उनकी अगली फिल्म नखरेवाली 2025 में वेलेंटाइन डे पर रिलीज होगी। राय जल्द ही अपने अगले निर्देशन तेरे इश्क में की शुरूआत करेंगे, जिसमें वे धनुष के साथ काम करेंगे।

अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ ने गुपचुप शादी की

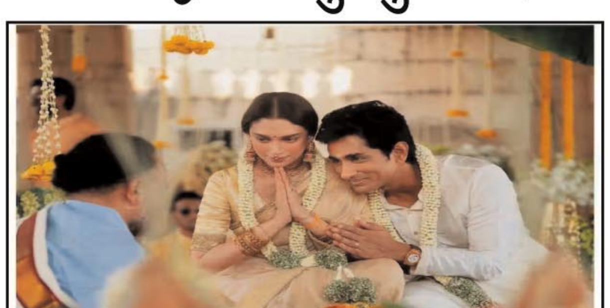

बॉलीवुड अदाकारा अदिति राव हैदरी और साउथ के सुपरस्टार सिद्धार्थ ने चुपचाप शादी कर ली है। इस जोड़ी की पहली वेडिंग तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है, जिसने उनके फैंस को चौंका दिया है। सूत्रों के मुताबिक, अदिति और सिद्धार्थ ने एक निजी समारोह में शादी की, जिसमें केवल करीबी दोस्त और परिवार वाले ही शामिल हुए। शादी की कोई सार्वजनिक घोषणा नहीं की गई थी, लेकिन तस्वीरों के सामने आने के बाद यह खबर तेजी से फैल गई है। फैंस इस नई दांपत्य जीवन के लिए जोड़ी को शुभकामनाएं दे रहे हैं और उनकी शादी की फोटो पर ढेरों प्यार भेज रहे हैं। लंबे समय से उनके रिश्ते की अफवाहें चल रही थीं, और अब इस शादी की खबर ने उन अटकलों पर पूर्ण विराम लगा दिया है।

नए फैशन स्टाइल से अनिल कपूर ने मचा दी धूम

हाल ही में अपने नए फैशन स्टाइल से अभिनेता अनिल कपूर ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। सदाबहार एक्टर ने इंस्टाग्राम पर अपनी हालिया तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें उन्होंने एक क्लासिक विंटेज टाई पहनी है। इस लुक में उन्होंने नेवी ब्लू रंग का फॉर्मल सूट, सफेद शर्ट और नीली टाई पहन रखी है। उन्होंने काले फॉर्मल जूते और धूप के चश्मे के साथ अपने लुक को पूरा किया। अनिल कपूर का फिल्मी करियर 40 साल से भी अधिक लंबा है। उन्होंने 100 से अधिक फिल्मों में काम किया है और उन्हें दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिल चुके हैं। अनिल ने 1979 में हमारे तुम्हारे के साथ बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद, उन्होंने तेलुगु फिल्म वामसा वृक्षम और कन्नड़ फिल्म पल्लवी अनुपल्लवी में भी अभिनय किया। मशाल के साथ स्टार बनने के बाद, उन्होंने मेरी जंग, कर्मा, मिस्टर इंडिया, तेजाब, और राम लखन जैसी प्रमुख फिल्मों में अभिनय किया। उनकी फिल्मोग्राफी में ओम जय जगदीश, नो एंट्री, हमको दीवाना कर गए, पुकार, बीवी नंबर 1, हम आपके दिल में रहते हैं, दिल धड़कने दो, रेस 3, एनिमल और फाइटर जैसी सफल फिल्में शामिल हैं।

लेडी गागा ने आलोचना का दिया करारा जवाब

मशहूर गायिका लेडी गागा हाल ही में एक बयान को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने पूर्व सहपाठियों द्वारा बनाए गए फेसबुक ग्रुप पर टिप्पणी की, जिसका नाम था ह्लस्टेफनी जर्मनोटा, आप कभी प्रसिद्ध नहीं होंगी ह्व गागा ने इस ग्रुप की आलोचनात्मक टिप्पणियों का जवाब देते हुए अपने उपलब्धियों की सूची साझा की, जिसमें एक अकादमी पुरस्कार, दो गोल्डन ग्लोब, 13 ग्रैमी पुरस्कार, 10 बिलबोर्ड संगीत पुरस्कार और एक एमटीवी संगीत वीडियो पुरस्कार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आलोचनाओं और संदेह के बावजूद हार नहीं माननी चाहिए और लगातार मेहनत करते रहना चाहिए। इस ग्रुप को अब फेसबुक से हटा दिया गया है। गागा का यह बयान उनकी प्रेरणा और आत्मविश्वास को दशार्ता है।

बॉर्डर का 27 साल बाद आने वाला है सीक्वल

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की सुपर हिट फिल्म बॉर्डर का 27 साल बाद सीक्वल आने वाला है। साल 1997 की सुपरहिट फिल्म बॉर्डर के सिक्वल की रिलीज का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उधर भरत शाह और निधि दत्ता के बीच फिल्म के कॉपीराइट को लेकर कानूनी लडाई भी शुरू हो गई है। फिल्म के फाइनेंसर और डिस्ट्रीब्यूटर भरत शाह ने बॉर्डर 2 के मेकर्स को पब्लिक नोटिस जारी किया। भरत शाह ने दावा किया है कि बॉर्डर के सारे राइट्स उनके और बीना भरत शाह के पास हैं, जिसके बाद निधि दत्ता का पहला रिएक्शन सामने आया है। फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो गई है और बॉर्डर 2 की स्टार कास्ट का भी धीरे-धीरे खुलासा हो रहा है। वहीं सनी देओल की फिल्म बॉर्डर 2 रिलीज से पहले ही विवादों में फंस गई है। भरत शाह ने 2014 में जेपी दत्ता पर बॉर्डर की कमाई का आधा हिस्सा न देने का आरोप लगाया था और यह मामला कोर्ट तक लेकर पहुंच गए थे। कॉपीराइट के दावे के बाद अब बॉर्डर 2 की प्रोड्यूसर और जेपी दत्ता की बेटी निधि दत्ता ने भरत शाह के इन दावों को गलत बताते हुए उन्होंने जवाब दिया है। निधि दत्ता ने जूम को दिए इंटरव्यू में कहा, इस केस में हमारी कोर्ट में जीत हुई है। माननीय उच्च न्यायालय के पास इसे जुड़ी सारी जानकारी है और उन्होंने हमारे फेवर में केस भी खारिज कर दिया था। एसोसिएशन द्वारा किए गए समझौते के अनुसार, भरत शाह को सबसे पहले हमें अतिरिक्त भुगतान करना होगा न की हमको और इतना ही नहीं 27 सालों हो गए उन्होंने आज तक फिल्म के किसी भी व्यवसाय का एक भी रिकॉर्ड नहीं दिया है। निधि दत्ता ने आगे कहा, यही कारण है कि हमने उस वक्त समझौते में पहले ही साफ कर दिया था कि हम उनकी किसी भी चीज के लिए उत्तरदायी नहीं होने वाले हैं। बॉर्डर 2 में उनका कोई हिस्सा नहीं है। बता दें कि जेपी दत्ता और भरत शाह के बीच 50-50 प्रतिशत रेवेन्यू के डिवाइड होने की डील पहले ही हो गई थी। बॉर्डर 2 का निर्देशन अनुराग सिंह करेंगे, जिन्होंने इससे पहले केसरी, पंजाब 1984, जट्ट एंड जूलियट और दिल बोले हड़िप्पा! जैसी फिल्में बनाई हैं।

कंगना को इमरजेंसी के रिलीज का बेसब्री से इंतजार

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत अपनी आगामी फिल्म इमरजेंसी की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। इस फिल्म में कंगना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में हैं और यह 1970 के दशक के आपातकाल पर आधारित है। इमरजेंसी का लेखन और निर्देशन कंगना ने खुद किया है। फिल्म में अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर और दिवंगत सतीश कौशिक भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसे जी स्टूडियो और मणिकर्णिका फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म को पहले 6 सितंबर को रिलीज किया जाना था, लेकिन सेंसर बोर्ड से प्रमाणन न मिलने के कारण इसे टाल दिया गया। फिल्म को अब अ/व सर्टिफिकेशन मिल चुका है और नई रिलीज डेट की घोषणा जल्द ही की जाएगी। हाल ही में, उन्होंने अपनी पुरानी फिल्म वो लम्हे के म्यूजिक लॉन्च का एक वीडियो साझा किया और उस समय की अपनी आत्म-छवि पर विचार व्यक्त किए। कंगना ने बताया कि प्रमोशनल इवेंट के दौरान उन्हें अपने रंग-रूप को लेकर असंतोष था, और उन्होंने महिलाओं को अपने वास्तविक स्वरूप को अपनाने और प्यार करने के लिए प्रोत्साहित किया। कंगना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह वीडियो मेरी दूसरी फिल्म वो लम्हे के म्यूजिक लॉन्च का है।

उस समय मैं एक किशोरी थी और मेरे रंग-रूप को लेकर कई असंतोष थे। युवतियों के लिए अपने रंग-रूप को लेकर अनिश्चित महसूस करना आम है, जो उन्हें अधिक कमजोर और अनिश्चित बना सकता है। अब जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे एहसास होता है कि मैंने न केवल अपने रंग-रूप की, बल्कि उस समय मेरे पास जो ऊर्जा और उत्साह था, उसकी भी कद्र नहीं की। उन्होंने आगे कहा, आज आप सबसे युवा हैं। जीवन के हर चरण की अपनी सुंदरता होती है। भले ही आप इसे आईने में न देख पाएं, लेकिन एक दिन आप पीछे मुड़कर इसे पहचान लेंगे। खुद के प्रति नम्र रहें और विश्वास रखें कि आप सुंदर हैं। कंगना रनौत के करियर की शुरूआत 2006 की फिल्म गैंगस्टर से हुई थी, जिसमें उन्होंने इमरान हाशमी और शाइनी आहूजा के साथ काम किया।

सूडोकु नवताल- 6918

★☆☆☆☆ सरल

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6917 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7665

व	श	मु	कि	स्म	त	हो	प	न	र	द
क्त	क्रि	ल	ना	द	म	जा	ऐ	त	रा	ज
य	के	ब	हे	नि	ही	ना	न	व	टि	रू
इं	ट	र	न	शा	वा	रो	क	ले	ज	व
प	दा	सा	अं	ने	तो	हो	थ	गो	भ	त
ब	स	त	प	दा	स	ए	व	सं	वॉ	व
द	ल्फ	न	न	जी	ज	ह	अ	गो	प्ला	द
क	र	मा	प	क्श	प	क	र	चो	न	ख
र	व	त	स्ट	रा	भी	त	श्मी	अ	शा	अ
क	र	ल	प	र	ज	ता	रे	र	ह	द
क	ह	रि	म	आ	प	की	खा	ति	र	जा

शब्दजाल में प्रियंका चोपड़ा की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

बल्फमास्टर, वक्त, किस्मत, ऐतराज, द हीरो, आप की खातिर, अंदाज, असंभव, प्लान, बरसात.

शब्दजाल - 7664 का हल

जि	दि	ल	ज	ले	म	ज	ब	न	र	क
दो	स	यू	न	आ	वा	ग्री	द	इ	ह	ल
स	व	दे	पू	ह	जी	ल	न	ग	क	हो
र	ची	ने	श	ट	ज	ज्ञा	म	पा	त	न
फ	त	ई	ड	में	व	खें	न	भा	र्क	हो
रो	मे	म	सु	न	गं	पू	न	ई	र	रु
श	ज	ज	मे	ता	क	गा	श	न	ज	री
क	ल	ग	र	सं	ज	ख्मे	र	ली	न	है
ब्रे	बो	र्न	य	सा	चि	क	री	ह	प	ला
त	रा	जु	न	ज	ह	त्र	य	जी	ता	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	ब	र	रा	त	हैं

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6618

		7		4		
4	28	2	38		31	7
1	5		6		2	3
	28	3	36		38	6
5		1	4			2
7	34		29	3	35	
2		6			7	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6617 का हल

3	2	4	6	7	5	1
4	28	2	38	2	31	7
1	5	7	6	4	2	3
6	38	5	36	3	28	6
5	3	6	4	1	7	2
7	32	3	29	5	37	5
2	5	1	3	6	7	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

जमशेदपुर से मिली हार पर मार्केज़ ने कहा–2020 में पहली बार भारत आने के बाद से मैं सबसे ज्यादा गुस्से में था

पणजी।
भारतीय राष्ट्रीय टीम और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में एफसी गोवा के मुख्य कोच के रूप में मनोलो मार्केज़ की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। महीने की शुरुआत में, मार्केज़ की टीम को इंटरकॉन्टिनेंटल कप में सीरिया से 0-3 से हारने से पहले कम रैंकिंग वाली मालदीव के साथ गोल रहित ड्रॉ पर रोका गया था। इसके बाद उनके आईएसएल क्लब गोवा को सीजन के शुरुआती गेम में जमशेदपुर एफसी से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। गोवा ने पहले हाफ में बढ़त हासिल की, लेकिन अपने दबदबे को और अधिक गोल में नहीं बदल सका, जमशेदपुर ने अतिरिक्त समय में वापसी करते हुए गेम जीत लिया। मार्केज़ ने मंगलवार को मैच के बाद कहा, आज शायद वह दिन है जब मैं लगभग पांच साल पहले भारत आने के बाद से सबसे ज़्यादा गुस्से में था।

गोवा के पास 62प्रतिशत कब्ज़ा था, लेकिन वह सिर्फ़ पाँच शॉट ही टारगेट पर लगा पाया।

उन्होंने कहा, हम आज जैसा प्रदर्शन नहीं होने दे सकते, खासकर विदेशियों से। विदेशी खिलाड़ी पूरे खेल के दौरान मैदान पर घूम रहे थे। आप जानते हैं कि भारतीय खिलाड़ियों को उनकी जरूरत है, और अगर विदेशी खिलाड़ी मैदान पर घूम रहे हैं और अपना खेल खेल रहे हैं, तो हम सभी को परेशानी होगी।

उन्होंने ब्रिसन फर्नांडीस की तारीफ़ की, लेकिन उन्होंने कहा, किसी के बारे में अच्छा बोलना मुश्किल है क्योंकि हमने एक टीम के रूप में बहुत, बहुत खराब प्रदर्शन किया। एफसी गोवा को 2021 के बाद से अपने पहले प्लेऑफ़ में ले जाने वाले मार्केज़ को उम्मीद है कि यह हार गौर्स के लिए एक चेतावनी होगी।

मार्केज़ ने कहा, शायद आप मेरी बात पर यकीन न करें, लेकिन जब स्कोर 1-1 था और हम साइडलाइन से मैच देख रहे थे, तो मैंने बेंच पर बैठकर कहा था कि अगर हम मैच हार गए, तो यह हमारे लिए सकारात्मक होगा। यहां तक कि जब हैदराबाद एफसी ने 2021-22 में आईएसएल कप जीता था, तब भी मैं वहां था, हम चेन्नईयिन एफसी के खिलाफ पहला गेम हार गए थे, और टीम ने बहुत अच्छा जवाब दिया था। अब टीम का चरित्र देखते हैं।

गोवा का अगला मैच शनिवार को नव-प्रवर्तित मोहम्मडन एससी से है।

न्यूज़ ब्रीफ

कभी उम्मीद नहीं थी कि ऑस्ट्रेलिया के लिए 100 वनडे मैच खेल सकूंगा : एडम जम्पा

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ 19 सितंबर को ट्रेंट ब्रिज में ऑस्ट्रेलिया की आगामी एकदिवसीय श्रृंखला का पहला मैच एडम जम्पा के लिए 50 ओवर के प्रारूप में 100वां मैच भी होगा। इस मील के पत्थर तक पहुँचने के कगार पर खड़े जम्पा ने कहा कि उन्होंने कभी भी अपने देश के लिए वनडे में इतने मैच खेलने की उम्मीद नहीं की थी। जम्पा 100 वनडे खेलने वाले 32वें ऑस्ट्रेलियाई पुरुष खिलाड़ी बन जाएँगे। वह शेन वॉर्न और ब्रैग हॉग के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए यह उपलब्धि हासिल करने वाले सिर्फ तीसरे विशेषज्ञ स्पिनर बन जाएँगे। जम्पा की पत्नी हैरियट, बेटा यूजीन और माता-पिता डैरेन और एलिसन लेग स्पिनर को यह उपलब्धि हासिल करते देखने के लिए ट्रेंट ब्रिज में मौजूद रहेंगे। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से बातचीत में जम्पा ने कहा, मुझे 100 वनडे खेलने पर गर्व है, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं ऑस्ट्रेलिया के लिए इतना खेल पाऊंगा। जब आप देखते हैं कि आजकल लोग वनडे क्रिकेट में कितने मैच खेलते हैं, तो बहुत कम लोग 100 तक पहुंच पाते हैं, खासकर अतीत के लोगों की तुलना में; 1990 और 2000 के दशक की शुरुआत में निश्चित रूप से बहुत ज़्यादा वनडे क्रिकेट खेला जाता था और कोई टी20 नहीं होता था। मैं कुल मिलाकर 200 अंतरराष्ट्रीय मैच (191) खेलने के करीब पहुंच रहा हूं, इसलिए मुझे कभी नहीं लगा था कि मैं इतना खेल पाऊंगा। 99 वनडे मैचों में जम्पा ने 28.05 की औसत और 5.47 की इकॉनमी रेट से 169 विकेट लिए हैं। हालांकि जम्पा 2021 और 2023 में ऑस्ट्रेलिया के लिए क्रमशः टी20 विश्व कप और एकदिवसीय विश्व कप विजेता रहे हैं, उन्होंने कहा कि अधिक विश्व कप जीतने की चाह अभी भी उनके अंदर जल रही है, खासकर 2026 पुरुष टी20 विश्व कप को देखते हुए जो भारत और श्रीलंका में हो रहा है। उन्होंने कहा, अपने देश के लिए खेलना और जीतना, फ्रैंचाइज़ क्रिकेट खेलने और फ्रैंचाइज़ क्रिकेट जीतने से कहीं बेहतर है।

आईसीसी मुख्य कार्यकारी समिति में एसोसिएट सदस्य प्रतिनिधि के रूप में चुने गए सुमोद दामोदर

नई दिल्ली। सुमोद दामोदर (बोत्सवाना) को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी समिति (सीईसी) में एसोसिएट सदस्य प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है। सुमोद, मुबाशिर उस्मानी की जगह लेंगे। आईसीसी ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा, सुमोद दामोदर (बोत्सवाना) को गुप्त मतदान के बाद मुबाशिर उस्मानी की जगह मुख्य कार्यकारी समिति (सीईसी) में एसोसिएट सदस्य प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है। आईसीसी ने आगे कहा, आईसीसी वार्षिक सम्मेलन 2024 में आईसीसी एसोसिएट सदस्य निदेशकों के चुनाव के परिणाम के कारण मुख्य कार्यकारी समिति में मुबाशिर उस्मानी के पद के लिए चुनाव हुआ था, क्योंकि वह दोनों पदों पर रहने में असमर्थ हैं। दामोदर शेष कार्यकाल पूरा करेंगे जो आईसीसी वार्षिक सम्मेलन 2025 के अंत में समाप्त होगा। वह रशपाल बाजवा (क्रिकेट कनाडा) और उमैर बट (डेनिश क्रिकेट एसोसिएशन) के साथ सीईसी में शामिल होंगे जो पिछले साल चुने गए थे।

अल नासर ने कोच लुइस कास्त्रो के क्लब छोड़ने की घोषणा की

नई दिल्ली। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के सऊदी क्लब अल नासर ने निराशाजनक ड्रा के साथ अपने एएफसी

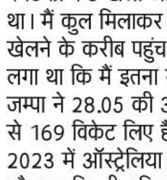

चैंपियंस लीग एलीट अभियान की शुरुआत करने के एक दिन बाद मंगलवार को पुर्तगाली कोच लुइस कास्त्रो के जाने की घोषणा की। सोमवार को एशियाई प्रतियोगिता में इराक के अल शॉर्टा के साथ 1-1 के ड्रा के कारण क्लब के घरेलू सत्र की धीमी शुरुआत हुई। एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा गया, अल नासर घोषणा करता है कि मुख्य कोच लुइस कास्त्रो ने क्लब छोड़ दिया है। अल नासर में हर कोई लुइस और उनके कर्मचारियों को पिछले 14 महीनों के दौरान उनके समर्पित काम के लिए धन्यवाद देना चाहता है और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है। 63 वर्षीय कास्त्रो रोनाल्डो के 2023 की शुरुआत में क्लब में आने के बाद अल नासर को छोड़ने वाले तीसरे कोच हैं। फ्रांसीसी रूडी गार्सिया उस अप्रैल में तुरंत चले गए, उसके बाद पिछले साल जुलाई में कास्त्रो की नियुक्ति से पहले क्रोएशियाई कोच डिंको जेलिकिक ने क्लब में एक संक्षिप्त कार्यकाल बिताया। रोनाल्डो ने अभी तक रियाद क्लब के साथ सऊदी ट्रॉफी नहीं जीती है, उनका एकमात्र खिताब पिछले साल का अरब क्लब चैंपियंस कप है। अल नासर, जो पिछले सऊदी प्रो लीग सीजन में दूसरे स्थान पर रहे थे, ने नए अभियान की शुरुआत में तीन मैचों में दो बार ड्रॉ खेला है।

गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए की कोहली की सराहना कहा–मजबूत गेंदबाजी लंबे प्रारुप में सफलता की कुंजी

नई दिल्ली।
भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने एक खिलाड़ी और एक कप्तान के रूप में टेस्ट क्रिकेट के प्रति विराट कोहली की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की है। गंभीर ने बीसीसीआई टीवी द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कोहली के साथ बातचीत के दौरान कहा, जब मैं आगे बढ़ रहा था, खासकर ऐसे समय में जब टी20 प्रारूप और आईपीएल मौजूद नहीं थे, प्रथम श्रेणी क्रिकेट ही मेरा अंतिम लक्ष्य था।

हम टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए तत्पर थे। सीमित ओवरों के प्रारूप में खेलना रोमांचक था, लेकिन हम हमेशा मानते थे कि हमें लाल गेंद वाले क्रिकेट में हमारे प्रदर्शन के आधार पर आंका जाएगा। खेल में आप जो विरासत छोड़ते हैं, वह इस बात से गहराई से जुड़ी होती है कि आप टेस्ट क्रिकेट में कितना अच्छा प्रदर्शन करते हैं। आपने यह बताकर बहुत बड़ी भूमिका निभाई कि टेस्ट क्रिकेट आपके लिए कितना महत्वपूर्ण है।

कोहली ने 2022 में भारत की टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ दी थी, उससे एक दिन पहले ही उन्होंने केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका से 2-1 से टेस्ट सीरीज गंवा दी थी।

2015 की शुरुआत में जब एमएस धोनी ने ऑस्ट्रेलिया में अपने संन्यास की घोषणा की, तब कोहली ने पूर्णकालिक टेस्ट कप्तान के रूप में पदभार संभाला और भारत के अब तक के सबसे सफल टेस्ट कप्तान बन गए। टेस्ट कप्तान के रूप में कोहली का कार्यकाल काफी हद तक सफल रहा, क्योंकि उन्होंने टीम को आईसीसी रैंकिंग में नंबर 1 पर पहुंचाया और कई यादगार विदेशी जीत हासिल की। 2021 में, उन्होंने साउथेम्प्टन में उद्घाटन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत का नेतृत्व किया।

कोहली ने टेस्ट कप्तान के तौर पर अपने समय को याद करते हुए कहा, जब मुझे कप्तान की भूमिका निभाने का मौका मिला, तो पुरानी टीम से नई टीम में जाने की चुनौती रोमांचक थी। मुझे याद है कि मैं सिर्फ़ 25 साल का था और ऐसे खिलाड़ियों के समूह का नेतृत्व कर रहा था जो बीस की उम्र के आसपास के थे। मेरा ध्यान इस बात पर था कि कैसे एक ऐसी टीम बनाई जाए जो हमारे से पहले की पीढ़ी की तरह ही हर जगह मशहूर हो सके।

उन्होंने कहा, मुझे पता था कि यह संयोग से नहीं हो सकता - इसके लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाने की ज़रूरत थी। मैंने सोचना शुरू किया कि सात साल में भारतीय क्रिकेट को कहाँ पहुँचना चाहिए और उसी से

समाधान निकलकर आया। हमें तेज़ गेंदबाज़ों और बल्लेबाज़ों के एक मज़बूत समूह की ज़रूरत थी जो पारी को संभाल सकें और ज़िम्मेदारी पाँच प्रमुख बल्लेबाज़ों और एक विकेटकीपर के बीच बाँटी जानी थी जो लगातार हमें 350-400 रन दिला सके। हम कुशनिंग के लिए सातवें बल्लेबाज़ पर निर्भर नहीं रह सकते थे। ये सभी विचार एक साथ आए और मैंने उन्हें टीम को उसी हिसाब से बताया।

गंभीर ने कहा कि आज की दुनिया में चुनौती अगली पीढ़ी को उसी तरह सोचने के लिए प्रेरित करना है, टेस्ट क्रिकेट को उतना ही महत्व देना जितना कि भारतीय क्रिकेटरों की मौजूदा पीढ़ी देती है।

गंभीर ने कहा, अगर हम उन्हें टेस्ट क्रिकेट को शिखर के रूप में देखने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, तो भारतीय क्रिकेट मजबूत रहेगा। मेरा दृढ़ विश्वास है कि आपकी टेस्ट टीम जितनी मजबूत होगी, आपके समग्र क्रिकेटर उतने ही मजबूत होंगे।

गंभीर ने यह भी बताया कि कोहली ने बेहतरीन तेज गेंदबाजों का एक पूल बनाने पर जोर दिया, जिसकी वजह से भारत ने कई बार घरेलू और विदेशी मैदानों पर जीत दर्ज की।

उन्होंने कहा, आपने जो शानदार काम किया, वह एक बहुत मजबूत गेंदबाजी इकाई का निर्माण करना था। टेस्ट क्रिकेट में, जब तक आपके पास 20 विकेट लेने की क्षमता वाली लाइनअप नहीं होती, तब तक आप लगातार जीत नहीं सकते। यही बात आपको देश का सबसे सफल टेस्ट कप्तान बनाती है। इसका श्रेय आपको जाता है, क्योंकि छह या सात मजबूत बल्लेबाजों को बोर्ड पर रन बनाना आसान है, लेकिन जिस तरह से आपने पहचान की और, सबसे महत्वपूर्ण बात, मैदान पर सही रवैया दिखाया, खासकर तेज गेंदबाजों के साथ, वह उल्लेखनीय था। कल्पना कीजिए कि मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, ईशांत शर्मा और उमेश यादव जैसे गेंदबाज हों और उनके साथ विदेशी मैच जीतें।

2014-15 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर, एडिलेड टेस्ट के आखिरी दिन 364 रन बनाने के लक्ष्य के साथ, कोहली ने शतक जड़ा, जो मैच का उनका दूसरा शतक था, जबकि भारत 48 रन से हार गया। यह उनका पहला टेस्ट था।

गंभीर ने उस मैच को याद करते हुए कहा, चुनौती के बावजूद, आप उस टेस्ट मैच को जीतने के लिए दृढ़ थे। यही मानसिकता है जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं, और यही वह संस्कृति है जिसे हम आगे बढ़ाना चाहते हैं - एक ऐसी संस्कृति जहां खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए उत्सुक हों।

अगर आप किसी के व्यक्तित्व या चरित्र का आकलन करना चाहते हैं तो टेस्ट क्रिकेट सबसे अच्छा प्रारूप है। यह एक खिलाड़ी के बारे में सब कुछ बताता है। टेस्ट क्रिकेट में सफल होने के लिए, आपको केवल सबसे कुशल होने की आवश्यकता नहीं है; आपको इससे कहीं अधिक की आवश्यकता है।

गंभीर ने कहा, आपको अनुशासन, धैर्य, लड़ाई, करुणा, भावना और यहां तक कि सहानुभूति की भी जरूरत होती है, क्योंकि पांच दिनों तक संघर्ष करने के बाद भी आपको नहीं पता होता कि आपको परिणाम मिलेगा या नहीं।

गंभीर ने कहा कि आने वाले वर्षों में टेस्ट प्रारूप में भारत की सफलता टीम की गुणवत्ता वाले तेज गेंदबाजों की एक श्रृंखला को बनाए रखने की क्षमता पर निर्भर करेगी।

उन्होंने कहा, जब हम एक मजबूत रेड-बॉल टीम होने की बात करते हैं, तो बहुत कुछ अगली पीढ़ी के गेंदबाजों पर निर्भर करेगा। हमें गुणवत्ता वाले बल्लेबाज मिलते रहेंगे, क्योंकि भारतीय क्रिकेट की संरचना लगातार उन्हें तैयार करती है, लेकिन असली चुनौती यह है कि क्या गेंदबाजों की युवा पीढ़ी में 20 ओवर गेंदबाजी करने और विकेट लेने की प्रेरणा है।

बुमराह सभी प्रारूपों में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज : गौतम गंभीर

चेन्नई।
भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने गुरुवार से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू हो रहे भारत के पहले टेस्ट मैच से पहले जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए उन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ ऑल-फॉर्मेट तेज गेंदबाज बताया। बुमराह ने पिछले साल जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में भारत के विजयी टी20 विश्व कप अभियान में अहम भूमिका निभाई थी। अपने टेस्ट करियर में उन्होंने 36 मैचों में 20.69 की शानदार औसत से 159 विकेट लिए हैं और वनडे में उन्होंने 89 मैचों में 23.55 की औसत से 149 विकेट लिए हैं। प्री मैच कांफ्रेंस में जब गंभीर से पूछा गया कि क्या 30 वर्षीय बुमराह भारतीय टीम के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी हैं, तो उन्होंने कहा, बुमराह तीनों प्रारूपों में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं। गंभीर ने कहा, भारत में ऐसा कई बार नहीं हुआ है कि हम गेंदबाजों के बारे में बात करने लगे हैं। यह हमेशा बल्लेबाजों के बारे में रहा है। भारत एक समय बल्लेबाजों के प्रति जुनूनी देश था। आपको बुमराह, शमी, सिराज, अश्विन, जडेजा को श्रेय देना होगा। टी20 विश्व कप जीतने के बाद बुमराह पहली बार मैदान पर वापसी करेंगे, क्योंकि भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में जगह पक्की करना चाहता है। भारत को बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर टेस्ट सीरीज खेलनी है, इसके बाद साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। गंभीर ने कहा, सबसे अच्छी बात यह है कि वह जितना हो सके उतना टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता है। उसने वेस्टइंडीज में टी20 प्रारूप में जो किया है, उसने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में जो किया है, उससे पता चलता है कि वह सफेद और लाल गेंद वाले क्रिकेट में क्या कर सकता है। यह सम्मान की बात है कि हमारे पास जसप्रीत बुमराह जैसा कोई खिलाड़ी है जो हमारे लिए खेल रहा है और ड्रेसिंग रूम में बैठा है, जो खेल के किसी भी चरण में बदलाव और अंतर ला सकता है।

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित, निगार सुल्ताना होंगी कप्तान

ढाका।
बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आगामी महिला टी 20 विश्व कप के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज निगार सुल्ताना जोटी के नेतृत्व में अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। महिला टी-20 विश्व कप का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 3 से 20 अक्टूबर तक होने वाला है। आगामी वैश्विक आयोजन के लिए बांग्लादेश की टीम में जुलाई में महिला एशिया कप के लिए उतारी गई टीम से कुछ बदलाव किए गए हैं। लेग स्पिनर फहीमा खातून और बल्लेबाज सोभना मोस्टरी की टीम में वापसी हुई है, जबकि शीर्ष क्रम की अनकैप्ड बल्लेबाज ताज नेहर, सलामी बल्लेबाज शाति रानी और ऑलराउंडर दिशा बिस्वास को भी 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

बांग्लादेश की टीम में ऑलराउंडर रूमाना अहमद, बाएं हाथ की बल्लेबाज रुबिया हैदर झेलिक, ऑलराउंडर शोरिफा खातून, सलामी बल्लेबाज इश्मा तनजीम और बाएं हाथ की स्पिनर सबिकुन नाहर जेस्मिन को शामिल नहीं किया गया है। निगार, फहीमा, राबेया खान, शोरना अख्तर, दिलारा अख्तर, जहांआरा आलम और मारुफा अख्तर सहित बांग्लादेश की कुछ खिलाड़ी 'ए' टीम के दौरे के तहत श्रीलंका में हैं। 2024 महिला टी20 विश्व कप को 20 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने

बांग्लादेश से यूएई में स्थानांतरित कर दिया था, क्योंकि एशियाई देश में राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा संबंधी चिंताएं थीं। टूर्नामेंट के नौवें संस्करण के लिए बांग्लादेश को 2009 के चैंपियन इंग्लैंड, 2016 के विजेता वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और स्कॉटलैंड के साथ ग्रुप बी में रखा गया है।

वे अपना अभियान 3 अक्टूबर को शारजाह में स्कॉटलैंड के खिलाफ शुरू करेंगे, उसके बाद 5 अक्टूबर को इंग्लैंड का सामना करेंगे। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें क्रमशः 17 और 18 अक्टूबर को दुबई और शारजाह में सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी, उसके बाद 20 अक्टूबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में फाइनल होगा।

दो महीनों के लिए इंडियन सुपर लीग से बाहर हुए लुका मैजसेन

मोहाली।

पंजाब एफसी के फॉरवर्ड लुका मैजसेन चोट के कारण लगभग दो महीनों के लिए इंडियन सुपर लीग से बाहर रहेंगे। उन्हें यह चोट रविवार को कोच्चि में केरला ब्लास्टर्स के खिलाफ सीजन ओपनर मैच के दौरान लगी।

स्लोवेनियाई खिलाड़ी के जबड़े में दो फ्रैक्चर हुए हैं और वह आने वाले दिनों में सर्जरी कराएंगे। सर्जरी के बाद वे मेडिकल टीम की देखरेख में रहेंगे। उनके वापसी का समय 6-8 हफ्तों का अनुमान है, जो उनके चिकित्सा स्थिति और मेडिकल टीम की मंजूरी पर निर्भर करेगा।

फुटबॉल डायरेक्टर निकोलाओस टोपोलियाटिस ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आने वाले मैचों में लुका की सेवाएं हमें नहीं मिल पाएंगी। यह केरला ब्लास्टर्स के खिलाड़ी की एक अवांछित आक्रामक फाउल थी, जिसके कारण लुका को चोट लगी।

हम एक क्लब के रूप में खेल के ऐसे आक्रामक स्वभाव का समर्थन नहीं करते जो किसी भी सकारात्मक परिणाम की ओर नहीं ले जाता। मैं उनकी जल्दी स्वस्थ होने की कामना करता हूं और

उम्मीद करता हूं कि वे जल्द से जल्द टीम में वापस जुड़ेंगे।

लुका ने केरला ब्लास्टर्स के खिलाफ मैच में पहले पेनल्टी से टीम के लिए पहला गोल किया था और फिलिप म्रजल्जाक के विजयी गोल में सहायता भी दी थी, जिससे पंजाब एफसी ने अपने आईएसएल अभियान की शुरुआत जीत से की। पंजाब अब अपना अगला मैच शुक्रवार, 20 सितंबर को नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में ओडिशा एफसी के खिलाफ खेलेगा।

मीराबाई चानू का काम अभी अधूरा है : भारोत्तोलन कोच विजय शर्मा

नई दिल्ली।

अनुभवी भारोत्तोलन कोच विजय शर्मा ने कहा कि सैखोम मीराबाई चानू में अभी भी बहुत कुछ बाकी है। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता पिछले महीने पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहीं और महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक से चूक गईं।

पिछले हफ्ते मोदीनगर में महिला भारोत्तोलन लीग के इतर बोलते हुए शर्मा, जो 2014 से मीराबाई के साथ काम कर रहे हैं, ने कहा, पेरिस के बाद, हम दोनों ने भविष्य पर चर्चा की और फैसला किया कि मीराबाई को प्रतिस्पर्धी भारोत्तोलन में बने रहना चाहिए।

पेरिस में कड़ी प्रतिस्पर्धा में मीराबाई को थाईलैंड की सुरोदचाना खंबाओ ने कांस्य पदक मुकाबले में हराया।

खंबाओ ने कुल 200 किलोग्राम (88 स्नैच + 112 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क) उठाया, जबकि मीराबाई ने 199 (88 + 111) किलोग्राम उठाया। चीन की होउझिहुई (206 किलोग्राम) ने टोक्यो ओलंपिक में अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा, जबकि मौजूदा यूरोपीय चैंपियन रोमानिया की मिहेला कैम्बेई (205 किलोग्राम) ने रजत पदक जीता।

मोदीनगर में भारोत्तोलन सुविधा विकसित कर रहे शर्मा ने साई मीडिया से कहा, मैं 2014 से मीराबाई के साथ काम कर रहा हूं और वह बहुत अनुशासित एथलीट हैं। मीराबाई पेरिस में चौथे स्थान पर रहीं और हम दोनों को लगता है कि अभी कुछ और काम करना बाकी है। हम अगले कॉमनवेल्थ गेम्स (2026 में) और एशियाई खेलों (2026 में नागोया, जापान) पर विचार कर रहे हैं। उनकी कैबिनेट में एशियाई खेलों का पदक नहीं है और हम उसे हासिल करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

2023 में आयोजित हांग्जो एशियाई खेल मीराबाई के लिए बुरे सपने की तरह साबित हुए। एशियाई खेलों में पहला पदक जीतने से कुछ ही दूर, 29 वर्षीय मणिपुरी भारोत्तोलक को कूल्हे में चोट लग गई और वह पांच महीने तक बाहर रहीं। उन्होंने शानदार रिकवरी की और पदक की उम्मीद के तौर पर पेरिस ओलंपिक में जगह बनाई।

मीराबाई ने कहा, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और चोट से वापस आने के बाद जहां मैंने प्रदर्शन किया, उससे खुश हूं।

राष्ट्रीय कोच ने कहा कि भारत का भारोत्तोलन का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि महिलाएं कितनी मेहनत करती हैं।

उन्होंने कहा, भारत में, महिला भारोत्तोलन का भविष्य उवल है। आपने देखा होगा कि कैसे कर्णम मालेश्वरी ने 2000 में ओलंपिक पदक जीता, फिर मीराबाई चानू ने 2020 में...मैं 25 साल से भारोत्तोलन में हूं, मैं दृढ़ता से कह सकता हूं कि केवल महिलाएं ही हमें 2028 और 2032 में ओलंपिक पदक दिला सकती हैं। पुरुषों को ओलंपिक की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए वास्तव में बहुत मेहनत करनी होगी।

पढ़ाया जाएगा, कब और कितनी पिएं शराब

इटली के प्राइमरी स्कूलों में बच्चों को शराब पीने का पाठ पढ़ाया जाएगा। छात्रों को यह साप्ताहिक क्लास दी जाएगी, जिसमें उन्हें यह बताया जाएगा कि शराब कितनी मात्रा में पी जानी चाहिए। इस क्लास में छह साल तक की उम्र के बच्चों को शामिल किया जाएगा। इस क्लास में बताया जाएगा कि आखिर हमें कितनी शराब पीनी चाहिए ताकी हम बेकाबू न होने पाएं। इस तरह की पढ़ाई के लिए संसद में एक विधेयक पेश किया जाना है, जिसमें इटली की संस्कृति को बचाए रखने पर जोर

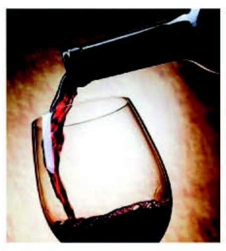

दिया जाएगा। इस बिल का नॉर्दन इटली के ब्रेस्सिया में पहले ही अनुपालन हो रहा है। यहां बच्चों के देश में शराब के योगदान के बारे में बताया जा रहा है। द टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इसकी शुरुआत स्थानीय राजनीतिज्ञों ने की है। इस साल गर्मियों से ही इसे पढ़ाना शुरू कर दिया जाएगा। इस संसदीय विधेयक को लाने की योजना बनाने वाले डारियो स्टेफानो ने कहा कि बच्चों को इस बारे में बताया जाएगा कि देश में शराब का क्या योगदान है और इसे कैसे बनाया जाता है।

बेकार नहीं हैं नींबू के छिलके

नींबू के फायदों के बारे में तो हम सब जानते हैं। लेकिन, क्या आप नींबू के छिलकों के फायदों और पोषक गुणों के बारे में जानते हैं। नींबू के छिलके में कैल्शियम और विटामिन सी होता है, जो हड्डियों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। यह हड्डियों से जुड़ीं बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, रहेयूमेटॉयड अर्थराइटिस और इंफ्लेमेटरी पोलीअर्थराइटिस से भी बचाने में मदद करता है।

शरीर में ज्यादा आयरन से होते हैं ये रोग

कई बार लोग शरीर में कैल्शियम की कमी होने से बहुत अधिक मात्रा में आयरन का सेवन करने लगते हैं। जिससे शरीर में आयरन अधिक की मात्रा हो जाती है। क्या आपको मालुम है शरीर में आयरन की अती होने से शरीर खतरनाक बीमारियों का घर बन जाता है। इन खतरनाक बीमारियों के बारे में जानते हैं।

आयरन की अधिकता

शरीर में आयरन की कमी से बाल झड़ने व एनीमिया रोग की समस्या पैदा होती है। इसी कारण आयरन शरीर के लिए काफी जरूरी माना जाता है। एक इंसान को फिट और हेल्दी रहने के लिए रोज 21 मिलीग्राम आयरन लेना चाहिए। लेकिन क्या आपको मालुम है की शरीर में आयरन की मात्रा अधिक होने से भी कई सारी बीमारियां होती हैं।

दिल की बीमारियां

आयरन की अधिकता का सबसे ज्यादा असर दिल पर पड़ता है और इससे दिल की अनेक तरह की समस्या उत्पन्न होती है। शरीर में आयरन की अधिकता होने से दिल के टिश्यू ऑक्सीडेटिव डैमेज हो जाते हैं। कई बार टिश्यू ऑक्सीडेटिव डैमेज इतना हो जाता है कि हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ जाता है।

लीवर डैमेज

कई बार आयरन की अती होने से लीवर भी डैमेज हो जाता है। किसी इंसान के शरीर में अगर आयरन की मात्रा बढ़ती है तो लीवर में प्रेशर बढ़ने लगता है जिससे लीवर के टिश्यू का ऑक्सीकरण सही से नहीं हो पाता और वो डैमेज होने लगते हैं। कई बार लीवर के कैंसर का खतरा भी उत्पन्न हो जाता है।

कैंसर

शरीर में आयरन की अधिक मात्रा होने से कई बार कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसा शरीर में आयरन सही से फिल्टर नहीं होने के कारण होता है। जिसकी वजह से शरीर में टॉक्सिन और फ्री रैडिकल बढ़ जाते हैं, जो कि कैंसर का कारक होते हैं।

ऑस्टियोपोरोसिस

आयरन की कमी से हड्डियां कमजोर होती हैं तो आयरन की अती से भी हड्डियों के कमजोर होने की संभावना रहती है। हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार, शरीर में आयरन की अधिक मात्रा से हड्डियों के गठन और कैल्शियम के अवशोषण की हड्डी से जड़े ऑक्सीडेशन व एंटी-ऑक्सीडेशन तंत्र में असंतुलन की स्थिति पैदा होती है। इस स्थिति में शरीर का लंबे समय तक रहने से ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या हो जाती है।

बुढ़ापे में बीमारियों से बचाएगा टीकाकरण

बच्चे के जन्म लेने के बाद से ही उसे बीमारियों से बचाए रखने के लिए पूरे साल न जाने कितने टीके लगवाए जाते हैं। ताकि साल भर वे हेल्दी और स्वस्थ रह सके। लेकिन क्या आप जानते हैं, ऐसा बुजुर्गों के लिए भी जरूरी हो गया है। जी हां, अगर आप चाहते हैं कि आप खुद या आपके माता-पिता रोग मुक्त जीवन जीएं, तो उनके लिए टीकाकरण जरूरी है।

यह टीका हर साल होने वाली जानलेवा बीमारियों से बचाने में बेहद मदद करता है। आज भी 50 फीसदी वरिष्ठ नागरिकों को इस टीकाकरण और इसे न लगवाने पर होने वाले नुकसानों के बारे में जानकारी नहीं है। आप जो बोते हैं, वही काटते हैं- यह एक पुरानी कहावत है। यह हमारी सेहत पर भी उतनी ही लागू होती है। जब हम युवा होते हैं तो अपनी सेहत का ध्यान न रखने से होने वाले नुकसानों को नजरअंदाज कर देते हैं। और जब हम बूढ़े हो जाते हैं, तो हमें बहुत सारी बीमारियों का सामना करना पड़ता है। उस वक्त हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कम हो जाती है। कई बार हम यह भी सोचते हैं कि एक बार टीका लेना काफी है। लेकिन जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है इस टीकाकरण का असर कम होने लगता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अनुसार उम्र बढ़ने के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती जाती है। इस वजह से युवाओं के मुकाबले बड़ी उम्र वालों में रोकी जा सकने वाली बीमारियां होने की संभावना ज्यादा हो जाती है।

उन्होंने कहा, अगर वह पहले से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसे कि दिल की बीमारियां, हाईपरटेंशन, डायबिटीज या ऑब्स्ट्रक्टिव प्लमनरी डिजीज से जुड़ जाती हैं तो यह जानलेवा साबित हो सकता हैं। आम तौर पर होने वाली बीमारियां फ्लू, हैपेटाइटिस-ए, हैपेटाइटिस-बी होती हैं। इन हालतों को देखते हुए कुछ टीका 65 साल की उम्र के बाद देनी जरूरी हो जाता है। बच्चों को चाहिए कि उनके अभिभावक यह टीका लें ताकि वह लंबी और सेहतमंद जिंदगी जी सकें।

इन बातों का रखें ध्यान

- फ्लू वैक्सीन 6 महीने या उससे बड़े सभी व्यक्तियों को देने की सलाह दी जाती है।
- निमूनिया वैक्सीन 65 साल या उससे ज्यादा उम्र के लोगों को दी जानी चाहिए।
- टेटनस टॉक्साईड हर 10 साल बाद देते रहना चाहिए।
- अगर पहले ना लगी हो तो सभी को हैपेटाइटिस-बी की वैक्सीन देनी चाहिए।
- 60 साल या उससे ज्यादा उम्र वाले को डायबिटीज है तो उन्हें हैपेटाइटिस-बी की वैक्सीन देनी चाहिए। आगे चल कर ब्लड ग्लूकोज की मॉनीटरिंग की अधिक आवश्यकता के लिए यह वैक्सीन लगवाने की सलाह दी जाती है।

जानिए प्लास्टिक बोतल के नीचे लिखे नंबर का मतलब

अगर आप किसी भी प्लास्टिक कंटेनर, वॉटर बॉटल्स या प्लास्टिक पैकेज्ड प्रोडक्ट को उल्टा करेंगी तो आप पाएंगी कि नीचे एक छोटा सा ट्राइएंगल है और इसमें एक नंबर या अंग्रेजी के कुछ अक्षर लिखे होते हैं। दरअसल यह नंबर या अक्षर उन कैमिकल्स के बारे में बताता है, जो उस विशेष प्लास्टिक प्रॉडक्ट को बनाने में इस्तेमाल हुआ है...

पॉलीएथीलीन टेरेफथैलेट: यह प्लास्टिक सबसे ज्यादा इस्तेमाल की जाती है। आप इसे कोल्ड ड्रिंक या वॉटर वॉटल्स के नीचे पाएंगी। यह प्लास्टिक केवल एक बार इस्तेमाल के लिए ही बनी होती है। पैट प्लास्टिक को दोबारा इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती क्योंकि अगर आप इसे साबुन या डिटर्जेंट की मदद से साफ करती हैं या अधिक तापमान पर रखती हैं तो संभव है कि प्लास्टिक में मिले केमिकल्स पानी के साथ मिल जाएं। ये केमिकल्स हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छे नहीं होते। इन बोतलों को दोबारा इस्तेमाल न करें।

हाई डेंसिटी पॉलीएथीलीन: यह प्लास्टिक पेट्रोलियम से बनी होती है और ज्यादातर प्लास्टिक बैग, ऑयल बॉटल्स, जूस बॉटल्स, मक्खन या योगर्ट टब्स बनाने में इस्तेमाल होती है। यह प्लास्टिक हार्ड और अपारदर्शी होती है और उच्च तापमान पर भी अप्रभावित रहती है। यह हानिकारक केमिकल्स नहीं निकालती और दोबारा इस्तेमाल की जा सकती है। इस प्लास्टिक की रीसाइक्लिंग दर सभी प्लास्टिक में सबसे ज्यादा है।

विनायल या पीवीसी : यह थर्मोप्लास्टिक पॉलीमर है और अक्सर डिटर्जेंट और विंडो क्लीनर बॉटल्स में पाया जाता है। जिन बॉटल्स पर पीवीसी या 3वी लिखा होता है, वे बहुत नुकसान करती हैं और आपको उन्हें इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ये बॉटल्स हानिकारक केमिकल्स निकालती हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। इस प्लास्टिक को रीसाइकल भी नहीं किया जाता।

लो डेंसिटी पॉलीएथीलीन: यह थर्मोप्लास्टिक भी पेट्रोलियम से बनी होती है और या तो अपारदर्शी होती है या फिर पारभासी। इसका इस्तेमाल शॉपिंग बैग्स, फूड रैप्स और ब्रेड बैग्स बनाने में होता है। यह प्लास्टिक हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक नहीं है क्योंकि इससे कोई हानिकारक पदार्थ या केमिकल नहीं निकलता।

पॉलीप्रॉपाइलीन: पॉलीप्रॉपाइलीन या पीपी थर्मोप्लास्टिक पॉलीमर है। यह कठोर, मजबूत होता है और इसकी प्रतिरोधक क्षमता भी ज्यादा होती है। इसलिए इसे सबसे सुरक्षित प्लास्टिक माना गया है। पीपी साइन दवाइयों की शीशी, केचप या अन्य दबाने वाली बॉटल्स में पाया जा सकता है। इस प्लास्टिक को रीसाइकल भी किया जाता है।

पॉलीस्टाइरीन: पी एस भी एक पेट्रोलियम आधारित प्लास्टिक है, जिसे इंसुलेशन और पैकेजिंग मटैरियल्स में इस्तेमाल किया जाता है। आप इस साइन को डिस्पोजेबल कंटेनर्स या एग कार्टन्स में देख सकती हैं। प्लास्टिक के इस रूप को रीसाइकल करना बहुत ही मुश्किल है।

पॉलीकार्बोनेट: यह प्लास्टिक सबसे ज्यादा खतरनाक होता है क्योंकि यह बीपीए केमिकल्स छोड़ता है। इसका इस्तेमाल फूड कंटेनर्स और तीन से पांच गैलन की वॉटर बॉटल्स बनाने में होता है। यह रीसाइकल भी नहीं किया जा सकता।

लौकी के जूस में शहद मिलाएं और फिर देखिए जादू

क्या आप जानते हैं कि लौकी के जूस में शहद मिला कर पीने से आपको 7 तरह की बीमारियों से निजात मिल सकती है? इस जूस को बनाना काफी आसान है, बस ताजी लौकी के कुछ फ्रेश पीस को ब्लेंडर में डालिए और उसके साथ 1 चम्मच शहद मिलाइए। फिर इसे ब्लेंड कीजिए और यह जूस पीने के लिए तैयार हो जाएगा। जूस बनाने से पहले लौकी के छोटे पीस को जरुर चखना चाहिए, अगर यह तीखी है तो इसका जूस ना बनाएं। तो आइए अब जानते हैं इसके 7 स्वास्थ्य लाभ क्या हैं-

पाचन शक्ति बढ़ाए- अगर रह रह कर आपको एसिडिटी और कब्ज की समस्या रहती है, तो लौकी का जूस पिएं। इससे पेट में एसिड का लेवल न्यूट्रलाइज हो जाएगा और पेट की सारी समस्या दूर हो जाएगी। इस जूस को पीने से शरीर का मेटाबॉलिज्म तेज होता है और फैट जल्दी बर्न होता है।

यूटीआई ठीक करे- मूत्र पथ संक्रमण की समस्या इस जूस के नियमित सेवन से ठीक होती है। यह यूरीने से एसिड के लेवल को कम करता है। इसे पीने से नसें चौड़ी हो जाती हैं जिससे शरीर में रक्त का प्रवाह बढ़ जाता है।

प्रेगनेंसी में जरूर पिएं- लौकी तथा शहद, दोंनो ही चीजों में विटामिन, कैल्शियम और फोलेट पाए जाते हैं, जिससे हर प्रेगनेंट महिला को पीना चाहिए। **किसी भी उपाय को करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें।**

सही संतुलन, अनुपात, रंग और स्वाद का ध्यान रखना जरूरी

बिना सोचे-समझे न खाएं सलाद

हम सब जानते हैं कि एक कटोरी भर सलाद हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत बढ़िया होता है, परंतु सही संतुलन, अनुपात, रंग और स्वाद कैसे प्राप्त किया जाए यह एक प्रमुख प्रश्न है जो हमें भयभीत करता रहता है। इसलिए जरूरी ये है कि हम सलाद का सेवन करते समय इस बात का ध्यान रखें कि उसे किस अनुपात में खाना है। आज हम आपको बताते हैं सलाद के बारे में कुछ बुनियादी बातें।

मीठे के स्थान पर कर सकते हैं सेवन

बहस लगातार जारी है कि आपको सलाद का सेवन कब करना चाहिए। भोजन से पहले या बाद में। यदि मुख्य भोजन के बाद सलाद का सेवन किया जाए तो ये फायदेमंद होता है। इसके अलावा मीठे के स्थान पर सलाद का इस्तेमाल ज्यादा बेहतर होता है।

इससे बनेगी रुचि

काबुली चने तथा अन्य अंकुरित खाद्यों को एक तरफ रखकर प्रति सप्ताह सलाद में कुछ नया शामिल करें। ताजा जड़ी-बूटियों, चुकंदर के टुकड़ों, एवेकाडो, कम फैट वाला, गोटा चीज या ताकत से भरपूर कद्दू के बीजों का सेवन करें। ये न सिर्फ आपकी सलाद में रुचि बनाए रखेंगे, बल्कि कुछ अलग पोषक तत्व और स्वाद भी आपके सलाद में शामिल करेंगे।

इसमें विटामिंस ज्यादा

हरे रंग के सभी सलाद स्वास्थ्यवर्धक नहीं होते। आइसबर्ग लैट्यूस सलाद की प्लेट में आकर्षक और कुरकुरा तो लगता है, परंतु पोषण के मामले में यह बहुत बढ़िया नहीं होता। इसकी बजाय गहरे रंग वाले पत्तों का सेवन करें जैसे पालक, राकेट लीव्स, रैड एंड ग्रीन लीफ, तथा रोमेन लैट्यूस को सलाद में शामिल करें। इनमें विटामिन्स मिनरल्स अधिक मात्रा में मौजूद होते हैं।

क्रंच से बचें...

क्रिस्पी नूडल्स या क्रन्च (ब्रैड के कुरमुरे टुकड़े) को अपने थाई या एशियाई सलाद चाहे आपको अत्यधिक स्वादिष्ट लगता हो, परंतु यह आपकी कमर के लिए ठीक नहीं है। क्रूटन्स को प्रोसैस्ड व्हाइट ब्रेड से तैयार किया जाता है जिसका अर्थ है खाली कार्बोहाइड्रेट्स तथा कैलोरीज की अधिकता जिस प्रकार का क्रंच आप चाहते हैं उसके लिए अखरोट या सिंघाड़ों का सेवन बढ़िया रहता है।

ऑफिस में तनाव व काम के दबाव से मुक्ति पाएं

अच्छी व छोटी-सी नींद तनाव व काम के दबाव से मुक्ति दिलाती है क्योंकि नींद के दौरान क्षतिग्रस्त कोशिकाएं पुनर्जीवित हो जाती हैं। यदि आप काम के बीच थोड़ी-सी नींद लेते हैं तो इससे आपकी याददाश्त तेज होती है और बुद्धि में भी बढ़ोतरी होती है।

अक्सर आफिस के किसी कर्मचारी को सोते देख उसके बॉस की भौंहें तन जाती हैं और वह उसकी मेज पर जोर से हाथ मारते हैं ताकि कर्मचारी जागकर अपने काम पर लग सकें। ऐसे लोग बॉस की नजरों में लापरवाह होते हैं पर ऐसा जरूरी नहीं। न्यूयार्क में हुए नए शोध बताते हैं कि यदि आप काम के बीच थोड़ी-सी नींद लेते हैं तो इससे आपकी याददाश्त तेज होती है और बुद्धि में भी बढ़ोतरी होती है। अध्ययन में स्वैच्छिक कर्मचारियों को 2 वर्गों में बांटा गया व उन्हें शब्द दिए गए। थोड़ी देर बाद एक वर्ग ने 47 मिनट की नींद ली व दूसरे ग्रुप ने पत्रिका पढ़ कर व फिल्में देख कर यह समय व्यतीत किया। जब 6 घंटों बाद उन दोनों का दोबारा टेस्ट लिया गया तो पाया गया कि जिन लोगों ने नींद ली थी उन्होंने महत्वपूर्ण तथ्य आसानी से याद कर लिए थे। दूसरे वर्ग की बजाय उन्होंने 15 प्रतिशत अधिक शब्दों को याद किया। शोधकर्ताओं के मुताबिक अच्छी व छोटी-सी नींद तनाव व काम के दबाव से मुक्ति दिलाती है क्योंकि नींद के दौरान क्षतिग्रस्त कोशिकाएं पुनर्जीवित हो जाती हैं इसलिए व्यक्ति की याद करने की क्षमता पुनः तीव्र हो जाती है।

मैनेजमैंट टिप्स: बड़े विचारों को सरलता से पकड़ें...

अच्छे विचारों को लिखने और उनसे फायदा उठाने के लिए अपनी स्मृति या ब्लैकबेरी पर भरोसा न करें। पुराने जमाने के लोगों की तरह 3 गुणा 5 के इंडैक्स काड्र्स का उपयोग करें। उन्हें अपने साथ जेब में रखें और जब भी कोई अच्छा विचार सुनें तो उसे एक कार्ड पर लिख लें। भौतिक रूप से कार्ड साथ रखने का नतीजा होगा कि आप हर शाम को उन पर विचार करने के लिए विवश हो जाएंगे। इसके अलावा विचारों को लिखने के कार्य से उन्हें याद रखने और आत्मसात करने में भी मदद मिलती है। साथ ही जेब में खाली कार्ड होने से आपको हमेशा याद रहेगा कि आपको नए विचारों की तलाश करनी है और सबसे महत्वपूर्ण बात, सुनना है।

रेसिपी

कोर्न करी

सामग्री

11/2 कप उबले हुए मीठी मकई के दानें, 2 स्पून तेल, 2 दालचीनी टुकड़ा, 2 लौंग, 2 इलायची, 1 स्पून कोर्नफ्लार , 2 कप नारीयल दुध मे घुला, नमक स्वादअनुसार। **हरा पेस्ट बनाने के लिये:** 11/2 कप हरा धनिया, 1/4 कप प्याज, 2 स्पून ताज़ा कसा हुआ नारीयल, 7 लहसुन की कलियां, 2 अदरक के टुकड़े, 4 स्पून खसखस, 6 हरी मिर्च,1 स्पून नींबू का रस,

परोसने के लिए: रोटी/पराठे,स्टीम्ड चावल

विधि

कढ़ाई मे तेल गरम करें, तैयार हरा पेस्ट, दालचीनी, लौंग और इलायची डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट भूने। मीठे मकई के दाने डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए, 1 मिनट तक पकाएं। कोर्नफ्लार-नारीयल के दुध का मिश्रण और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए, 5 से 6 मिनट तक पकाएं। रोटी या पराठे और चावल के साथ गरमा गरम परोसें।

उड़द दाल विथ पनीर

सामग्री

3/4 कप उड़द दाल, 1/2 कप छोटे पनीर के टुकड़े, 1/2 टी-स्पून हल्दी, नमक , स्वाद अनुसार, 1 टी-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 1/2 कप बारीक कटा हुआ टमाटर, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च का पाउडर, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

एक गहरे बर्तन में उड़द दाल को पर्याप्त पानी का उपयोग करते हुए 1 घंटा पहले भिगोए और अच्छे से छान लीजिए। प्रेशर कुकर में उड़द दाल, 1/4 टी-स्पून हल्दी, नमक और 1 1/4 कप पानी डालिए, अच्छे से मिलाइए और 1 सिटी आने तक प्रेशर कुकर में पकाइए। ढककन खोलने से पहले भांप को निकल जाने दीजिए। छानिए और एक तरफ रख दीजिए। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करिए, उसमे पनीर डालिए और मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट या पनीर का हल्का भूरा रंग होने तक भूनिए। आंच पर से हटाए और एक तरफ रख दीजिए। उसी कढ़ाई में जीरा डालिए। जब जीरा चटखने लगे, उसमे प्याज़ डालिए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट भूनिए। उसमे टमाटर, हरी मिर्च, लाल मिर्च का पाउडर, बचा हुआ 1/4 टी-स्पून हल्दी, 2 टेबल-स्पून पानी और नमक डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 मिनट, बीच-बीच में हिलाते हुए पकाइए। उसमे पकाई हुई उड़द दाल डालकर, हल्के से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 मिनट पकाइए। उसमे भुना हुआ पनीर और धनिया डालकर, हल्के से मिलाइए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट ओर, बीच-बीच में हिलाते हुए पकाइए। गरमा गरम परोसिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**